सत्यमेव जयते

असंशोधित

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

24 मार्च, 2017

षोडश विधान सभा शुक्रवार, तिथि 24 मार्च,2017 ई0

पंचम सत्र 03 चैत्र, 1939 (शक)

(कार्यवाही प्रारम्भ होने का समय-11 बजे पूर्वाह्न)

(इस अवसर पर अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

अध्यक्ष : सभा की कार्यवाही प्रारम्भ की जाती है ।

प्रश्नोत्तर काल

श्री प्रेम कुमार, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, ..

अध्यक्ष : प्रश्नोत्तर काल चलने दीजिये । उस समय उठाईयेगा, जिस समय उठाते हैं।

अल्प सूचित प्रश्न संख्या -21(श्री वीरेन्द्र कुमार सिंह)

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री : महोदय, आंशिक रुप से स्वीकारात्मक है ।

सोन नहर प्रणाली पर 8 जल विद्युत परियोजनायें हैं । बारुन, अगनुर, बेललसार एवं अरवल परियोजना से विद्युत उत्पादन नहीं हो रहा है । निगम के सभी 13 उत्पादनरत को संस्थापित क्षमता पर चलाने के लिए नयी Operation and Maintenance Policy तैयार करायी जा रही है ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : आप समय पर उठाईयेगा ।

श्री प्रेम कुमार, नेता विरोधी दल : ठीक है ।

श्री वीरेन्द्र कुमार सिंह : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी से मैं पूछना चाहता हूँ कि क्या यह बात सही है कि बिहार राज्य जल विद्युत निगम मे स्थायी प्रबंध निदेशक का पद 3 वर्षों से रिक्त है ? क्या यह बात सही है कि इसी के चलते आज जो विभिन्न पन बिजली परियोजना है वह बंद है और उनकी उदासीनता के कारण ही पन बिजली परियोजना ठीक से चालू नहीं हो रही है ?

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री : महोदय, पहले की स्थिति में और अब की स्थिति में अंतर है । पहले बिजली बोर्ड सेपरेट एक था और आर्गेनाईजेशन जो अन्य कामों को देखता था और हाईड्ल के लिए अलग और्गेनाइजेशन, ब्रेडा के लिए लेकिन अब बिजली अब तीन भागों में बंट गयी है - होल्डिंग कंपनी अलग है, जेनरेशन का अलग है, ट्रांसमीशन का अलग है और डिस्ट्रीब्यूशन का अलग है तो जेनरेशन कंपनी के एम0डी0 ही उसके भी एम0डी0 हैं । इसलिए ऐसी कोई बात नहीं है । मैंने जैसा कहा कि उसके लिए आई.टी.आई., रुड़की से पूरी जॉच करवायी गयी । बहुत पुरानी यूनिट है, क्षमता को प्रोपर चलाने के लिए मेंटीनेंश पॉलिसी बनायी जा रही

है, जल्दी वह आ जायेगी उसके बाद वह ऑपरेशन किया जायेगा और उसमें सुधार की गुंजाईश है ।

श्री वीरेन्द्र कुमार सिंह : अध्यक्ष महोदय,....

अध्यक्ष : मंत्री जी ने तो बता दिया कि मेंटीनेंस पॉलिसी बना रहे हैं उसके तहत शीघ्र कार्रवाई होगी ।

श्री वीरेन्द्र कुमार सिंह : मैं मंत्री जी से एक चीज पूछना चाहता हूँ कि मंत्री जी बहुत संवेदनशील हैं और ..

अध्यक्ष : आप प्रश्न पूछिये न । संवेदनशील तो हैं ही ।

श्री वीरेन्द्र कुमार सिंह : हॉं, उर्जा विभाग में इन्होंने बहुत ही काबिले-तारीफ काम किया है । लेकिन मैं उनसे एक समय सीमा निर्धारित कराना चाहता हूँ कि कबतक उसको चालू करवा देंगे ?

अध्यक्ष : मंत्री जी ने बता दिया है कि पॉलिसी बन रही है इसमें, अनावश्यक लम्बा नहीं करिये ।

<u>अल्प सूचित प्रश्न संख्या 22 (डा0 रामानुज प्रसाद)</u>

श्री तेज प्रताप यादव, मंत्री : महोदय, स्वीकारात्मक है ।

इन्दिरा गांधी हृदय रोग संस्थान में हार्ट लंग मशीन हेतु आपूर्ति का आदेश दिया जा चुका है । अगले दो माह में ओपेन हार्ट सर्जरी शुरु कर दी जायेगी ।

<u>अल्प सूचित प्रश्न संख्या 23 (श्री संजय सरावगी)</u>

श्री तेज प्रताप यादव, मंत्री : महोदय, 1- स्वीकारात्मक है ।

2- स्वीकारात्मक है ।

3-प्राईवेट अस्पतालों में सिजेरियन डेलीवरी के बढ़ते प्रतिशत को रोकने हेतु प्रथम रेफरल इकाई (एफ0आर0यू0) सहित सभी सरकारी संस्थानों में व्यवस्था की जा रही है। वर्तमान में 68 एफ0आर0यू0 में सिजेरियन डिलीवरी हो रहा है। इसे अगले वित्तीय वर्ष में 100 तक बढ़ाने के लिए सरकार प्रयास कर रही है । इसके लिए 58 निश्चेतक, 65 स्त्री रोग विशेषज्ञ तथा 63 शिशु रोग विशेषज्ञों की नियुक्ति संविदा पर की गयी है । अन्य रिक्त पदों पर संविदा आधारित नियुक्ति हेतु सभी संबंधितों को आवश्यक निर्देश दिया गया हे ।

श्री संजय सरावगी : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्रश्न कुछ और है और माननीय मंत्री जी जवाब कुछ और दे रहे हैं । मेरा प्रश्न है कि सरकारी अस्पतालों में जो डिलीवरी हो

रही है, उसमें सिजेरियन का प्रतिशत 1.3 प्रतिशत है और प्राईवेट अस्पतालों में जो सर्जरी हो रही है अध्यक्ष महोदय, उसका प्रतिशत 23 है । अध्यक्ष महोदय, नेशनल हेल्थ फैमिली सर्वे की प्रमाणित रिपोर्ट है और निजी अस्पताल जिस तरह मरीजों को लूट रहे हैं जब से महिला गर्भवती होती है, नौ महीना में चार-चार, पॉच-पॉच बार अल्ट्रा साउन्ड किया जाता है और उसके बाद समय पर उसको सीरियस करके और सर्जरी कर दी जाती है, क्या सरकार की कोई नीति है सरकार के सिविल सर्जन, सरकार के ड्रग इंसपेक्टर जो सरकार के मौनिटरिंग अफसर हैं जो निजी अस्पतालों में गड़बड़ी हो रही है, उसकी जॉच की जो एजेन्सी है, वह क्या कार्रवाई कर रही है, यह मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ ?

अध्यक्ष : नहीं, इसमें जो आप पूछ रहे हैं इसमें सरकार ..

श्री संजय सरावगी : वही अध्यक्ष महोदय,..

अध्यक्ष : आपका पूछना सही है । आपकी चिन्ता वाजिब है कि आप के हिसाब से प्राईवेट अस्पतालों में सिजेरियन का प्रतिशत ज्यादा है, वह लोग ज्यादा सिजेरियन कर रहे हैं तो इसके लिए तो सबसे पहले जागरुकता फैलाने की बात है न कि महिलाएं प्रसव के लिए सरकारी अस्पताल में जांय । सरकार तो किसी को प्राईवेट में जाने के लिए कहती नहीं है ।

श्री संजय सरावगी : अध्यक्ष महोदय, सरकार नहीं कहती है लेकिन प्राईवेट अस्पतालों की हालत है कि मरीजों को चूस रहे हैं, नाजायज ऑपरेशन कर रहे हैं । उसको समय पर 14,15,16 हजार..

अध्यक्ष : ठीक है, वैसा मामला जिसपर मंत्री जी ..

श्री संजय सरावगी : इसपर मंत्री जी बतायें और वह स्वीकार कर रहे हैं कि हां यह गड़बड़ी है। मंत्री जी स्वीकार कर रहे हैं कि ..

अध्यक्ष : सरकार ने कहा है कि ऐसा हो रहा है तो सरकारी अस्पतालों में प्रसव के लिए सुविधायें कितनी बढ़ायी जा रही है । उसके बारे में भी उन्होंने कहा है कि कितने निश्चेतक आ रहे हैं, कितने शिशु रोग विशेषज्ञ आ रहे हैं, कितने स्त्री रोग विशेषज्ञ आ रहे हैं, अब ये पूरे सदन का दायित्व है कि लोगों को प्रसव काल में सरकारी अस्पताल में जाने के लिए ही प्रेरित करें । यह तो सबको प्रेरित करना होगा ।

श्री संजय सरावगी : लेकिन अध्यक्ष महोदय.....

अध्यक्ष : अब तारांकित प्रश्न लिए जायेंगे ।

तारांकित प्रश्न संख्या 1302 (श्री नौशाद आलम)

श्री चन्द्रशेखर, मंत्री : महोदय, वस्तुस्थिति यह है कि कृषि इनपुट कृषि विभाग के माध्यम से अधियाचना आनी चाहिए थी तो जिला पदाधिकारी ने कृषि विभाग के माध्यम से नहीं भेजा । इसलिए पत्रांक 848 दिनाँक 23-03 से हमने कृषि विभाग के माध्यम से अधियाचना भेजने के लिए कहा है । अधियाचना आने के उपरांत कृषि इनपुट देने की कार्रवाई की जायेगी ।

तारांकित प्रश्न संख्या 2435 (श्री नीरज कुमार)

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री : महोदय, 1-स्वीकारात्मक है । माह- जून में स्थानांतरण संबंधी मामलों की समेकित समीक्षा के उपरांत निर्णय लिया जायेगा लेकिन महोदय, नियमावली के अनुसार ट्रांसफर पोस्टिंग का मामला विधान सभा में आना नहीं चाहिए ।

अध्यक्ष : ठीक है ।

तारांकित प्रश्न संख्या 2436(श्री सचीन्द्र प्रसाद सिंह)

श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, मंत्री : महोदय, 1- अस्वीकारात्मक है । विकसित बिहार के 7 निश्चय के तहत ''आर्थिक हल युवाओं के बल'' के अंतर्गत मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना का शुभारम्भ 2-10-2016 को हुआ है इस योजना के तहत निर्धारित आहर्ताओं एवं शर्त्तों को पूरा करने वाले आवेदन देने वाले पात्र आवेदकों को 1 हजार रुपया प्रति माह की दर से रोजगार की तलाश हेतु स्वयं सहायता भत्ता का भुगतान किया जा रहा है जो एक आवेदक को अधिकतम दो वर्षों के लिए प्राप्त होगा । इस योजना के लिए निर्धारित अर्हता एवं शर्त्तें निम्नवत हैं :

1- बिहार राज्य के निवासी 20 से 25 वर्ष की आयु वर्ग में आने वाले वैसे बेराजगार युवक युवती जो रोजगार की तलाश कर रहे हों एवं जिनकी शैक्षण्कि योग्यता राज्य में अवस्थित सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से इन्टर बारहवीं उत्तीर्ण हों परन्तु उच्चतर शिक्षा नहीं प्राप्त किए हों न ही आगे की पढ़ाई कर रहे हैं को इस योजना का लाभ अनुमान्य होगा ।

2- आवेदक बिहार राज्य के उस जिले का स्थायी निवासी होनाा चाहिए जहाँ के जिला निबंधन केन्द्र में वह आवेदन जमा कर रहा है ।

3-आवेदक को किसी अन्य स्रोत से किसी प्रकार का भत्ता छात्रवृति, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, शिक्षा ऋण या किसी प्रकार का सहायता प्राप्त नहीं हो ।

4- आवेदक को किसी प्रकार की गैर सरकारी या गैर सरकारी नियोजन अनुबंध स्थायी/अस्थायी रुप से प्राप्त नहीं हो ।

क्रमशः

टर्न-2/24.3.2017/बिपिन

श्री राजीव रंजन सिह उर्फ ललन सिंह,मंत्री: क्रमशः 5. आवेदक के पास स्वरोजगार नहीं हो ।

6. आवेदक को जिस दिन अस्थायी नियोजन या रोजगार प्राप्त होगा, उसी दिन से इस योजना के तहत दी जाने वाली भत्ता हेतु उनकी पात्रता समाप्त समझी जाएगी एवं तदनुसार उनसे सूचना प्राप्त होते ही भत्ता का भुगतान बंद कर दिया जाएगा । इस योजना के तहत स्वयं सहायता भत्ता की राशि प्राप्त करने हेतु आवेदन देने वाले बेरोजगार युवक-युवतियों को श्रम संसाधन विभाग द्वारा संचालित भाषा संवाद एवं बुनियादी कम्प्युटर ज्ञान कुशल युवा कार्यक्रम का प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से प्राप्त करना होगा एवं उन्हें कुल प्राप्त होने वाली स्वयं सहायता भत्ता की अंतिम पांच माह की राशि तब तक विमुक्त नहीं की जाएगी जब तक कि वह उक्त प्रशिक्षण का सफलतापूर्वक पूर्ण करने का प्रमाण-पत्र नहीं समर्पित करते हैं ।

उपर्युक्त अहर्ताओं को पूरा करने वाले इस योजना का लाभ लेने हेतु आवेदन-पत्र समर्पित करने वाले सभी पात्र व्यक्तियों को स्वयं सहायता भत्ता का लाभ प्रदान करने हेतु राज्य सरकार कटिबद्ध है ।

मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना के अंतर्गत दिनांक 15.3.2017 तक 35,350 पात्र व्यक्तियों के आवेदन पत्र को स्वीकृत किया जा चुका है एवं 23,534 आवेदकों के खाता में स्वयं सहायता भत्ता की राशि कुल 381.19 लाख रू0 अंतरित किया जा चुका है ।

श्री सचीन्द्र प्रसाद सिंह : महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूरक सवाल यह करना चाहता हूं कि 37 लाख लोगों को प्रथम वर्ष में इस योजना का लाभ देना था जिसमें माननीय मंत्रीजी ने कहा कि 35 हजार लोगों को चिन्हित् किया जा चुका है और 23 हजार लोगों के खाते में पैसा चला गया है । एक । दूसरा, जो इंटर पास होंगे उन्हीं को यह सहायता भत्ता दिया जाएगा । दूसरा, मेरा पूरक यह है कि क्या इंटर के उपर के जो विद्यार्थी हैं जो आ.टी.आई. किए हुए हैं, बी.ए. पास हैं या अन्य कोई डिग्री प्राप्त किए हुए हैं, तो मेरा दूसरा जो पूरक है वह यह था कि इंटर से उपर के जितने उत्तीर्ण विद्यार्थी हैं किसी प्रकार के डिग्रीधारी टेक्निकल हों या सामान्य परीक्षा पास किए विद्यार्थी बी.ए., एम.ए. पास किए हुए हों, उनको क्या सरकार नियम बनाकर उन्हें भी यह सहायता भत्ता देना चाहती है ?

श्री राजीव रंजन सिह उर्फ ललन सिंह,मंत्री: महोदय, मैंने बताया कि पहला जो माननीय सदस्य ने पूछा है, 35 लाख नहीं, हमलोगों ने एक अनुमान लगाया था कि 17 लोग पहले साल, चूंकि 35 लाख कुछ हैं जो पास हैं, 35,62,246 छात्र हैं जो प्लस टू, बारहवीं पास उत्तीर्ण छात्र हैं तो हमलोगों ने एक अनुमान लगाया था कि पहले साल संभव है कि

बहुत बड़ी संख्या में लोग आएं, इसलिए हमलोगों ने अनुमान लगाकर 17 लाख लोगों का प्रोविजन किया था लेकिन पहला साल जैसा होता है कि पहले साल अक्तूबर में शुरू हुआ तो छः महीना तक तो ऐसे ही निकल गया, तो छः महीना के बाद और फिर जब नई योजना कोई शुरू होती है तो उसके लिए तैयारी करना पड़ता है, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप करना पता है तो उन सारी चीजों को करने के बाद अब जो भी आवेदन आ रहे हैं अब उसमें कई लोग आवेदन वापस भी लिए, कई लोगों ने जो हायर एजुकेशन कर रहे थे, उनलोगों ने भी आवेदन दिया । तो इस तरह से कई लोगों ने आवेदन दिया एक प्रक्रिया में है, नई योजना है, वह प्रक्रिया में है और आने वाले समय में सरकार कटिबद्ध है कि जो भी 12वीं तक उत्तीर्ण छात्र हैं, जिनको रोजगार प्राप्त नहीं हुआ है, उनको स्वयं सहायता भत्ता दिया जाएगा । नंबर एक । नंबर दो, माननीय सदस्य ने एक प्रश्न किया है कि जो 12वीं से उपर वाले जो छात्र हैं, उनको जो ग्रैजुएट हैं या टेक्निकल एजुकेशन प्राप्त छात्र हैं, उनको क्यों नहीं दिया जा रहा है ? इसका सबसे पहला यह है कि जो ग्रॉस इन्रॉलमेंट रेशियो है, वह मात्र 13 परसेंट है हायर एजुकेशन में जाने वाले लोगों का और यह कोई बेरोजगारी भत्ता नहीं है, यह स्वयं सहायता है और वैसे गरीब छात्र जो प्लस-टू तक पास कर चुके हैं, 12वीं तक उत्तीर्ण हो चुके हैं और 12वीं के बाद उनकी आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि वह हायर एजुकेशन में जा सकते हैं या हायर एजुकेशन ले सकते हैं और बेरोजगार हैं, उनके परिवार के पास ऐसी स्थिति नहीं है, उनके पारिवारिक आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि उनको रोजगार खोजने के लिए भी मदद कर सके तो उनलोगों के लिए यह योजना बनाई गई है । इसमें लगभग 87 प्रतिशत लोग इससे लाभान्वित होंगे ।

अध्यक्ष : ठीक है ।

श्री सचीन्द्र प्रसाद सिंह: महोदय, माननीय मंत्री जी बता रहे हैं कि जो इंटर से उपर के जो भी विद्यार्थी हैं उनके लिए अभी सरकार ने कोई प्रोविजन नहीं बनाया है और दूसरा बात ये कह रहे हैं कि यह भत्ता नहीं है, है तो यह भत्ता । इस योजना का नाम भी इन्होंने दिया है स्वयं सहायता भत्ता योजना । यह भत्ता है, चाहे बेरोजगारी भत्ता हो या स्वयं सहायता भत्ता हो ...

अध्यक्ष : सचीन्द्र जी, मंत्री जी ने विस्तार से योजना के स्वरूप और आकार के बारे में बता दिया है, तब पूरक न पूछिये ।

श्री सचीन्द प्रसाद सिंह: मेरा पूरक यह है महोदय कि एक तो इसमें सरकार संशोधन करे कि जो भी रोजगार है उनको दे, दूसरा इसमें जो 155 करोड़ रूपए का प्रोविजन किया गया था, बजेटरी प्रावधान, वित्तीय वर्ष 2016-17 में जो प्रस्तावित था जिसमें निबंधन-सह-परामर्श केन्द्र का भवन हर जिला मुख्यालय में बनाना था तो कितने जिला मुख्यालयों में परामर्श केंद्र भवन बन पाया है ?

श्री राजीव रंजन सिह उर्फ ललन सिंह,मंत्री: सभी जिलों में, बिहार के पूरे 38 जिलों में जिला निबंधन केंद्र बन गया है और वहां निबंधन की प्रक्रिया चल रही है । वहां निबंधन ही नहीं, अध्यक्ष महोदय, एक बात और, वहां निबंधन ही नहीं, वहां काउंसिलिंग की भी व्यवस्था है जो निबंधन के लिए आते हैं, उनकी काउंसिलिंग होती है, उनको कौशल विकास केंद्र में भेजा जाता है । जो आगे पढ़ना चाहते हैं, उनको स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के लिए प्रोत्साहित किया जाता है । उनको सब चीज किया जाता है । और, दूसरी बात जो माननीय सदस्य ने पूछा, भत्ता, बेरोजगारी भत्ता और स्वयं सहायता भत्ता- दोनों में बहुत अंतर है । स्वयं सहायता भत्ता यह योजना है, स्वयं को सहायता प्रदान करने के लिए यह योजना है, बेरोजगारों को भत्ता देने लिए यह योजना नहीं है ।

अध्यक्ष : ठीक है ।

श्री नन्दकिशोर यादव: महोदय, माननीय मंत्री महोदय ने जो जवाब दिया महोदय, उन्होंने इस बात का जिक्र किया और जो मैं जानता हूं, इसकी घोषणा माननीय मंत्रीजी ने भी किया है, यह जो भत्ता है, वह इसलिए दिया जा रहा है ताकि बेरोजगार नौजवान नौकरी के लिए फॉर्म आदि भरने में या इंटरव्यू वगैरह में जाने में जो आर्थिक कठिनाई होती है, उस कठिनाई को दूर करे । यही है न मंत्रीजी !

महोदय, सबसे बड़ी बात यह है कि जो प्रावधान किया गया है महोदय, वह बहुत विचित्र है । जो प्लस-टू पास कर जाएगा, उसके बाद अगर वह आगे पढ़ना चाहता है और नौकरी के लिए प्रयास भी करना चाहता है, वैसे नौजवानों को भत्ता नहीं मिल पाएगा, जो प्रावधान है । महादेय, सरकार की नीयत में खोट है महोदय । खोट इसलिए है महोदय ..

अध्यक्ष : आप पूरक पूछिये न !

श्री नन्दकिशोर यादव: पूछ रहा हूं महोदय । मैं इसीलिए तो कह रहा हूं महोदय । महोदय, सरकार ने जानबूझ कर ऐसे प्रावधान किए हैं ताकि ढिंढोरा पीटा जा सके लेकिन लोगों को इसका लाभ नहीं मिले और परिणाम सामने है । खुद मंत्री महोदय ने स्वीकार किया महोदय कि 17 लाख लोगों को देने की इनकी योजना थी, मिला केवल कुछ हजार लोगों को । महोदय, मैं जानना चाहता हूं माननीय मंत्री महोदय से कि यह जो चूक रह गई है इस पूरी योजना में जिसके तहत जो गरीब विद्यार्थी प्लस-टू पास करने के बाद नौकरी की भी तलाश करना चाहता है और किसी प्रकार आगे भी पढ़ाई करना चाहता है तो महोदय, प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए । मैं जानना चाहता हूं सरकार से कि जो चूक आपसे हो गई है, जो त्रूटि रह गई है इस योजना में, क्या सरकार प्लस-टू पास करने के बाद भी जो रोजगार की भी तलाश में नौजवान हैं और आगे भी पढ़ना चाहता है, उनको भी इस योजना में शामिल करना चाहते हैं ?

श्री राजीव रंजन सिह उर्फ ललन सिंह,मंत्री: महोदय, माननीय सदस्य ने जो सवाल पूछा है उसके लिए स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड की अलग योजना है । वह स्टुडेन्ट क्रेडिट कार्ड हम चार लाख रूपए तक की सीमा तक का देते हैं स्टूडेन्ट को और दूसरी चीज है कि हमारा कोई यह नहीं, मैंने पहले ही बताया कि यह पहला साल है योजना का ।

अध्यक्ष : तारांकित प्रश्न सं0-2437.

तारांकित प्रश्न सं0: 2437 (श्री राजकिशोर सिंह)

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव,मंत्री: महोदय, स्वीकारात्मक है ।

वैशाली जिलान्तर्गत वैशाली प्रखंड के भागवतपुर वार्ड नं0-14, मुखलाल राय के घर के निकट लगा 16 के.भी.ए. का ट्रांसफॉर्मर पूर्व में चोरी हो गया था । प्रभावित उपभोक्ताओं को वर्तमान में दूसरे ट्रांसफॉमर से बिजली आपूर्ति कर दी गई है । एक अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मर लगाने का कार्य एक सप्ताह के भीतर कर दिया जाएगा ।

टर्न : 3/कृष्ण/24.03.2017

तारांकित प्रश्न संख्या : 2438(श्री अशोक कुमार चौधरी)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य अनुपस्थित ।

तारांकित प्रश्न संख्या : 2439 (श्री मिथिलेश तिवारी)

श्री तेज प्रताप यादव,मंत्री : अध्यक्ष महोय, आंशिक स्वीकारात्मक हैं ।

एन0एच0-28 पर झझवा बाजार के निकट सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण कराया जा रहा है, जिसमें ट्रॉमा इलाज की व्यवस्था की जायेगी । तत्काल अलग से सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल अथवा ट्रॉमा सेंटर खोलने की कोई योजना नहीं है।

श्री मिथिलेश तिवारी : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री ने उस अस्पताल का जिक्र किया है, जिसका भवन अभी बन रहा है । अगर माननीय मंत्री उस में ट्रॉमा सेंटर या सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल खोलना चाहते हैं तो यह भी स्वागत योग्य कदम है । मैं आप के माध्यम से पूछना चाहता हूं कि चम्पारण वहां से 40 कि0 मी0 उत्तर की तरफ और डुमरिया पुल से पश्चिम की तरफ 40 किलोमीटर और वहां से 40 किलोमीटर फिर छपरा की तरफ तो यह जो मोहम्मदपुर मोड़ है, जहां पर प्रतिदिन दुर्घटनायें होती रहती है तो झझवा वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में ट्रॉमा सेंटर खोलने की या वहां सुपर स्पेशियलिटी बनाने की कोई योजना है तो माननीय मंत्री जी बतायें कि वह कब तक करेंगे और अगर करेंगे तो उसका स्वरूप क्या होगा ?

श्री तेज प्रताप यादव,मंत्री : महोदय, अभी ऐसी कोई योजना नहीं है । अगर ऐसी योजना आती है तो माननीय सदस्य को जरूर सूचित किया जायेगा ।

श्री मिथिलेश तिवारी : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने अभी कहा है कि जो सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बन रहा है ।

अध्यक्ष : मंत्री जी ने कहा है कि जो सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बन रहा है, उस में दुर्घटना से रीलेटेड जो इलाज होते हैं, उस की व्यवस्था की जायेगी । लेकिन अलग से ट्रॉमा सेंटर खोलने की योजना नहीं है । उन्होंने तो साफ-साफ बताया है ।

श्री मिथिलेश तिवारी : इसमें अलग से खोलने की बात ही नहीं है ।

तारांकित प्रश्न संख्या : 2440(श्री मो0 नेमातुल्लाह)

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव,मंत्री : अध्यक्ष महोदय, 1. स्वीकारात्मक है ।

2. आंशिक स्वीकारात्मक है ।

3. गोपालगंज जिलान्तर्गत बरौली प्रखंड के ग्राम बलहा कटहरी बाड़ी की विद्युतीकरण बी0आर0जी0एफ0 फेज-2 के तहत तथा मांझा प्रखंड के शेखपरसा, पथरा एवं बरौली प्रखंड के सकरा ग्राम का विद्युतीकरण दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना पूर्ववर्त्ती राजीव गांधी विद्युतीकरण योजना के तहत किया जाना है । कार्य को पूरा करने का लक्ष्य जून,17 है ।

श्री मो0नेमतुल्लाह : जून,17 तक निर्धारित है । लेकिन ठीकेदार आधा काम छोड़ कर वहां से चला गया । इसको पूरा करवा दें ।

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जून,17 कह रहे हैं, इसका मतलब अगला साल थोड़े है । आप को संतोषजनक मानना चाहिए ।

श्री अशोक कुमार सिंह : माननीय सदस्य का कहना है कि जो ठीकेदार आधा काम छोड़ कर चले गये हैं, उस अधूरे काम को पूरा कराया जाय । महोदय, दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना जो है, अभी तो यह शुरू ही हो रहा है तो अधूरा जो काम है, ठीकेदार ने पूरा क्यों नहीं किया ?

अध्यक्ष : वह तो माननीय मंत्री बता दिये कि जून,17 तक पूरा होगा । अब क्यों नहीं पूरा हुआ, यह क्या सवाल है ।

तारांकित प्रश्न संख्या : 2441(श्री नितिन नवीन)

श्री तेज प्रताप यादव, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, क. स्वीकारात्मक नहीं है ।

ख. आंशिक स्वीकारात्मक है ।

वस्तुस्थिति यह है कि वर्ष 2013 के सर्वे के अनुसार बिहार में करीब 6000 माताओं की मृत्यु प्रति वर्ष आंकी गयी है, जिस में अचानक होनेवाले हैमरेज, खून के अचानक बहाव के कारण, एक तिहाई माताओं की मौत हो जाती है ।

ग. स्वीकारात्मक है ।

घ. वर्तमान में खून की पर्याप्त आपूर्त्ति हेतु राज्य में 75 ब्लड बैंक एवं 35 ब्लड स्टोरेज यूनिट कार्यरत हैं । इसके अतिरिक्त 6 नये ब्लड बैंक एवं 50 ब्लड स्टोरेज यूनिट की स्थापना हेतु कार्रवाई की जा रही है ।

श्री नितिन नवीन : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने जो जवाब दिया है, उस में उन्होंने सभी प्रश्नों के जवाब में यह माना है कि कमी है । तो माननीय मंत्री जी बतायें कि जो अभी 75 यूनिट ब्लड बैंक हैं, उस सेटोटल डिमांड के विरूद्ध मात्र 16 परसेंट ही ब्लड उपलब्ध हो पाती है । महाराष्ट्र और पंजाब में 146 परसेंट, 136 परसेंट उपलब्धता है तो माननीय मंत्री कब तक शत-प्रतिशत ब्लड की उपलब्धता कराने का विचार रखते हैं ?

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी ने बताया कि 6 ब्लड बैंक और 50 स्टोरेज सेंटर्स खोल रहे है ।

श्री नितिन नवीन : उसके बावजूद ...

अध्यक्ष : प्रयास जारी है ।

श्री नितिन नवीन : प्रयास जारी है लेकिन मैं जानना चाहता हूं कि कब तक शत-प्रतिशत उपलब्धता कराने का विचार रखते हैं ?

अध्यक्ष : कब तक से क्या मतलब है ?

श्री नितिन नवीन : महोदय, मात्र 16 परसेंट ही उपलब्धता है । एक दूसरा पूरक प्रश्न भी है । पहले इसका तो जवाब मंत्री जी दे दें । अभी उपलब्धता मात्र 16 परसेंट है तो माननीय मंत्री जी 100 परसेंट कब तक उपलब्ध करने का विचार रखते हैं क्योंकि जो 50 बता रहे हैं, उस से भी डिमांड पूरा होनेवाला नहीं है ।

अध्यक्ष : मंत्री जी ने बता दिया है कि सरकार प्रयासरत है और एडिशनल सेंटर खोल रही है ।

श्री नितिन नवीन : ठीक है । दूसरा पूरक प्रश्न का जवाब माननीय मंत्री दें कि ब्लड सेपरेशन यूनिट जो होता है, जो पूरे बिहार में मात्र 8 है, जिस के माध्यम से ब्लड को सेपरेट करते हैं - प्लाज्मा, आर0बी0सी0 और प्लेटलेट्स को अलग-अलग कर पाते हैं तो जो 8 ब्लड सेपरेशन यूनिट है तो बिहार के हर जिले में ब्लड सेपरेशन यूनिट खोलने का विचार रखते है ?

अध्यक्ष : ब्लड सेपरेशन यूनिट खोलने का माननीय मंत्री जी से पता कर लीजियेगा ।

तारांकित प्रश्न संख्या : 2442(श्री नन्द कुमार राय)

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव,मंत्री : अध्यक्ष महोदय, स्वीकारात्मक है ।

दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना के तहत 12वीं योजना में मुजफ्फरपुर जिला में पूर्ण विद्युतीरकण का कार्य प्रगति पर है । पूर्ण विद्युतीकरण हेतु

ग्रामीण क्षेत्र के टोले में आधारभूत संरचना का निर्माण बी0आर0जी0एफ0 फेज 2 के तहत किया जा रहा है । कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य दिसंबर,2017 निर्धारित है ।

श्री नन्द कुमार राय : अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां गोदरेज कंपनी काम कर रही है । उस का काम बहुत धीमी गति से चल रहा है, कुछ जगह तो अभी तक सर्वे भी नहीं कर पायी है । इसलिए हम सरकार से मांग करते हैं कि इस पर निर्देश दें ताकि जल्द से जल्द काम पूरा हो ।

तारांकित प्रश्न संख्या : 2443 (श्री अरूण कुमार सिन्हा)

श्री तेज प्रताप यादव : अध्यक्ष महोदय 1. आंशिक स्वीकारात्मक है ।

राज्य में कार्यरत नेत्र अधिकोष, बिहार आई बैंक आई0जी0आई0एम0एस0,पटना में वर्ष 2015-16 में कुल 64 नेत्रदान किया गया है ।

2. आंशिक स्वीकारात्मक है ।

हाल ही में प्राईवेट अस्पताल, आई हॉस्पीटल, मुजफ्फरपुर को आई बैंक की स्थापना के लिये अनुमति दे दी गयी है।

3. राज्य सरकार द्वारा राजेन्द्र नगर में चार माह में आई बैंक की स्थापना का निर्णय लिया गया है ।

नेत्रदान को बढ़ावा देने हेतु प्रत्येक वर्ष सभी जिलों में एक बार नेत्रदान पखवारा मनाया जाता है । साथ ही, समय-समय पर नेत्रदान हेतु प्रचार-प्रसार का कार्य किया जा रहा है ।

श्री अरूण कुमार सिन्हा : अध्यक्ष महोदय, मैं आप के माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि यहां 9 सरकारी मेडिकल कॉलेज हैं और उतना ही यहां पर निजी मेडिकल कॉलेज भी हैं तो क्या बिहार में इन सभी मेडिकल कॉलेजों में आई बैंक खोलने का सरकार विचार रखती है ?

अध्यक्ष : दो के बारे में माननीय मंत्री जी ने बताया है ।

श्री अरूण कुमार सिन्हा : महोदय, मैं आप के माध्यम से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार सभी मेडिकल कॉलेजों में आई बैंक की स्थापना करने विचार रखती है ?

श्री तेज प्रताप यादव,मंत्री : महोदय, प्रयास किया जायेगा ।

श्री अरूण कुमार सिन्हा : अध्यक्ष महोदय...

अध्यक्ष : अरूण जी, अब आप को सरकार के सद्प्रयास से संतुष्ट होना चाहिए ।

श्री प्रेम कुमार, नेता विरोधी दल : महोदय, माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी का अच्छा पहल है । हम स्वास्थ्य मंत्री जी से जानना चाहते हैं कि माननीय सदस्य का जो सवाल है, जो नेत्रदान के संबंध में है और प्रयास भी है तो क्या स्वास्थ्य मंत्री आई बैंक में अपना नेत्रदान करने की घोषणा करेंगे ?

टर्न-4/राजेश/24.3.17

श्री तेज प्रताप यादव, मंत्री: आप दे देंगे, तो हम भी दे देंगे ।

श्री प्रेम कुमार, नेता विरोधी दल: अध्यक्ष महोदय, हम तैयार है ।

अध्यक्ष: माननीय सभी सदस्यों से अनुरोध है कि कृपया सदन की कार्यवाही को पर्सनालाईज लेवेल तक न ले जाय, यह सैद्धांतिक प्रश्न होता है, सरकार का सैद्धांतिक उत्तर होता है, इसका व्यक्तिगत रुचि या व्यक्तिगत निर्णय से कुछ भी लेना देना नहीं होता है ।

तारांकित प्रश्न संख्या: 2444 (श्री सुनील कुमार)

श्री तेज प्रताप यादव, मंत्री: महोदय, उत्तर आंशिक स्वीकारात्मक है । केन्द्र के द्वारा स्वास्थ्य सेवा दी जा रही है । पुराने भवन की मरम्मति का कार्य शीघ्र कराया जायेगा ।

तारांकित प्रश्न संख्या: 2445 (श्री मदन मोहन तिवारी)

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री: महोदय, पश्चिम चंपारण जिलान्तर्गत मझौलिया प्रखंड के परसा डुमरिया, बखरिया, हरिहरवा टोला, भखलिया, करमवा गॉव में विद्युतीकरण का कार्य दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (पूर्ववर्ती राजीव गॉधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना) के 12वीं योजना के अन्तर्गत किया जा रहा है । कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य जून, 2017 निर्धारित है ।

तारांकित प्रश्न संख्या: 2446 (श्री अशोक कुमार)

श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, मंत्री: महोदय, उत्तर आंशिक रुप से स्वीकारात्मक है ।

जिला योजना पदाधिकारी, रोहतास से प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार माननीय विधान सभा सदस्य को वित्तीय वर्ष 2015-16 में कोई राशि अनुमान्य नहीं थी । वित्तीय वर्ष 2016-17 में माननीय सदस्य द्वारा सासाराम एवं तिलौथू प्रखंड में कुल 95 योजनाओं की अनुशंसा की गयी है, जिसमें:

(क) पुस्तक क्रय की अनुशंसा- 63 (तिथि 25.07.2016)

पुस्तक क्रय हेतु पुस्तक चयन का प्रतिवेदन जिला शिक्षा पदधिकारी के पत्रांक 788 दिनांक 16.08.2016, पत्रांक 850 दिनांक 12.09.2016, पत्रांक 1153 दिनांक 17.12.2016 एवं पत्रांक 124 दिनांक 09.02.2017 द्वारा मांगा गया है। प्रतिवेदन अद्यतन अप्राप्त है।

(ख) सोलर लाईट की अनुशंसा-2

जिला योजना पदाधिकारी, रोहतास द्वारा पत्रांक 151 दिनांक 13.02.2017 से ब्रेडा से चार बॉह वाले सोलर लाईट की विशिष्टि एवं दर की मांग की गयी है । ब्रेडा के पत्रांक 376 दिनांक 21.03.2017 द्वारा सूचित किया गया है कि दर उपलब्ध नहीं है ।

ब्रेडा की सूचना के अनुसार दर निर्धारण हेतु निविदा आमंत्रित की गयी है । दर निर्धारण के पश्चात ही आगे की कार्रवाई संभव है ।

(ग) निर्माण प्रकृति की योजनाओं की संख्या-30, जिनमे से 15 योजनाओं की अनुशंसा 24.11.2016 को 15 योजनाओं की अनुशंसा 07.01.2017 को प्राप्त हुई है। अंचलाधिकारी, सासाराम एवं तिलौथू से 15 योजनाओं की भूमि उपलब्धता संबंधी प्रतिवेदन प्राप्त है । उक्त अनुशंसित 30 योजनाओं में से प्राक्कलन प्राप्ति की स्थिति निम्नवत् है :-

10.02.2017-16 योजना
18.02.2017-7 योजना
04.03.2017-4 योजना

शेष 3 योजनाओं में से 2 योजना नियमानुकुल नहीं है, जबकि एक योजना का कार्यान्वयन अन्य योजना से कराया जा रहा है ।

जिला योजना कार्यालय के स्वीकृत्यादेश संख्या 257 दिनांक 15.03.2017 से 8, स्वी0 सं0 276 दिनांक 18.03.2017 से 2, स्वी0 सं0 280 दिनांक 20.3.2017 से 4 एवं स्वी0 सं0 282 दिनांक 20.03.2017 से 1 कुल 15 योजनाओं की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

शेष 15 योजनाओं में से 7 योजनाओं के संबंध में अंचलाधिकारी, सासाराम द्वारा जमीन अनुपलब्धता का प्रतिवेदन प्रेषित है अन्य 8 योजनाओं के लिए जमीन उपलब्धता संबंधी प्रतिवदेन अंचलाधिकारी, तिलौथू से अप्राप्त है । अंचलाधिकारी से प्रतिवेदन प्राप्त होते ही योजनाओं का कार्य पूर्ण करा लिया जायेगा ।

श्री अशोक कुमार, अध्यक्ष महोदय, मेरा सिर्फ एक सुझाव है कि माननीय विधायक जो अपनी योजनाओं का अनुशंसा करते हैं, उसका माननीय मंत्री जी अपने विभाग में एक टाईम लिमिट कर दें कि माननीय विधायकों की अनुशंसा के आलोक में 15 दिनों में अगर नियमानुकूल है, तो स्वीकृत किया जाय अन्यथा अस्वीकृत किया जाय । हमलोग माननीय सदस्य है और पदाधिकारियों को अनुशंसा देते हैं, छः,छः महीना से और जितना भी योजनाओं की स्वीकृति के संबंध में माननीय मंत्री जी ने उत्तर दिया, मॉर्च महीने का ही दिया हुआ है, जब एसेम्बली में सवाल हुआ, तब इनका काम खड़ा हुआ लेकिन जो हमलोग अनुशंसा छः महीना पहले करते हैं..................

(व्यवधान)

अध्यक्षः आपके सुझाव को सरकार संज्ञान में लेगी ।

श्री अशोक कुमारः नहीं महोदय, सरकार का जवाब चाहिए ।

अध्यक्षः आपने तो सुझाव दिया है, प्रश्न कहॉं पूछा है ?

श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, एक तो माननीय सदस्य ने कहा है कि उसका समय सीमा होना चाहिए, समय सीमा में सभी अनुशंसाओं को बॉधना संभव नहीं है, इसलिए कि कुछ योजनाएँ होती हैं, जिसमें जमीन की उपलब्धता का प्रतिवेदन अंचलाधिकारी से प्राप्त करना पड़ता है, तो जब तक अंचलाधिकारी से जमीन उपलब्धता का प्रमाण पत्र नहीं मिलता है, तब तक उन योजनाओं का कार्यान्वयन संभव नहीं है लेकिन जिन योजनाओं में ऐसे किसी प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं है, उन योजनाओं का शीघ्र कार्यान्वयन होना चाहिए, यह मैं माननीय सदस्य की राय से सहमत हूँ और मैंने भी यह फैसला किया है कि इस सत्र की समाप्ति के बाद प्रमंडलवाईज हम समीक्षा करेंगे और उसमें जो भी लंबित योजनाएँ हैं, उसको आगे करने का काम करेंगे ।

श्री प्रमोद कुमारः अध्यक्ष महोदय, हम सभी माननीय सदस्य हैं, इस योजना में जो कमीशन का दौर बढ़ते चला जा रहा है, उसका भी एक फिक्सेशन माननीय मंत्री जी अपने समीक्षा के दौरान कराए ।

तारांकित प्रश्न संख्याः 2447 (श्रीमती मंगीता देवी)

श्री चन्द्रशेखर, मंत्रीः महोदय, यह प्रश्नगत गॉव की वस्तुस्थिति यह है कि 200 परिवार विस्थापित हुए थे 1983 में और मझौलिया ग्राम में 12.95 एकड़ जमीन चिन्हित करके एक्यूजिशन की कार्रवाई की गयी और राशि चलान द्वारा कोषागार में जमा करा दी गयी, पॉच साल तक किसानों ने रुपया लिया ही नहीं, तो भी वह रुपया व्ययगत हो गया, इसकी जांच करायेंगे, माननीय सदस्या जिस स्तर की जांच चाहेंगी, हम करा देंगे और फिर नियमानुसार कार्रवाई होगी पुर्नवासित करने की ।

अध्यक्षः माननीय मंत्री जी, माननीय सदस्या ने तो पुर्नवासित कराने की बात की है, कोई मुआवजे की राशि मिली या क्यों नहीं मिली, यह तो पूछा नहीं है । उन्होंने पूछा है कि उनको पुर्नवासित कराने के लिए आप क्या कर रहे हैं, मुआवजे की राशि मिली कि नहीं मिली, यह तो पूछा ही नहीं है ? आप माननीय सदस्या का पूरक प्रश्न भी सुन लीजिये ।

श्रीमती मंगीता देवीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से आग्रहपूर्वक पूछना चाहती हूँ कि भरथी ग्राम को मझौलिया ग्राम में कब तक पुर्नवासित कराने का विचार रखते हैं ? मंझौलिया ग्राम में 12.95 एकड़ जमीन पहले से उपलब्ध है, पुर्नवास विभाग के द्वारा तो जब जमीन उपलब्ध है और यह वर्षो से लंबित है और पदाधिकारी के लापरवाही के कारण वहॉ पुर्नवास नहीं दिया गया है, तो मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहती हूँ कि ये कब तक वहॉ पुर्नवासित करायेंगे ?

श्री चन्द्रशेखर, मंत्रीः महोदय, मैंने स्पष्ट कहा कि राशि जमा करायी गयी चालान द्वारा कोषागार में और संबंधित किसानों ने राशि लिया नहीं, 1983 का यह मामला है महोदय, मैंने स्पष्ट कहा कि इसकी जांच करायेंगे और पुनर्वासित करने हेतु नियमानुसार कार्रवाई करेंगे ।

श्री सरोज यादव: महोदय, मेरे क्षेत्र में भी इस तरह के मामले हैं, 2016 में हमारे क्षेत्र में बाढ़ आयी, तो उस बाढ़ में कई परिवारों की जमीन गंगा नदी में विलीन हो गया लेकिन वैसे परिवारों को उनके पुर्नवास के लिए आज तक कोई जमीन उपलब्ध नहीं कराया गया सर ।

अध्यक्ष: आप भोजपुर की बात कह रहे हैं ?

श्री सरोज यादव: जी सर ।

टर्न-5/सत्येन्द्र/24-3-17

अध्यक्ष: आप बैठिये । माननीय मंत्री जी, इसमें एक चीज जरूर देख लीजिये कि आप ही जो बतला रहे हैं कि 1983 से भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी कर के जो डिमांड था वह जाकर के पैसा दिया हुआ है, लोग विस्थापित हैं, उनको पुनर्वासित हो नहीं रहा है तब तो उससे आगे की कार्रवाई करने की आवश्यकता है न, अगर किसान मुआवजा नहीं ले रहे हैं तो या तो किसान मुआवजा लेकर के उनको जगह दे दें, नहीं तो कुछ तो उपाय होगा पुनर्वासित करने का ?

श्री चन्द्रशेखर,मंत्री: महोदय, 2015 में पुनर्वास नीति आयी है लेकिन पहले का वह समस्या था नई बात आयी उठकर के इसलिए मैंने कहा कि जांच कराकर के पुनर्वासित करने की कार्रवाई की जायेगी ।

अध्यक्ष: उसमें आगे की कार्रवाई होनी चाहिए ।

श्री चन्द्रशेखर, मंत्री: जी सर ।

श्री सरोज यादव: अध्यक्ष महोदय, मेरा पूरक है..

अध्यक्ष: आपका पूरक गलत नहीं है लेकिन पूरक जो है वह इस प्रश्न से संबंधित नहीं है, पूरक तो सही है।

श्रीमती मंगीता देवी: अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से पूछना चाहती हूँ कि ये समय सीमा बतलाते, वर्षों का यह लंबित मामला है और हाईकोर्ट का आदेश आ गया है और कमिश्नर साहब भी आर्डर दे दिये हैं ।

अध्यक्ष: इम्प्लीमेंट करवा देंगे । समय सीमा बतलाना इनके लिये अभी व्यवहारिक नहीं है।

श्रीमती मंगीता देवी: तो इसको प्राथमिकता सूची में रखते हुए जल्दी इस पर कार्रवाई करावें ।

तारांकित प्रश्न संख्या- 2448(श्री नीरज कुमार सिंह)

श्री तेजप्रताप यादव,मंत्री: उत्तर आंशिक स्वीकारात्मक है। स्वास्थ्य उपकेन्द्र संचालित है । तत्काल केवल एक ए0एन0एम0 द्वारा सप्ताह में एक दिन स्वास्थ्य सेवा दी जा रही है । सिविल सर्जन, सुपौल को तत्काल एक ए0एन0एम0 का पदस्थापन करने का निर्देश दिया गया है। सात हजार ए0एन0एम0 की अधियाचना बिहार कर्मचारी चयन आयोग को भेजा गया है । अनुशंसा प्राप्त होने पर वहां दूसरे ए0एन0एम0 की बहाली की जायेगी ।

श्री नीरज कुमार सिंह: महोदय, बहुत गंभीर मामला है इस तरह का जवाब आया है माननीय मंत्री का जो हास्यास्पद है, पांच साल हो गया है महोदय पांच साल से एक ए0एन0एम0, कोई पदाधिकारी, कोई अधिकारी, कोई कर्मचारी उस स्वास्थ्य उपकेन्द्र पर नहीं गया है । पांच साल से महोदय अभी आप जांच करवा लें वहां जाने की स्थिति नहीं है, इतना गंदा पोजिशन है कि कोई व्यक्ति वहां जा नहीं सकता है और ग्रामीण लोग, बाहर के लोग खिड़की किबाड़ तोड़कर ले जा रहे हैं । एक भी अधिकारी नहीं गये हैं, किस तरह का जवाब आया है, माननीय मंत्री महोदय से हम जानना चाहते हैं कि इस तरह के जवाब देने वाले पर क्या वे कार्रवाई करेंगे ?

श्री नन्दकिशोर यादव: महोदय, बात बहुत अलग प्रकार की है । माननीय सदस्य उस क्षेत्र के विधायक हैं और माननीय सदस्य ने कहा कि वहां स्वास्थ्य उपकेन्द्र बंद है, कोई नहीं जाता है और जो विभाग के जो अधिकारी हैं और जिन अधिकारियों ने स्वास्थ्य मंत्री को जवाब भेजा है उसमें इस बात का जिक्र किया गया है..

(व्यवधान)

अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, जितने महत्वपूर्ण आपके प्रश्न या पूरक होते हैं, सभी माननीय सदस्यों के प्रश्न उतने ही महत्वपूर्ण होते हैं। अपना प्रश्न या पूरक कर के दूसरों के समय में गंभीर रहना चाहिए ।

श्री नन्दकिशोर यादव: अध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि माननीय सदस्य जिस विधान-सभा क्षेत्र के विधायक हैं उन्होंने स्वयं इस बात को देखा है कि स्वास्थ्य उपकेन्द्र बंद है, कोई कर्मचारी वहां जाता नहीं है और लगभग पांच साल से यह बात है लेकिन स्वास्थ्य मंत्री जी को जो स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने जवाब भेजा है उसमें इस बात का जिक्र किया गया है कि स्वास्थ्य उपकेन्द्र चालू है, ए0एन0एम0 की पोस्टिंग है । यह विषय गंभीर है इसलिए मैं जरूर आग्रह करना चाहूंगा स्वास्थ्य मंत्री जी से और पूछना भी चाहता हूँ कि क्या इस प्रकार का जवाब देने वाले जो अधिकारी हैं, उच्चस्तरीय सचिव से जांच कराकर के क्या उस प्रकार के अधिकारी पर कार्रवाई करना चाहेंगे ।

अध्यक्ष: माननीय मंत्री जी, ये मामला देखवा लीजिये क्योंकि जवाब आया है कि स्वास्थ्य उपकेन्द्र चल रहा है, फंक्शनल है लेकिन जिनके क्षेत्र में वह है उन माननीय सदस्य ने स्वयं कहा है कि देखा है नहीं जाते हैं कोई । इसलिए इसकी किसी वरीय पदाधिकारी से जांच करा लीजिये और अगर गलत जवाब किसी पदाधिकारी ने भेजा है तो उस पर कार्रवाई भी होनी चाहिए।

तारांकित प्रश्न संख्या-2449(श्री दिनकर राम)

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव,मंत्री: सीतामढ़ी जिला अन्तर्गत प्रश्न में वर्णित प्रखंड के खैरवा पंचायत के टोलों के पूर्ण विद्युतीकरण हेतु शेष बचे ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत संरचना का निर्माण

बी0आर0जी0एफ0 फेज-2 के तहत किया जा रहा है। कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य दिसम्बर 2017 निर्धारित है।

श्री दिनकर रामः महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ मेरा गृह पंचायत है और मेरे गृह पंचायत में अभी तक पोल तार नहीं लगा है तो बल्ब कहां से जलेगा । मंत्री जी कबतक लगवा देंगे, मैं यही जानना चाहता हूँ ।

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव,मंत्रीः महोदय, मैंने कहा कि बी0आर0जी0एफ0 के तहत जो इंफ्रास्ट्रक्चर है ग्रीड सबस्टेशन, उसका निर्माण कार्य किया जा रहा है और दिसम्बर 17 तक इन गांवों का जिनका माननीय सदस्य ने जिक्र किया है पूर्ण विद्युतीकरण करने का लक्ष्य है ।

अध्यक्षः माननीय सदस्य का गांव भी है ।

तारांकित प्रश्न संख्या-2450(श्री अचमित ऋषिदेव)

श्री तेजप्रताप यादव,मंत्रीः उत्तर स्वीकारात्मक है । सरकार द्वारा सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के चाहरदीवारी निर्माण कराने का निर्णय लिया गया है जिसे चरणबद्ध ढंग से कराया जाना है । राशि उपलब्ध होने पर यहां भी निर्माण कराया जायेगा ।

तारांकित प्रश्न संख्या- 2451(श्री रामप्रीत पासवान)

श्री तेजप्रताप यादव,मंत्रीः उत्तर आंशिक स्वीकारात्मक है। वस्तुस्थिति यह है कि वर्त्तमान में स्वास्थ्य उपकेन्द्र सामुदायिक भवन में संचालित है । राशि उपलब्ध होने पर भवन निर्माण कराया जायेगा।

श्री रामप्रीत पासवानः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी कहते हैं कि स्वास्थ्य भवन में है वह स्वास्थ्य भवन नहीं है एक आदमी का वह निजी दलान है ।

अध्यक्षः आप भी वही कह रहे हैं कि भवन नहीं है ।

श्री रामप्रीत पासवानः नहीं। कह रहे हैं कि स्वास्थ्य उप केन्द्र निजी घर में चल रहा है ।

अध्यक्षः उन्होंने भी तो कहा कि सामुदायिक भवन में चल रहा है ।

श्री रामप्रीत पासवानः सामुदायिक भवन में नहीं चल रहा है किसी निजी आदमी के दलान में वह चलता है । वह रिपोर्ट गलत दिया है और वहां ए0एन0एम0 पदस्थापित हैं जमीन भी उपलब्ध है तो मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि कबतक भवन बना देंगे, जमीन उपलब्ध है ।

अध्यक्षः प्राथमिकता से देख लीजियेगा।

तारांकित प्रश्न संख्या-2452(श्रीमती सुनीता सिंह चौहान)

श्री चन्द्रशेखर,मंत्रीः महोदय, चेक संख्या 1लाख 8हजार 9 के माध्यम से 23-3-17 को उपलब्ध करा दिया गया है पीड़ित को ।

श्रीमती सुनीता सिंह चौहानः महोदय, गलत रिपोर्ट माननीय मंत्री जी को मिला है । अभी तक राशि का भुगतान नहीं हुआ है । महोदय, आपदा नियमों के अधीन ऐसी घटनाओं में कितने दिनों के अन्दर मुआवजा देने का प्रावधान है और महोदय अबतक मुआवजा नहीं देने का क्या औचित्य है, अभी तक नहीं मिला है महोदय ।

श्री चन्द्रशेखर,मंत्रीः महोदय,स्पष्ट है ..

अध्यक्षः माननीय मंत्री जी, यह गैप है आपने कहा कि राशि उपलब्ध करा दिया गया है और माननीय सदस्या कह रही है कि राशि मिली नहीं है । अब यह दोनों के बीच वाला जो गैप है उसको आपको देखना है ।

श्री चन्द्रशेखर,मंत्रीः जी, 1 लाख 8 हजार 9 चेक संख्या है । हां, यह बात है कि कल ही उपलब्ध करायी गयी है ।

श्रीमती सुनीता सिंह चौहानः महोदय, आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी..

अध्यक्षः सुनीता जी, राज की बात तो खोल दिये, कल ही चेक भेजे हैं तो कहां से मिलेगा ?

श्रीमती सुनीता सिंह चौहानः नहीं मिला है महोदय, अभी तक नहीं मिला है।

श्री नन्द किशोर यादवः महोदय, जो लगातार जवाब आ रहा है मुझे ये लग रहा है कि आ0जे0डी0 कोटे के जितने मंत्री है विभाग के सचिव उनको सहयोग नहीं कर रहे हैं, गलत जवाब उनको दे रहे हैं ताकि घेरे में आ जायें आर0जे0डी0, यह महोदय दिखलाई पड़ रहा है । सब आर0जे0डी0 के मंत्रियों का वही हाल है महोदय, सब के जवाब विचित्र आ रहे हैं किसी के जवाब से किसी को संतुष्टि नहीं हो रही है महोदय ।

<u>तारांकित प्रश्न संख्या- 2453(श्री विजय कुमार खेमका)</u>

श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह,मंत्रीः महोदय, वस्तुस्थिति यह है कि प्रश्नगत दोनों छात्रावास का निर्माण कार्य अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अन्तर्गत अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रीय विकास योजना मद का है जिसका कार्यान्वयन अल्पसंख्यक विभाग की देख रेख में हो रहा है ।

2-उपर्युक्त खंड में स्थिति स्पष्ट कर दी गयी है ।

3-यथा वर्णित ।

श्री विजय कुमार खेमकाः अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ, इन्होंने कहा है कि यह कल्याण विभाग के द्वारा इसका निर्माण होना है और यह 11-7-16 को अध्यक्ष महोदय, ये ..

अध्यक्षः उन्होंने कल्याण विभाग नहीं कहा है, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग कहा है, दोनों अलग अलग विभाग है ।

श्री विजय कुमार खेमकाः जी, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग । अध्यक्ष महोदय कहा है कि 11-7-16 को कार्यालय कार्यपालक अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन कार्य प्रमंडल-2 के द्वारा ये सूचना दी गयी ..

अध्यक्षः तो वह एजेंसी हो सकती है न, वह आप जो बतला रहे हैं एल0ई0ओ0 का, वह अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजनाओं को क्रियान्वित करा रहा होगा लेकिन उसकी मोनेटरिंग मंत्री जी ने कहा है कि एम0एस0डी0पी0 में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग इसको क्रियान्वित करा रहा है इसलिए आपको सारी सूचनाएं वहां से मिलेंगी, वह उसकी एजेंसी होगी उसकी मोनेटरिंग तो वही करेंगे न ।

श्री विजय कुमार खेमकाः इसी से पूरक है अध्यक्ष महोदय, ये छात्रावास का पांच साल हो गया और पांच साल में यह छात्रावास अधूरा पड़ा हुआ है, यह छात्रों का विषय है ।

अध्यक्षः ऐसा करते हैं कि इस प्रश्न को अल्पसंख्यक कल्याण विभाग में स्थानांतरित कर देते हैं ।

श्री विजय कुमार खेमकाः जी, धन्यवाद ।

टर्न-6/मधुप/24.03.2017

तारांकित प्रश्न संख्या- 2454(श्री सत्यदेव राम)

श्री तेज प्रताप यादव, मंत्री : महोदय, 1- स्वीकारात्मक है ।

2- स्वीकारात्मक है ।

3- बिहार राज्य भवन निर्माण निगम को जॉच करते हुए आवश्यक कार्रवाई करने का निदेश दिया गया है । दोषी कर्मी के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी ।

श्री सत्यदेव राम : कबतक कार्रवाई होगी और क्या कार्रवाई होगी ? महोदय, कार्रवाई उसमें दो है । एक तो जो भवन अभी सिपेज कर रहा है, उसका पुनर्रूद्धार करने की बात है और जो एजेन्सी काम को करवायी है, उसको पनीशमेंट देने की बात है । कार्रवाई दो है, कबतक और किनके-किनके उपर होगी ?

अध्यक्ष : सरकार जॉच करा रही है, जिनके विरूद्ध आरोप प्रमाणित पाये जायेंगे, जिनकी गड़बड़ी होगी उनपर कार्रवाई होगी ।

श्री सत्यदेव राम : भवन का क्या होगा ?

अध्यक्ष : भवन फिर उसके बाद बनेगा न ! अभी तो आप कार्रवाई के लिये ही पूछ रहे हैं । प्रश्न में तो आप केवल कार्रवाई पर चिन्ता व्यक्त कर रहे हैं ।

श्री सत्यदेव राम : इसमें माननीय मंत्री जी से मैं जानना चाहता हूॅं ।

अध्यक्ष : मंत्री जी, वे कह रहे हैं कि कार्रवाई भी चले और शेष कार्य जो बच गये हैं, मरम्मति का कार्य पूरा नहीं हुआ है, उसको भी पूरा करने का प्रयास सरकार करे ।

श्री तेज प्रताप यादव, मंत्री : भवन की मरम्मति करा दी जायेगी । माननीय सदस्य, आप चिन्तित न हों ।

तारांकित प्रश्न संख्या- 2455(श्रीमती सावित्री देवी)

श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, मंत्री : महोदय, यह सत्य है कि श्री बाला लखीन्द्र दास कार्यपालक अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन कार्य प्रमंडल, जमुई दिनांक 31.01.2017 को सेवानिवृत्त हो गए ।

2. विभागीय आदेश संख्या-1417 दिनांक 20.03.2017 द्वारा श्री मोहम्मद सुल्तान अहमद, कार्यपालक अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन कार्य प्रमंडल, लखीसराय को अपने कार्यों के अतिरिक्त स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन कार्य प्रमंडल, जमुई का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है ।

3. कार्यपालक अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन कार्य प्रमंडल, जमुई के पद पर नियमित पदस्थापन की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है ।

तारांकित प्रश्न संख्या- 2456(डॉ0 सी0एन0 गुप्ता)

श्री तेज प्रताप यादव, मंत्री : महोदय, वस्तुस्थिति यह है कि सदर अस्पताल, छपरा में एक बेहोश करने वाला चिकित्सक पदस्थापित एवं कार्यरत है । आई0सी0यू0 में राज्य स्तर से प्रशिक्षण प्राप्त कर्मी कार्यरत हैं, जो सही ढंग से कार्य सम्पादित कर रहे हैं ।

सिविल सर्जन, सारण को आई0सी0यू0 चलाने में जिन कर्मियों की कमी है तथा जो उपकरण आवश्यक हैं उसे नियमानुकूल खरीद कर शीघ्र उपलब्ध कराते हुए सही ढंग से आई0सी0यू0 चलाने का निदेश दे दिया गया है ।

सभी सिविल सर्जनों को खाली पदों को संविदा के आधार पर चिकित्सकों एवं अन्य सभी कर्मियों की नियुक्ति करने का निदेश दिया गया है ।

डॉ0 सी0एन0 गुप्ता : महोदय, सारण जो अस्पताल है वह प्रमंडलीय अस्पताल है । बहुत ही महत्वपूर्ण अस्पताल है । आई0सी0यू0 में मूर्छक का काम केवल मूर्छा देना नहीं होता है, वह बहुत सारे तरह के कार्यों का निष्पादन करता है जिसकी आवश्यकता होती है । जहॉं तक मेरी जानकारी है, प्रश्न के जो उत्तर दिये गये हैं, वह यथोचित नहीं हैं । जो कर्मचारी हैं, उनकी संख्या कम है, उसपर ध्यान देने की आवश्यकता है और जो मूर्छक वहॉं पोस्टेड हैं उनके नाम और कब उनकी पदस्थापना हुई थी, मैं यह मंत्री जी से जानना चाहूँगा ।

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, आपने बताया कि उसमें एक मूर्छक/निश्चेतक हैं, उसके बारे में बता दें कि वे कौन हैं और कब से पदस्थापित हैं, यह उनको सूचना दे दीजिये । अभी उपलब्ध है ?

श्री तेज प्रताप यादव, मंत्री : महोदय, अभी तो उपलब्ध नहीं है । आयेगा तो भेजवा देंगे ।

तारांकित प्रश्न संख्या- 2457(श्री मुद्रिका प्रसाद राय)

श्री तेज प्रताप यादव : महोदय, 1- स्वीकारात्मक है ।

2- उत्तर आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है । पोस्टमार्टम रिपोर्ट तैयार है । संबंधित थाना द्वारा पोस्टमार्टम रिपोर्ट कार्यालय से प्राप्त किया जाता है । पुलिस अधीक्षक, सारण को इसे प्राप्त करने हेतु पत्र भेजा गया है ।

3- उपर्युक्त खंडों में स्थिति स्पष्ट कर दी गई है ।

तारांकित प्रश्न संख्या- 2458(श्री महबूब आलम)

श्री तेज प्रताप यादव, मंत्री : महोदय, 1- स्वीकारात्मक है ।

2- बिहार राज्य आवास बोर्ड के फ्लैटों में किराया पर औषधालय संचालित है । जहाँ डॉक्टरों द्वारा इलाज कर दवा उपलब्ध कराया जाता है । औषधालय में शौचालय, पेयजल एवं मरीजों को बैठने की समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है ।

श्री महबूब आलम : महोदय, निर्देश दिया गया है किस पदाधिकारी को ? इसकी गारंटी की जाय कबतक यह व्यवस्था हो जायेगी और साथ-साथ इसका अपना भवन भी निर्माण करने की व्यवस्था की जाय ।

अध्यक्ष : आप चाहते हैं कि शीघ्र करा दी जाय ?

श्री महबूब आलम : जी ।

अध्यक्ष : मंत्री जी, शीघ्र करा देंगे ।

श्री तेज प्रताप यादव, मंत्री : शीघ्र करा दिया जायेगा ।

तारांकित प्रश्न संख्या- 2459(श्री अब्दुस सुबहान)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री अब्दुस सुबहान ।

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

तारांकित प्रश्न संख्या- 2460(श्री मनीष कुमार)

श्रीमती अनिता देवी, मंत्री : महोदय, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग को हस्तांतरित कर दिया गया है ।

तारांकित प्रश्न संख्या- 2461(श्री शमीम अहमद)

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री : महोदय, पूर्वी चम्पारण जिला के छौड़ादानो प्रखंड में विद्युत शक्ति उपकेन्द्र का निर्माण दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना के 12वीं योजना के तहत किया जा रहा है । कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य दिसम्बर, 2017 निर्धारित है ।

श्री शमीम अहमद : अध्यक्ष महोदय, डेढ़ साल से काम चल रहा है लेकिन अभी तक उसमें काम नहीं हो रहा है । मैं चाहूँगा मंत्री जी से कि जल्द से जल्द उसको बनवाया जायेगा ।

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री : मैंने कहा कि दिसम्बर, 2017 का लक्ष्य है, अभी तो मार्च हो गया, 5-6 महीना तो लगेगा ही ।

तारांकित प्रश्न संख्या- 2462(श्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ रिंकु सिंह)

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री : महोदय, उत्तर स्वीकारात्मक है ।

बाल्मिकीनगर विधान सभा क्षेत्र में बिहार राज्य जल विद्युत निगम की दो परियोजना है ।

बाल्मिकीनगर की क्षमता 15 मेगावाट एवं त्रिवेणी जल विद्युत परियोजना की क्षमता 3 मेगावाट है । बाल्मिकीनगर एवं त्रिवेणी सहित सभी उत्पादनरत परियोजनाओं को संस्थापित क्षमता पर चलाने के लिये नई Operation & Maintenance Policy तैयार करायी जा रही है । जल्द ही यह पॉलिसी बन जायेगी।

महोदय, जो बना था वह अपने फुल कैपेसिटी पर डिलेटेड हो गया, इसलिये आई0आई0टी0, रूड़की से जॉच करवाकर एक नई पॉलिसी बनाई गई, आगे उसका कार्य कराया जायेगा ।

श्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ रिंकु सिंह : माननीय अध्यक्ष जी के माध्यम से मैं मंत्री जी से पूछना चाहूँगा चूंकि मैंने मंत्री जी से आज से एक साल पहले मिलकर पूछा था कि कबतक हो जायेगा, उस समय भी इन्होंने मुझसे यही बात कही थी । मैं अध्यक्ष जी के माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूँगा कि यह काम कबतक हो जायेगा ? कोई डेट उसका हमको सुनिश्चित कर दें । क्योंकि एक साल पहले मुझे मौखिक यही जवाब दिया गया था ।

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री : महोदय, माननीय सदस्य ने ठीक कहा । रूड़की की टीम को रिक्वीजिशन गया, टाईम लगा उसको आने में और सारे बिहार में उसको जॉच करने का काम था । इसलिये वक्त जरूर लगा और अब वह रिपोर्ट आ गई है, पॉलिसी बन रही है, इसको किया जायेगा ।

टर्न-7/आजाद/24.03.2017

तारांकित प्रश्न सं0-2463(श्री अत्री मुनी उर्फ शक्ति सिंह यादव)

श्री तेज प्रताप यादव,मंत्री : महोदय, आंशिक स्वीकारात्मक है ।

हिलसा अनुमंडलीय अस्पताल को 100 बेड में अपग्रेड करने की स्वीकृति वित्तीय वर्ष 2009-10 में सरकार द्वारा दी जा चुकी है । फिलहाल यहां 30 से 40 बेड कार्यरत है । शीघ्र ही यहॉं 100 बेड की व्यवस्था की जायेगी ।

अध्यक्ष : प्रश्नोत्तर काल समाप्त हुआ । जिन प्रश्नों के उत्तर तैयार हों, उन्हें सदन पटल पर रख दिये जायं ।

कार्य-स्थगन प्रस्ताव

माननीय सदस्यगण, आज दिनांक 24.03.2017 के लिए निम्न माननीय सदस्यों से कार्य-स्थगन प्रस्ताव की सूचनायें प्राप्त हुई हैं । श्री विद्यासागर केशरी, श्री विजय कुमार खेमका, श्री श्याम बाबू प्रसाद यादव, श्री संजय सरावगी, श्री केदार प्रसाद गुप्ता, श्री ललन पासवान, श्री जीवेश कुमार, श्री सचीन्द्र प्रसाद सिंह, श्री राणा रणधीर, श्री अरूण कुमार सिन्हा एवं श्री विजय कुमार सिन्हा ।

आज सदन में वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिये वार्षिक वित्तीय विवरण में सम्मिलित अनुदानों की मांगों पर वाद-विवाद तथा मतदान का कार्यक्रम निर्धारित है ।

अतएव बिहार विधान-सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 172(3) के तहत नियमानुकूल नहीं रहने के कारण सभी कार्य-स्थगन प्रस्ताव की सूचनाओं को अमान्य किया जाता है ।

अब शून्य-काल ।

श्री प्रेम कुमार,नेता विरोधी दल : महोदय, आपने आदेश दिया था ।

अध्यक्ष : ठीक है, बोलिये ।

श्री प्रेम कुमार,नेता विरोधी दल : महोदय, तकनीकी संस्थाओं में नामांकन ले चुके अनुसूचित जाति एवं जनजाति एवं अतिपिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं की छात्रवृत्ति की राशि में कटौती की गई है । इससे छात्र-छात्राओं का भविष्य मंझधार में फंस गया है । साथ ही अतिपिछड़ी जाति, महादलित को मिलने वाली पोस्टमैट्रिक की राशि को सरकार ने बन्द कर दिया है। जो राशि कटौती की गई है, उसको फिर से सरकार बहाल करे और जो राशि बन्द कर दी गई है, उसपर सरकार की वक्तव्य की मांग हम करते हैं ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : ठीक है, अब तो मांग कर दिये न । अब आप ही लोगों का शून्यकाल भी है ।

माननीय संसदीय कार्यमंत्री जी, इस विषय का संज्ञान ले लीजिये ।

श्री श्रवण कुमार,मंत्री : हुजूर, नियमानुकूल अगर उठाते माननीय विपक्ष के नेता, सरकार तो संज्ञान में बात लेती ही है महोदय । सदन में जो भी सवाल उठते हैं, सरकार उसको संज्ञान में गंभीरतापूर्वक लेती है । यह मालूम होना चाहिए नेता प्रतिपक्ष को ।

अध्यक्ष : अब शून्य-काल । श्री नीरज कुमार ।

शून्यकाल

श्री नीरज कुमार : अध्यक्ष महोदय, पिछड़ा वर्ग एवं अतिपिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, बिहार, पटना के कार्यालय द्वारा निर्गत पत्र सं0–2531 दिनांक 22.09.2016 के आलोक में सेवानिवृत्त शिक्षकों का चयन गठित चयन समिति के अनुशंसा के आधार पर पिछड़ा वर्ग आवासीय प्लस टू उच्च विद्यालयों में शिक्षकों का नियोजन किया जाना था, परन्तु पटना जिला में चयन समिति अब तक नियोजन के संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की गई है ।

अतएव मैं मांग करता हूँ कि पटना जिला में चयन से संबंधित नियमों का पालन कराया जाय ।

श्री अमीत कुमार : अध्यक्ष महोदय, सीतामढ़ी नगर पंचायत बैरगनिया द्वारा विकास शुल्क के नाम पर व्यवसायिक वाहनों से निविदा कर वसूली की जाती है, जबकि 31 जुलाई,2016 को निविदा समाप्त हो गया है । वर्तमान में असामाजिक तत्व, स्थानीय प्रशासन से मिलकर अवैध वसूली कर रहा है । शीघ्र दोषी पर कार्रवाई की जाय ।

श्री मो0 शमीम अहमद : अध्यक्ष महोदय, पूर्वी चम्पारण जिला के छौड़ादानों प्रखंड अन्तर्गत खैरवा, भेलवा, दरपा पंचायत में लगे नलकूप वर्षों से बन्द पड़े हैं, जिससे किसानों को भारी ना पड़ता है ।

अत: सरकार जल्द से जल्द बन्द पड़े नलकूप चालू कराये ।

श्री लाल बाबू राम : अध्यक्ष महोदय, मुजफ्फरपुर जिला के प्रखण्ड सकरा के कदाने पदी के शामपुर घाट पर जनहित में पुल निर्माण करावें । पुल का निर्माण हो जाने से कई पंचायतों से प्रखंडों की दूरी कम हो जायेगी ।

डॉ0 विनोद प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, गया जिलान्तर्गत शेरघाटी प्रखण्ड के नगर पंचायत शेरघाटी में शेखपुरा मुहल्ला से घाघर झारखण्ड सीमा नावाडीह तक 03 कि0मी0 सड़क की स्वीकृति पी0एम0जी0एस0वाई0 से वर्ष 2009 में हुई थी । रैयती जमीन होने का गलत प्रतिवेदन देकर सड़क निर्माण कार्य बंद कर दिया गया है ।

उक्त सड़क का निर्माण कराने की मांग करता हूँ ।

श्री मो0 नेमतुल्लाह : महोदय, गोपालगंज जिलान्तर्गत मांझा प्रखण्ड में एन0एच0 28 से निकलकर दुलदुलिया से जाफर टोला होते हुए पूर्वील टोला देवापुर पीच रोड तक जाने वाली सड़क जीर्ण–शीर्ण अवस्था में है ।

अत: सरकार उक्त पथ का पीचकरण शीघ्र कराये ।

श्री वीरेन्द्र कुमार सिंह : अध्यक्ष महोदय, औरंगाबाद जिलान्तर्गत नवीनगर प्रखंडान्तर्गत माली से चरण रोड, मझियांव से बैरिया रोड अत्यन्त ही जर्जर है । जनता परेशान है ।

अत: सरकार से उक्त दोनों जर्जर सड़कों की शीघ्र मरम्मती कराने की मांग करता हूँ।

अध्यक्ष : श्रीमती भागीरथी देवी ।

श्रीमती भागीरथी देवी : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य पूरा पढ़ भी नहीं पाते हैं और आप उनको बैठा देते हैं । हुजूर, बात तो पूरा कहने दिया जाय । कम से कम इसपर ध्यान दिया जाय कि माननीय सदस्य इतना मेहनत करके आते हैं रात में, इसलिए कम से कम पूरा बात सुन लिया जाय ।

अध्यक्ष : ठीक है ।

श्रीमती भागीरथी देवी : अध्यक्ष महोदय, बेतिया जिला के प्रखण्ड गौनाहा के धनौजी गौनाहा जमुनिया एवं अन्य पंचायतों में भयंकर ओलावृष्टि से काफी क्षति हुई है । मैं मांग करती हूँ कि जिन्हें ओलावृष्टि से जिस प्रकार की क्षति हुई है, सही जॉंचोपरान्त क्षतिपूर्ति की मांग करती हूँ ।

अध्यक्ष : आप क्या चाहती हैं ?

श्रीमती भागीरथी देवी : कम से कम देखवा लिया जाय, उनको कम से कम मुआवजा मिले ।

अध्यक्ष : ठीक है ।

श्री श्यामबाबू प्रसाद यादव: अध्यक्ष महोदय, पूर्वी चम्पारण जिला के नगर पंचायत चकिया में बस स्टैण्ड के निर्माण के लिए वर्ष 2014 में निविदा किया गया था और वर्ष 2015 में ही एकरारनामा कर दिया गया । लेकिन अभी तक बस स्टैण्ड निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया ।

अत: मैं सरकार से मांग करता हूँ कि जनहित में कार्य को कराने की प्रक्रिया प्रारम्भ करें ।

श्री अचमित ऋषिदेव : अध्यक्ष महोदय, अरयिा जिलान्तर्गत रानीगंज प्रखंड में विशनपुर चौक से डुमरिया चौक तक सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है । जिसपर आये दिन दुर्घटना होती रहती है ।

उक्त सड़क की मरम्मती कराने की मांग मैं सरकार से करता हूँ ।

श्री समीर कुमार महासेठ : अध्यक्ष महोदय, राज्य में मंदबुद्धि बच्चों के लिये दिवा विद्यालय तो हैं परन्तु आवासीय विद्यालय एक भी नहीं है । एकल परिवार में मंदबुद्धि बच्चों की देखभाल समुचित रूप से नहीं हो पा रही है ।

अत: प्रत्येक जिले में एक-एक मंदबुद्धि आवासीय विद्यालय स्थापित किये जाने की मांग करता हूँ ।

श्री फैसल रहमान : अध्यक्ष महोदय, पूर्वी चम्पारण जिला के ढाका नगर पंचायत में मेन रोड का नाला क्षतिग्रस्त होने से ढाका नगर में जल जमाव के कारण ढाका पचपकड़ी रोड से गॉंधी चौक जाने-आने में आम जनता को कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है । ढाका नगर पंचायत के मेन रोड का पक्की नाला बनाने की सरकार से मांग करता हूँ ।

श्री मुन्द्रिका सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, जहानाबाद जिला के काको प्रखण्ड के उत्तर शेरथु पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना के भौतिक सत्यापन में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, पंचायत सचिव एवं इंदिरा आवास सहायक द्वारा भारी गड़बड़ी की जा रही है । पंचायत आम सभा की भी अनदेखी की जा रही है । स्थल जॉच भी नहीं की जा रही है ।

अत: इस गंभीर विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुये इसकी उच्च स्तरीय जॉच की मांग करता हूँ ।

श्री बिरेन्द्र कुमार सिन्हा : अध्यक्ष महोदय, औरंगाबाद जिला अन्तर्गत दाउदनगर नासरीगंज के बीच सोन नदी पर पुल निर्माण एवं सम्पर्क पथ में किसानों का भूमि अधिगृहित की गई है, जिसका खाता सं0-3, प्लौट नं0-1585, रकवा लगभग 16 एकड़ किस्म जमीन मालिक बकास्त है, जिसका मुआवजा का भुगतान नहीं किया गया है ।

अत: इस गंभीर विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए किसान को तत्काल मुआवजा भुगतान की मांग करता हूँ ।

श्री संजय सरावगी : अध्यक्ष महोदय, डी0एम0सी0एच0,दरभंगा के रेडियोलॉजी विभाग में डिजिटल एक्स-रे एवं डेढ़ साल पहले खरीदी गई तीन अल्ट्रासाऊन्ड मशीनें बन्द पड़ी हुई है, जिसके कारण मरीजों को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है ।

सरकार अविलम्ब उपरोक्त मशीनों को चालू करावें और बन्द के लिए दोषी पदाधिकारियों को चिन्हित कर कार्रवाई करें ।

श्री ललन पासवान : अध्यक्ष महोदय, रोहतास जिला अन्तर्गत चेनारी प्रखण्ड के चेनारी बाजार में पूरे सड़क प्रखण्ड के चेनारी बाजार में पूरे सड़क पर जल-जमाव के कारण पूरे बाजार के लोगों को अवागमन बन्द है ।

सरकार से मांग करते हैं कि नाला निर्माण शीघ्र कराकर पानी निकासी की व्यववस्था की जाय ।

टर्न-8/अंजनी/दि0 24.03.2017

श्री विजय कुमार खेमका : अध्यक्ष महोदय, हिन्दुस्तान समाचार-पत्र के दिनांक 19 मार्च, 2017 में प्रकाशित राज्यभर की आंगनवाड़ी सेविका-सहायिका अपने 12सूत्री मांगों को लेकर चरणवद्ध आन्दोलन के साथ अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जा रही हैं । इनकी मुख्य मांग वेतन मानदेय 18,000/-पेंशन आदि है ।

अत: मैं सरकार से आंगनवाड़ी कर्मचारी यूनियन से वार्त्ता कर उनकी मांगों को पूरा करने की मांग करता हूँ ।

श्री सुदामा प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, भोजपुर के पीरो प्रखंड के भड़सर गांव में पूर्व मुख्यमंत्री स्व0 बिंदेश्वरी दूबे ने 1986 में 33 दलित परिवारों को सीलिंग की 15 बीघा जमीन का पर्चा दिया था, लेकिन आज तक उस जमीन पर दलितों को कब्जा नहीं मिला ।

अत: जनहित में इस पर्चा वाली जमीन पर दलितों को कब्जा दिलाने की मांग करता हूँ ।

श्री सत्यदेव राम : अध्यक्ष महोदय, दिनांक 02.09.2015 को कम्फेड (सुधा डेयरी) पटना के एम0डी0 ने प्रापन सहायक पद पर नियुक्त विरेन्द्र कुमार को इसलिए बर्खास्त कर दिया कि उन्होंने संस्थान में नये-नये आए एम0डी0 को पहचाना नहीं और पूछ दिया कि आपको किससे मिलना है ? लोकहित में विरेन्द्र कुमार को उनके पद पर बहाल करने की मांग करता हूँ ।

श्री महबूब आलम : अध्यक्ष महोदय, कटिहार जिलान्तर्गत बारसोई प्रखंड के किसानों के मुआवजा हेतु उपलब्ध 25175500/- रूपये भुगतान के अभाव में गांजन पुल चालू नहीं हो रहा है। साथ-साथ बरारी प्रखंड के बैसाखा घाट पुल भी पांच साल से मुआवजा, भुगतान व एप्रोच के अभाव में अनोपयोगी बना हुआ है, मैं दोनों पुल चालू कराने की मांग करता हूँ। महोदय, मेरी बात सुनी जाय ।

अध्यक्ष : आपकी बात सुन ली गयी, दूसरों की बात सुनने दीजिए ।

(इस अवसर पर माननीय सदस्य श्री महबूब आलम वेल में आकर बोलने लगे)

अध्यक्ष : आपको यह भ्रम क्यों हो गया है कि बीच में आकर कहने से कोई बात ज्यादा सुनी जाती है । बीच में आकर कहने से कोई नहीं सुनता है, आसन भी उसका संज्ञान नहीं लेता है ।

(इस अवसर पर माननीय सदस्य श्री महबूब आलम अपनी सीट पर चले गये)

श्री जिवेश कुमार : अध्यक्ष महोदय, बिहार के अन्दर दरभंगा जिले के गैर सरकारी सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक विद्यालय के शिक्षकों को मार्च, 2016 से वेतन नहीं मिला है, जबकि बिहार के अन्दर अधिकतम जिलों को इस वेतन के लिए आवंटन मिल चुका है तो दरभंगा जिला से भेदभाव क्यों ?

अत: मैं इन शिक्षकों को 31 मार्च से पहले वेतन सुनिश्चित कराने की मांग सरकार से करता हूँ ।

श्रीमती बेबी कुमारी : अध्यक्ष महोदय, स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत कार्यरत चिकित्सक की आयु 65 से 67 वर्ष कर दी गई है, जबकि विश्वविद्यालय में कार्यरत डॉक्टर्स की सेवा-निवृत्ति की आयु 65 ही है ।

उच्चतम न्यायालय ने विश्वविद्यालय के कर्मी को राज्य सरकार की भांति माना है । अत: विश्वविद्यालय के कार्यरत डाक्टर्स की सेवा-निवृत्ति की आयु 65 वर्ष से 67 वर्ष करने की मांग करती हूँ ।

श्री केदार प्रसाद गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मुजफ्फरपुर जिलान्तर्गत कुढ़नी प्रखंड में बगरा वंसीधर पंचायत के सड़क में नुन नदी पर गोंवा भगवानपुर में पुल नहीं रहने से कुढ़नी बाजार जाने में वहां की आम जनता को काफी कठिनाई होती है । पुल नहीं रहने से नदी पार करने में कई मौतें हो चुकी है ।

अत: मैं सरकार से पुल बनाने की मांग करता हूँ ।

श्री अजीत शर्मा : अध्यक्ष महोदय, भागलपुर जिला में नगर निगम में स्थित मारवाड़ी पाठशाला का छात्रावास वर्त्तमान में क्षतिग्रस्त हो गया है, जिससे छात्र-छात्राओं को पठन-पाठन में कठिनाई हो रही है ।

अत: स्कूल के छात्रावास का जीर्णोद्धार करने हेतु सूचना देता हूँ ।

श्री राणा रणधीर : अध्यक्ष महोदय, पूर्वी चम्पारण जिला के पकड़ीदयाल प्रखंडानन्तर्गत सुन्दरपटटी पंचायत के मझार गांव से पनडुब्बी होते हुए एक सड़क जाती है, जिसमें बांकीपुर मन में पुल नहीं होने से ग्रामीणों को अधिक दूरी तय कर प्रखंड मुख्यालय जाना पड़ता है, अत: बांकीपुर मन में एक पुल निर्माण की मांग सरकार से करता हूँ ।

श्री सचीन्द्र प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदय, पूर्वी चम्पारण जिला के कोटवा प्रखंड के अहिरौलिया राजापुर निवासी सुदिष्ट राम, पिता-सुन्दर देव राम 20 वर्ष की मृत्यु दिनांक 13.03.17 को होली के दिन विद्युत करंट लगने से हो गयी ।

अत: मैं मृतक के आश्रित को 5 लाख रूपया मुआवजा शीघ्र मुहैया कराने की मांग सरकार से करता हूँ ।

श्री विद्या सागर केशरी : अध्यक्ष महोदय, अररिया जिलान्तर्गत फारविसगंज प्रखंड के सहवाजपुर पंचायत के बराठपुर घाट पर एवं अम्हारा पंचायत के कमता घाट पर परमान नदी पर पुल की सख्त आवश्यकता है । उक्त दोनों स्थानों पर चचरी पुल के सहारे हजारों लोगों को प्रतिदिन आना-जाना पड़ता है, पुल पट्टी नहीं बनने से लोगों में आक्रोश व्याप्त है ।

अत: मैं सदन से उक्त दोनों स्थानों पर शीघ्रताशिघ्र पुल निर्माण की मांग करता हूॅं ।

श्री तारकिशोर प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, बेली रोड पटना स्थित 96 सेट आफिसर्स आवास के दो पथों के उत्तरी छोर पर पाटलिपुत्रा भवन प्रमंडल द्वारा लौह पीलर गाड़कर आवागमन बंद कर दिया गया है, जो अवैध है । इस रास्ते में वरीय अधिकारियों की गाड़ियां और उनके बाडीगार्ड कुर्सी लगाकर बैठे रहते हैं, जिसके कारण लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल जाने वाले रोगियों को भारी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है ।

अत: दोनों पथों के लौह पीलर को हटाने की मांग सरकार से करता हूॅं।

श्री अत्री मुनी उर्फ शक्ति सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, नालन्दा जिलान्तर्गत परवलपुर प्रखंड के अलीपुर ग्राम के पाटन श्री वल्लभ के घर के पास मुहाने नदी(चोरनियां) नदी पर पुल के निर्माण की मांग सरकार से करता हूॅं ।

श्री मो0 नवाज आलम : अध्यक्ष महोदय, भोजपुर जिला के आरा मुख्यालय में वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय का नया भवन जीरो माईल के पास बनकर तैयार है, जिसकी फर्निशिंग नहीं हुई है ।

अतएव मैं सदन के माध्यम से इसका निर्माण कार्य पूर्ण कराने की मांग करता हूॅं ।

श्री संजय कुमार तिवारी : अध्यक्ष महोदय, सूचित करना है कि बिहार के सभी जिलों के थानों में चौकीदारों का पद रिक्त पड़ा हुआ है । मैं सरकार से अविलम्ब रिक्त पदों पर चौकीदारों के बहाली की मांग करता हूॅं ।

श्री संजीव चौरसिया : अध्यक्ष महोदय, दीघा, कुर्जी मैनपुरा में गंगा किनारे लोगों की जमीन सरकार ने बिना भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया के पालन किये हुए रैयती जमीन को खासमहल की जमीन घोषित कर गंगा पथ सड़क बनाने के कम में अधिग्रहण कर ली ।

अतएव सरकार से भू-स्वामियों के जमीन का उन्हें मुआवजा देने की मांग करता हूॅं ।

श्री विजय कुमार सिन्हा : अध्यक्ष महोदय, लखीसराय नगर में राजकीय दुर्गा बालिका उच्च विद्यालय और मध्य विद्यालय एक ही भवन के नीचे उपर तल्ले पर 2600 विद्यार्थियों को शिक्षा देने के नाम पर भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है ।

अत: सरकार से उक्त विद्यालय को अलग-अलग भवन बनाकर चलाने की मांग करता हूँ ।

अध्यक्ष : ध्यानाकर्षण सूचना ।

ध्यानाकर्षण सूचनाएँ तथा उसपर सरकारी वक्तव्य

सर्वश्री भोला यादव, रत्नेश सादा एवं अन्य तीन सभासदों से प्राप्त ध्यानाकर्षण-
सूचना तथा उसपर सरकार (गृह विभाग) की ओर से वक्तव्य

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री भोला यादव जी, आप अपनी सूचना को पढ़ें ।

श्री भोला यादव : अध्यक्ष महोदय, बिहार में विधि व्यवस्था नियंत्रण सहित विभिन्न सुरक्षा कार्यों में बिहार गृह रक्षा वाहिनी की अह्म भूमिका है । कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को सामने रखकर सरकार ने विचारोपरांत नियोजित शिक्षकों को वेतनमान का लाभ दिया लेकिन पीढ़ी-दर-पीढ़ी बिहार गृह रक्षा वाहिनी के रूप में राज्य की सेवा करने वाले गृह रक्षा वाहिनी के जवानों को वेतनमान नहीं दिया गया है । देश के कई राज्यों में यथा पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश आदि में गृह रक्षा वाहिनी के जवानों को वेतनमान दिया गया है ।

अत: बिहार गृह रक्षा वाहिनी के जवानों को भी अन्य राज्यों की भांति वेतनमान् दिये जाने हेतु हम सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हैं ।

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री : महोदय, वस्तुस्थिति यह है कि स्वयंसेवी गृह रक्षकों के लिए बिहार होमगार्ड एक्ट-1947 एवं बिहार गृह रक्षा वाहिनी नियमावली-1953 गठित है, जिसके तहत गृह रक्षकों का नामांकन एवं कर्त्तव्य भत्ता का भुगतान होता है । गृह रक्षा वाहिनी स्वयंसेवी संस्था है, जिसमें गृह रक्षकों का नामांकन बिहार होमगार्ड एक्ट-1947 के अंतर्गत चार वर्षों के लिए होता है । सेवा और चरित्र सत्यापन संतोषजनक पाये जाने पर प्रकियानुसार पुन: चार वर्षों के लिए पुनर्नामांकित किया जाता है ।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा पारित आदेश के आलोक में पंजाब, मध्य प्रदेश एवं हिमाचल प्रदेश में गृह रक्षकों को वेतनमान नहीं दिया गया है बल्कि पुलिस के एक दिन के वेतन के बराबर दैनिक कर्त्तव्य भत्ता दिया गया है । उक्त वाद में बिहार सरकार पक्षकार नहीं था । अत: वह न्यायादेश बिहार सरकार पर लागू नहीं होता है । उत्तर प्रदेश में गृह रक्षकों को प्रतिदिन 375/-रूपये कर्त्तव्य भत्ता दिया जाता है, जो बिहार से कम है ।

वर्तमान में गृह रक्षकों को 400/-रूपये प्रतिदिन की दर से कर्त्तव्य भत्ता का भुगतान किया जा रहा है, जो देश के छत्तीसगढ़, गुजरात, उड़ीसा, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, अंडमान निकोबार, चंडीगढ़ से ज्यादा है तथा महाराष्ट्र, कर्नाटक, झारखंड, असम

एवं गोवा के बराबर है । बिहार गृह रक्षा वाहिनी के जवानों को वेतनमान् दिये जाने हेतु तत्काल कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है ।

टर्न-9/शंभु/24.03.17

श्री भोला यादव : माननीय मंत्री जी जो बता रहे हैं, एक दिन के वेतन का बता रहे हैं कि एक दिन का वेतन जो वहां के स्थानीय पुलिस को मिलता है उसके बराबर दिया जाता है उन सब राज्यों में तो ऐसी बात नहीं है। हमारे पास उसके विधिवत् नोटिफिकेशन की कॉपी भी है। उन सब जगहों पर वेतनमान दिया गया है और उस वेतनमान में जितने दिन एब्सेंट रहेंगे उतने दिन का वेतन- एक दिन का वेतन कहीं 975 रूपया होता है, कहीं 685 रूपया होता है उस हिसाब से कटौती करने का प्रस्ताव है, बल्कि वेतन देने का प्रस्ताव है उन राज्यों में और जिन राज्यों की बात माननीय मंत्री महोदय कह रहे हैं तो हमलोग विकसित राज्य के श्रेणी में हैं, विकसित राज्य के श्रेणी से आगे बढ़ चुके हैं तो मैं माननीय मंत्री महोदय से मांग करता हूँ कि जिस तरह से बिहार के गृह रक्षा वाहिनी हमलोगों के जन्म के पूर्व से सेवा देते आ रहा है वैसे सेवाकर्मियों को यहां भी पंजाब की तरह का लाभ देने का विचार करे गवर्नमेंट इसके लिए आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से मांग हम करते हैं और स्पष्ट उत्तर चाहते हैं कि इसपर विचार करें।

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव,मंत्री : महोदय, फिलहाल कोई प्रस्ताव इस तरह का नहीं है। मैंने जिक्र किया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुसार पंजाब वगैरह जिन राज्यों में- मैंने कहा कि वहां के पुलिस को एक दिन का जितना वेतन मिलता है उतना ही दर पर उसको सुप्रीम कोर्ट का आर्डर था जिस रोज एब्सेंट रहेंगे तो दरमाहा कट जायेगा, लेकिन भत्ता ही है, वेतनमान नहीं है। बाकी राज्यों का जिक्र किया मैंने तीन राज्यों का बिहार के बराबर है, बाकी राज्यों का उससे कम है। महोदय, ये 1947 का होमगार्ड एक्ट है और उसी के अनुसार गवर्न होता है और इसकी कार्य प्रणाली चलती है।

श्री भोला यादव : महोदय, हम बताना चाहते हैं ये कह रहे हैं सुप्रीम कोर्ट की बात- सुप्रीम कोर्ट के आर्डर को भी मैंने पढ़ा है सुप्रीम कोर्ट यह कहीं नहीं कहता है कि उन्हीं राज्यों पर लागू है, बल्कि सुप्रीम कोर्ट मास लेवेल पर यह आर्डर दिया है और उसपर सरकार विचार कर सकती है। सरकार की भावना विचार के उन्मुख होना चाहिए, मैं आपके माध्यम से आग्रह कर........

अध्यक्ष : आप सरकार से अनुरोध कर लिये भोला बाबू, ठीक है।

श्री नन्दकिशोर यादव : आप आर0जे0डी0 के हैं, कैसे सरकार प्रस्ताव स्वीकार करेगी ?

श्री भोला यादव : नन्दकिशोर बाबू, सरकार से हम आग्रह कर दिये हैं, आप भी हमारी ओर से आग्रह कर दीजिए। ये मान लिये हैं।

श्री भाई वीरेन्द्र : अध्यक्ष महोदय, हम प्वाइंट ऑफ आर्डर पर हैं हुजूर।

अध्यक्ष : अब क्या है ?

श्री भाई वीरेन्द्र : पहले मैं बोला हूँ सर।

अध्यक्ष : आप उठे हैं तो जरूर आर्डर होगा, हमें पूरी उम्मीद है कि कोई डिस्आर्डर नहीं होगा।

श्री भाई वीरेन्द्र : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से आग्रह करूँगा कि पॉजीटिव सोच होनी चाहिए और गृह रक्षकों के बारे में पॉजिटिव सोच होनी चाहिए।

अध्यक्ष : यह तो आपका सुझाव था । आप तो व्यवस्था की बात कह रहे थे।

श्री ललन पासवान एवं अन्य माननीय सदस्यों से प्राप्त ध्यानाकर्षण सूचना। श्री ललन पासवान सूचना पढ़ें।

सर्वश्री ललन पासवान, रामप्रीत पासवान एवं अन्य चार सभासदों से प्राप्त ध्यानाकर्षण सूचना तथा उसपर सरकार (भवन निर्माण विभाग) की ओर से वक्तव्य।

श्री ललन पासवान : महोदय, रोहतास जिलान्तर्गत शिवसागर अंचल में स्थित शेरशाह अभियंत्रण महाविद्यालय, सासाराम की स्थापना हेतु राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के स्वीकृत्यादेश सं0-1282, दिनांक-28.12.2012 के द्वारा रोहतास जिला के शिवसागर अंचल के मौजा-करूप, थाना सं0-351, खाता सं0-220, खेसरा सं0-2043,2044 एवं 2046 के रकवा-क्रमशः 6.75, 2.25 एवं 1.62 एकड़ कुल रकवा-10.62 एकड़ कैसरे हिन्द किस्म पुरानी परती भूमि पर स्वीकृति दी गयी है, जिसकी संविदा मुख्य अभियंता(दक्षिण), भवन निर्माण के पत्रांक-370, अनु0 दिनांक-21.02.2017 द्वारा अधीक्षण अभियंता, भवन अंचल, आरा को 92,62,92,535/- (बानवे करोड़ बासठ लाख बानवे हजार पॉच सौ पैंतीस) रूपये की स्वीकृति दी गयी है, लेकिन अभी तक शेरशाह अभियंत्रण महाविद्यालय, सासाराम का भवन निर्माण कार्य आरम्भ नहीं किया गया है। अतः उक्त महाविद्यालय के भवन निर्माण हेतु हम सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हैं।

श्री श्रवण कुमार,मंत्री : महोदय, इसका जवाब 27 मार्च, 2017 को दिया जायेगा।

श्री प्रेम कुमार,ने0वि0द0 : महोदय, लाठीचार्ज जो हुआ............

(इस अवसर पर भाजपा के माननीय सदस्यगण अपने अपने स्थान पर खड़े हो गये।)

अध्यक्ष : अभी रूकिए न, अभी और काम है हो जाने दीजिए न। माननीय मंत्री, ऊर्जा विभाग।

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव,मंत्री : महोदय, मैं विद्युत् अधिनियम, 2003 की धारा-105(2) एवं 104(4) के तहत बिहार विद्युत् विनियामक आयोग का 'वित्तीय वर्ष 2015-16 का वार्षिक प्रतिवेदन यथा संलग्न वित्तीय वर्ष 2014-15 एवं 2015-16 का वार्षिक लेखा विवरण, उक्त पर महालेखाकार, बिहार द्वारा पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन (SAR) सहित' की प्रति सदन पटल पर रखता हूँ।

(इस अवसर पर भाजपा के माननीय सदस्यगण वेल में आ गये)

अध्यक्ष : माननीय मंत्री, संसदीय कार्य।

श्री श्रवण कुमार,मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं बिहार विधान मंडल (सदस्यों का वेतन, भत्ता और पेंशन) अधिनियम, 2006 की धारा-8(3) के तहत् बिहार विधान मंडल (सदस्यों का वेतन, भत्ता और पेंशन) (संशोधन) नियमावली, 2017 की प्रति सदन पटल पर रखता हूँ।

अध्यक्ष : बिहार विधान मंडल (सदस्यों का वेतन, भत्ता और पेंशन) अधिनियम, 2006 की धारा-8(3) के तहत् बिहार विधान मंडल (सदस्यों का वेतन, भत्ता और पेंशन) (संशोधन) नियमावली, 2017 की प्रति सदन पटल पर 14 दिनों तक रखी रहेगी।

(व्यवधान)

माननीय सदस्यगण, एक सूचना सुन लीजिए कि बिहार विधान सभा की नियम समिति द्वारा प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के प्रावधानों में कतिपय संशोधनों से संबंधित समिति का तृतीय प्रतिवेदन माननीय मंत्री संसदीय कार्य विभाग के माध्यम से सदन के अनुमोदन हेतु दिनांक 18 मार्च, 2017 को सदन में उपस्थापित किया गया था, जिसकी प्रतियाँ आप माननीय सदस्यों के बीच भी वितरित करायी गयी थी । उल्लेखनीय है कि इस समिति के सिफारिशों के उपस्थापन के पश्चात् कोई संशोधन प्राप्त नहीं हुआ है। अत: बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 288 के परन्तुक के तहत नियम समिति द्वारा अनुशंसित सारे संशोधन बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली में अंगीकृत किये जाते हैं।

अब बताइये क्या कह रहे थे ?

श्री प्रेम कुमार,ने0वि0द0 : अध्यक्ष महोदय, समान काम समान वेतन को लेकर के.........

(व्यवधान)

श्री श्रवण कुमार,मंत्री : अध्यक्ष महोदय, नेता विरोधी दल माननीय सदस्य वेल में हैं और ये भाषण कर रहे हैं, हाऊस आर्डर में नहीं है।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : अब सदन की कार्यवाही 2 बजे दिन तक के लिए स्थगित की जाती है।

टर्न-10/अशोक/24.03.2017

(अन्तराल के बाद)

(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

अध्यक्ष : सभा की कार्यवाही प्रारम्भ की जाती है । वित्तीय कार्य लिये जायेंगे ।

कला संस्कृति एवं युवा विभाग के अनुदान की मांग पर वाद-विवाद, सरकार का उत्तर एवं मतदान होगा । इसके लिए तीन घंटे का समय उपलब्ध है । विभिन्न दलों को उनकी सदस्य संख्या के आधार पर समय का आवंटन निम्न प्रकार किया जाता है और इसी समय में से सरकार को उत्तर के लिए भी समय दिया जायेगा:-

राष्ट्रीय जनता दल	59 मिनट
जनता दल यूनिईटेड	52 मिनट
भारतीय जनता पार्टी	39 मिनट
इंडियन नेशनल कॉंग्रेस	20 मिनट
सी.पी.आई(एम.एल.)	2 मिनट
लोक जन शक्ति पार्टी	2 मिनट
हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा	1 मिनट
राष्ट्रीय लोक समता पार्टी	2 मिनट
निर्दलीय	3 मिनट

माननीय मंत्री, कला संस्कृति एवं युवा विभाग अपनी मांग प्रस्तुत करें ।

श्री शिवचन्द्र राम, मंत्री : महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि :

" कला संस्कृति एवं युवा विभाग " के संबंध में 31 मार्च, 2018 को समाप्त होने वाले वर्ष के भीतर भुगतान के दौरान जो व्यय होगा, उसकी पूर्त्ति के लिए 1,37,55,16,000/-(एक अरब सैंतीस करोड़ पचपन लाख सोलह हजार) रूपये से अनधिक राशि प्रदान की जाय ।

यह प्रस्ताव राज्यपाल की सिफारिश पर किया गया है ।

अध्यक्ष : इस मांग पर माननीय सदस्य श्री अरूण कुमार सिन्हा, श्री संजय सरावगी, श्री मिथिलेश तिवारी, श्री सचीन्द्र प्रसाद सिंह एवं श्री विनोद कुमार सिंह से कटौती प्रस्ताव प्राप्त हुये हैं जो व्यापक हैं एवं जिन पर सभी माननीय सदस्य विचार विमर्श कर सकते हैं । माननीय सदस्य श्री अरूण कुमार सिन्हा का प्रस्ताव प्रथम है अतएव माननीय सदस्य श्री अरूण कुमार सिन्हा अपना कटौती प्रस्ताव प्रस्तुत करें ।

श्री प्रेम कुमार, नेता विरोधी दल : महोदय, कल किसी कारण से आप नहीं थे और हमको ऐसा महसूस हुआ महोदय कि संसदीय कार्य मंत्रीजी बैठे हुये हैं महोदय, उपाध्यक्ष का पद रिक्त है और कल श्री रामनारायण मंडल ने बहुत बेहतर तरीका से सदन चलाने का काम किया है । संसदीय कार्य मंत्री से आग्रह होगा सर आपके लिये उन्होंने प्रयास किया था तो भारतीय जनता पार्टी के कोटा से महोदय उपाध्यक्ष का पद रिक्त पड़ा हुआ है, हम आग्रह करेंगे कि माननीय मुख्यमंत्री जी से बात करके इसकी पहल करे ।

श्री श्रवण कुमार, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, रामनारायण बाबू तो बहुत काबिल हैं, बहुत अच्छे नेता हैं महोदय तो नेता प्रतिपक्ष की भूमिका भी बढ़िया से अदा कर सकते हैं उसके बारे में नेता, प्रतिपक्ष का क्या कहना है ?

श्री अरूण कुमार सिन्हा : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूॅ कि:

" इस शीर्षक की माॅग 10/- रूपये से घटाई जाय ।"

राज्य सरकार की कला, संस्कृति एवं युवा नीति पर विचार-विमर्श करने के लिए ।

महोदय, स्वस्थ मन और बुद्धि के बिना स्वस्थ्य शरीर का होना सम्भव नहीं है और इसलिए कला संस्कृति खेल-कूद, ये स्वस्थ्य शरीर भी बनाता है और मन और बुद्धि को भी बनाता है । एक जमाना था हमलोग जब बचपन में थे, और अभी भी कहते है लोग, गुजरी हुई बात हो गई कि खोलोगे कूदोगे तो होगे खराब लेकिन अब महोदय, नई बात यह है कि पढ़ोगे लिखोगे तो होग विद्वान और खेलोगे कूदोगे तो होगे बलवान । स्वस्थ शरीर में और स्वस्थ्य बुद्धि और स्वस्थ विवेक के लिए यह जरूरी है कि इसके लिए यह जरूरी है कि आदमी का खेल कूद संस्कृति और इस तरह का स्वस्थ मनोरंजन हो परन्तु महोदय वर्तमान सरकार इस विभाग के प्रति बहुत उदासीन है और उसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं 2016-17 बजटीय राशि में अभी तक 28.97 प्रतिशत ही खर्चा कर पाई है । यह बिल्कुल नाकाम और बेहाली का नमूना है महोदय । यही नहीं महोदय, देशी खेलों के प्रति भी उदासी है और स्कूल में सबसे प्रिय होता है बच्चों का खेल-कूद, पंचायत हो चाहे प्राथमिक स्कूल हो, चाहे सेकेन्ड्री स्कूल हो वहां पर खेल के जो उपकरण एवं सामान है वह उपलबध नहीं हैं, योजना नहीं है जगह नहीं है, यही नहीं महोदय जो राजधानी है पटना और कई बार कोशिश किया गया लगातार कोशिश हो रही है लेकिन कंकड़बाग में स्थित पाटलीपुत्र स्टेडियम के बगल में स्वीमींग पुल बनने की बात हैं वह अभी तक उसके प्रति बिल्कुल उदासीनता हैं, उसकी क्या स्थिति है उसके बारे में कहना अभी मुश्किल है । और जो मोनुअल हक स्टेडियम है जो एक बिहार के लिए, देश के लिए वहां क्रिकेट मैच भी एक बार हुआ था नेशनल स्तर, इन्टरनेशनल स्तर का लेकिन आज उसकी स्थिति बहुत खराब हैं, जिर्णोधार का

काम भी कई बार होने के बाद भी शुरू नहीं हुआ । खेल विकास योजना का बुरा हाल है । अब आइये जरा दरभंगा में, ललित नारायण मिथला विश्वविद्यालय में रखे गये जो दुलर्भ पाण्डुलिपियां हैं महोदय समुचित रख रखाव के अभाव में वह नष्ट होने के कगार पर हैं । इस तरह खेलकूद कला संस्कृति ......

अध्यक्ष : अरूण बाबू, आप ने ही जो आसन को सूचना दी है, उस हिसाब से आपने अपने लिये तीन मिनट का ही समय रखा है ।

श्री अरूण कुमार सिन्हा : हां तो बस कटौती प्रस्ताव का अभी केवल विषय प्रवेश है ।

अध्यक्ष : लेकिन हम तो चाह रहे थे कि आप और अधिक देर तक बोलिये लेकिन आपने स्वयं तीन ही मिनट का समय रखा है ।

श्री अरूण कुमार सिन्हा : सब का साथ, सब का विकास पर विश्वास रखते हैं, सभी माननीय विधायक को बोलना है महोदय, मैं इसी लिये यह कटौती प्रस्ताव को रखता हूॅ और उम्मीद करता हूॅ कला संस्कृति के मंत्री जी अच्छे आदमी हैं, उम्मीद करता हूॅ इस कटौती प्रस्ताव के माध्यम से इसको मानेंगे और इसके संशोधन के साथ बजट को लगायेंगे । धन्यवाद ।

श्री अत्री मुनी उर्फ शक्ति सिंह यादव : महोदय, माननीय सदस्य श्री अरूण बाबू के द्वारा कला संस्कृति विभाग के बारे इतनी अच्छी बात कहने के बाद कटौती प्रस्ताव का तो कोई मतलब ही नहीं रखता है ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, श्री राजेन्द्र कुमार ।

श्री राजेन्द्र कुमार : अध्यक्ष महोदय, सरकार के द्वारा कला संस्कृति एवं युवा विभाग के द्वारा लाये गये मांग के पक्ष में और प्रतिपक्ष के द्वारा लाये गये कटौती के प्रस्ताव के विपक्ष में बोलने के लिए हम खड़ा हैं । अध्यक्ष महोदय, हम आपके प्रति आभार व्यक्त करना चाहते हैं और कला संस्कृति के माननीय मंत्री श्री शिवचन्द्र राम जी के प्रति भी हम आभार प्रकट करना चाहते हैं । बोलने के पहले हम माननीय लालू प्रसाद यादव जी के प्रति आभार प्रकट करना चाहते हैं, माननीय उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव जी के प्रति आभार प्रकट करना चाहते हैं कि आज इस सदन में बोलने का मौका उन लोगों के द्वारा हमें प्राप्त हुआ हैं । क्रमशः

टर्न-11/ज्योति

24-03-2017 क्रमशः

श्री राजेन्द्र कुमार : महोदय, माननीय सदस्य अरुण बाबू के द्वारा खेल की महत्ता को बताया जा रहा था और जिस तरीके से खेल की महत्ता को सदन के पटल पर रखने का काम किया गया निश्चित तौर पर कटौती प्रस्ताव लाकर के बिहार के युवाओं के साथ बेमानी सा लगता है इसलिए हम कहना चाहेंगे कि प्रतिपक्ष के

साथी जो सकारात्मक सोच के तहत, इस राज्य के विकासात्मक सोच है महागठबंधन का, उसमें निश्चित तौर पर सहयोगात्मक आपकी पहल हो तो बेहतर लगेगा । महोदय, आज इस राज्य में युवाओं के लिए जिस तरीके से महागठबंधन चिन्तित है और महागठबंधन के माध्यम से बिहार के युवाओं के लिए अनेक लाभकारी योजनाएं संचालित की गयी हैं आयोजित की गयी हैं । महोदय, 7 निश्चय के तहत महागठबंधन का सबसे बड़ा कार्यक्रम इस बिहार में 7 निश्चय जो लाया गया बिहार के विकास में चार चांद लगाने के लिए लाया गया और 7 निश्चय में युवाओं को स्थान दिया गया । किसी भी समाज, राज्य, देश के विकास की कल्पना तब की जा सकती है जब युवाओं पर ज्यादा विशेष रुप से ध्यान दिया जाय । युवा वर्ग जो है देश के विकास में अहम भूमिका रखते हैं इसलिए हम धन्यवाद देना चाहेंगे महागठबंधन के मुखिया नीतीश कुमार जी को और उप मुखिया तेजस्वी जी को कि आपने 7 निश्चय में ''आर्थिक हल- युवाओं को बल'' इसके तहत युवाओं पर आपने ध्यान देने का काम किया है। खेल के माध्यम से आज खेल के क्षेत्र में जो युवाओं का स्थान है निश्चित तौर पर खेल एक ऐसा जगत है जिसके माध्यम से देश और दुनिया से मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करने में खेल की अहम भूमिका होती है । महोदय, हम बतलाना चाहेंगे कि खेल के माध्यम से यह मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करने में राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर जो पहल होती है उसके लिए धन्यवाद देना चाहेंगे खेल जगत के खिलाड़ियों को कि खेल जगत के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अन्य देशों से मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करने में उनकी अहम भूमिका होती है । हम कहना चाहेंगे कि युवाओं को आज महागठबंधन के माध्यम से मजबूत करने का प्रयास किया गया है । हम कहना चाहेंगे महोदय, आज हितकर योजनाएं चलाकर- आज देखने को मिला है प्रतिपक्ष के साथी सिर्फ हल्ला में विश्वास रखते हैं और एक तरफ हम कहना चाहेंगे कि इस राज्य में जो विकास की धारा है, उस विकास की धारा को मजबूती के साथ यह महागठबंधन आगे ले जाने का काम कर रही है । हम यह बतलाने का काम करेंगे कि आज इस देश के स्तर पर जो बिहार की हालत है, वह इस देश में यह बिहार राज्य खेल के मामले में पहले से ही उपेक्षित था । महागठबंधन के माध्यम से आज देश में प्रथम स्थान तो नहीं लेकिन निश्चित तौर पर बिहार को उपेक्षित रखा गया था आज हम धन्यवाद देना चाहेंगे माननीय मंत्री शिवचंद्र राम जी कि आपने बी.सी.सी.आई. की मान्यता इस बिहार को दिलाया है, हम बिहार की युवाओं के माध्यम से हम आपको धन्यवाद देना चाहते हैं । आज फिल्म सिटी लाकर आज जो बाहर जाकर मुम्बई में दर दर भटकते थे यहॉ के कलाकार जाकर भटकते थे, उनको आज

बिहार की धरती पर फिल्म बनाने का मौका दिया है फिल्म सिटी के माध्यम से, हम धन्यवाद देना चाहते हैं यहॉ के खिलाड़ियों को सम्मानित करने का काम, खेल के मैदान में जब खिलाड़ी खेलते हैं चाहे जिस स्तर के युवा हों जब खेल के मैदान में खेल जगत में वह जब अच्छा करते हैं तो उनको प्रोत्साहित करने के लिए निश्चित तौर पर विभाग के द्वारा पहल करनी चाहिए वह महागठबंधन के द्वारा और माननीय खेल मंत्री श्री शिव चंद्र राम जी के द्वारा किया गया है । आज राष्ट्रीय स्तर पर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी परचम लहराने वाले या पदक प्राप्त खिलाड़ी हैं उनको अगस्त में सम्मानित करने का काम किया इसलिए आपको धन्यवाद देना चाहता हूॅं और धन्यवाद देना चाहता हूॅं महागठबंधन की सरकार को कि आज प्रतिपक्ष के द्वारा जो तरीका अपनाया गया है देश के युवाओं के खिलाफ अनेक प्रकार के अहितकर काम किए जा रहे हैं उसके बावजूद युवाओं पर आपको जो ध्यान है इसके लिए धन्यवाद देना चाहते हैं। संग्रहालय के माध्यम से आज आज जो संस्कृति जो भारत की संस्कृति में खास करके बिहार का जो योगदान रहा है वह ज्ञान युक्त संस्कृति को संग्रहित करने के लिए आज कला एवं संस्कृति विभाग से संग्रहालय को जो मजबूती और एक मागदर्शक के रुप में आप संग्रहित कर रहे हैं इसके लिए भी धन्यवाद देना चाहते हैं । पटना के धरती पर बेली रोड में जिसको हार्ट औफ सिटी पटना हार्ट औफ सिटी भी कहा जाय तो कोई मिथ्या नहीं होगी। हम कहना चाहेंगे कि आज पटना की धरती पर जो बेली रोड में आपके द्वारा जो संग्रहालय खोला गया है वह सिर्फ युवाओं के दर्शन के लिए नहीं पर्यटकों को पर्यटक स्थल के रुप में नहीं यहॉ के युवाओं के लिए एक ज्ञान का सागर ही प्रतीत होता है वह निश्चित तौर पर यहॉ के युवाओं के लिए एक मार्गदर्शक के रुप में है । हम कहना चाहेंगे कि प्रतिपक्ष के साथियों आज देश में अनेक प्रकार की आपके द्वारा गलत पहल किया जाता है लेकिन आज संग्रहालय के माध्यम से बिहार में जो कला एवं सस्कृति के माध्यम से संग्रहालय खोलकर जो देश का विरासत है, देश के विरासत को हम मजबूती के तौर पर एक ज्ञान का माध्यम बनाने का काम कला एवं संस्कृति विभाग के माध्यम से किया जा रहा है इसके लिए हम धन्यवाद देना चाहते हैं । हम धन्यवाद देना चाहते हैं कला एवं सस्कृति मंत्री जी को कि आपके द्वारा ग्रामीण इलाके में जो गरीबों में जो संभावनाएं दिख रही थीं कला के क्षेत्र में उसे पूछने वाला कोई नहीं था । 1990 के दशक में लालू प्रसाद यादव जी के द्वारा जब लोगों के बीच उसकी महत्ता को जानने का और उसके संवैधानिक अधिकार के तहत उसके अधिकार के लिए प्रेरित करने का काम किया गया तो गरीबों को जो सामाजिक न्याय के पुरोधा है उनको अनेक प्रकार से प्रताड़ित करने का

काम इस बीजेपी वाले लोगों के द्वारा किया गया । हम धन्यवाद देना चाहेंगे कि आपके द्वारा कला एवं संस्कृति के माध्यम से उस ग्रामीण स्तर पर गरीबों ने जो उस कला की जो ज्योति थी उसको पटल पर लाकर आपने इस बिहार के कला जगत में स्थापित करने का काम किया है उसको मंच मुहैय्या करने का काम किया है । आज बिहार राज्य में जो पहले से पौराणिक स्थिति में अपने यहॉं कला का स्त्रोत था उन तमाम कला के स्त्रोत को दबाने का काम था उसको पटल पर लाने का काम किया गया है । हम धन्यवाद देना चाहेंगे कि आपके द्वारा पटना के गोलघर जो निश्चित तौर पर राज्य के लिए एक बहुत बड़ा पर्यटनीय स्थल है उसमें आपने मल्टी मीडिया लेजर शो की व्यवस्था की है इसके लिए भी हम आपको धन्यवाद देना चाहते हैं । हम धन्यवाद देना चाहते हैं कि राजगीर में आपके द्वारा 90 एकड़ जमीन अधिगृहित कर, आज वहॉं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम बनाने का प्रयास किया गया है, इसके लिए भी हम आपको धन्यवाद देना चाहते हैं । आज बिहार राज्य को यह कभी मौका नहीं मिलता था बिहार राज्य के खेल और खिलाड़ी इस तरीके से नहीं जाने जाते थे आज यहां के खिलाड़ी दूसरे राज्यों और दूसरे जगह खेलने का काम करते हैं आज निश्चित तौर पर बिहार के लोगों को आपने एक मौका दिया है बिहार के खिलाड़ियों को कि बिहार की धरती पर भी अन्तर्राष्ट्रीय खेल का आयोजन हो सकता है इसके लिए हम धन्यवाद देना चाहते हैं माननीय खेल मंत्री जी को हम धन्यवयाद देना चाहते हैं महागठबंधन की सरकार को कि आपके द्वारा निश्चित तौर पर जो पुरातत्व काल में जो हमारे धरोहर है, पुरातात्विक निदेशालय के माध्यम से आज हमारे देश में अनेक प्रकार की जो पुरातत्व है धरोहर है उसको संग्रहित और उसको सजाने का काम आपके द्वारा किया जा रहा है ।

अध्यक्ष : राजेन्द्र जी, अब एक मिनट में खत्म कीजिये ।

श्री राजेन्द्र कुमार : हम धन्यवाद देना चाहते हैं महागठबंधन की सरकार को कि जनहित में हमेशा आपके द्वारा काम किया गया है और उतना ही नहीं महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों के लिए कम ऐण्ड प्ले की योजना लाकर आप इस राज्य में महिलाओं को भी सम्मानित करने का और बराबरी का दर्जा देने का काम किया है । जो महागठबंधन की सरकार में महिलाओं को मान-सम्मान मिला है उसके तहत आज खेल के माध्यम से भी कम ऐण्ड प्ले की योजना को चलाकर महिलाओं को सम्मान देने का काम किया है निश्चित तौर पर कहना चाहेंगे कि महागठबंधन जो ऐतिहासिक काम कर रहा है इसकासे देखकर बीजेपी वालें लोगों को बेचैनी है लेकिन सांस्कृतिक क्रान्ति के तहत जयनायक जयप्रकाश बाबू का कहना है कि सम्पूर्ण क्रांति अब नारा है भावी इतिहास हमारा है , भावी इतिहास हमारा है ।

क्रमशः

टर्न-12/24.3.2017/बिपिन

श्री राजेन्द्र कुमारः क्रमशः निश्चित तौर पर समाज में एक बहुत बड़ा....

अध्यक्ष : अब आप समाप्त करिए ।

श्री राजेन्द्र कुमारः सभी वर्गों को, सभी जाति-बिरादरी के लोगों को एक साथ लेकर चलने का काम उनके द्वारा किया गया है । इसलिए हम निश्चित तौर पर कहना चाहेंगे माननीय मंत्री जी, आज इंडोर स्टेडियम का जहां तक चर्चा है, हम अंतिम क्षण में आपसे आग्रह करेंगे कि पूर्वी चम्पारण में भी इंडोर स्टेडियम के लिए स्थल मुहैया हमलोग करना चाहते हैं । आप वहां एक इंडोर स्टेडियम देकर अंतर्राष्ट्रीय खेल का आयोजन, हम पूर्वी चम्पारण की धरती से आते हैं और ....

अध्यक्ष : समाप्त करिए माननीय सदस्य ।

श्री राजेन्द्र कुमारः चम्पारण की धरती देश ही नहीं, दुनिया को एक सीख के रूप में, एक आंदोलन के रूप में यह चम्पारण की धरती और गांधी जी की धरती है । चम्पारण की धरती उनकी कर्मभूमि है, इसलिए आपसे निवेदन करते हैं कि आप इंडोर स्टेडियम का निर्माण करें और वहां के युवाओं को मौका दें ताकि अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजित हो सके। इन्हीं बातों के साथ अपने शब्द को विराम देता हूं ।

अध्यक्ष : श्री चन्द्रसेन प्रसाद ।

(इस अवसर पर माननीय सभापति डॉ0 अशोक कुमार ने आसन ग्रहण किया)

श्री चन्द्रसेन प्रसादः आज माननीय अध्यक्ष महोदय को कला, संस्कृति एवं युवा विभाग की ओर से अनुदान की मांगों पर समर्थन में और कटौती प्रस्ताव के विरोध में बोलने के लिए जो मौका दिया गया है, उसके लिए मैं सभापति महोदय को धन्यवाद देता हूं ।

महोदय, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, जब हमलोग सुनते थे कि कला, संस्कृति और युवा विभाग का आज कुछ होने वाला है, लोग जानते नहीं थे कि कला, संस्कृति एवं युवा विभाग बिहार में आखिर क्या कर रहा है ? सभापति महोदय, जब आदरणीय श्री नीतीश कुमार, माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में लालू प्रसाद यादव जी के नेतृत्व में जब सत्ता पर काबिज हुए तो कला संस्कृति युवा विभाग बिहार प्रदेश में एक ऐसे विभाग के रूप में परिणत हुआ है जिस विभाग को लेने के लिए कई एक माननीय मंत्री चाहते थे कि हमको दे दें, हमको दे दें ।

महोदय, कला संस्कृति विभाग, युवा विभाग आज बिहार में श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में, लालू यादव जी के नेतृत्व में जो महामहिम राज्यपाल के द्वारा बजट आया

है, उस बजट से पता चलता है कि इस बजट में, इस विभाग का नया जन्म हुआ है । जन्म कहां से हुआ है ? आप देखने का काम करते होंगे कि कला में बिहार में क्या हो रहा था, संस्कृति विलुप्त हो रहा था । युवा मरहूम हो रहे थे । आखिर क्या ऐसा हुआ महोदय कि कला-संस्कृति का अजूबा दृश्य सामने आया ? महामहिम राज्यपाल महोदय जी अपने अभिभाषण में कह रहे थे कि राजगीर में स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा 90 एकड़ के रकबा में और वहां पर फिल्म सिटी बनाया जाएगा । तो खेल के लिए भी और फिल्म के लिए भी, युवाओं के लिए भी हम कहना चाहते हैं जो सार्थक प्रयास किए गए हैं, चाहे धरोहर का मामला हो, संस्कृति का मामला हो, उस क्षेत्र में बिहार का जो स्थापना दिवस मनाया गया था, उसमें कुछ दिखाया जा रहा था । भारत जब आजाद हुआ था और आजादी के बाद और आजादी के पहले का दृश्य हमलोग देखने का काम करें, तो इसकी संस्कृति विलुप्त होते नजर आ रही थी । ऐसा क्या कारण था ? सभापति महोदय, आज महागठबंधन के नेतृत्व में कला संस्कृति विभाग में जो आमूल परिवर्त्तन हुआ है, चाहे कला के क्षेत्र में, चाहे संस्कृति के क्षेत्र में, चाहे युवाओं को खेल के रूप में बढ़ाने के क्षेत्र में एक अभूतपूर्व परिवर्त्तन है महोदय । महोदय, माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में बिहार में चाहे राजगीर नालन्दा विश्वविद्यालय का सवाल हो, चाहे तेलहारा की मैं चर्चा करना चाहता हूं । तेलहारा तिलाभी विश्वविद्यालय जो नालन्दा से भी साढ़े चार सौ वर्ष पुराना है महोदय, मैं उसकी चर्चा किए वगैर नहीं रहूंगा। महोदय, यह साढ़े चार सौ वर्ष पुराना कहा जाता है । उसका जो इतिहास है कि वह विश्वविद्यालय, पहले प्रारंभिक की पढ़ाई नालन्दा विश्वविद्यालय में होता था और जब वहां से पढ़-लिखकर लोग जब बड़े हो जाते थे, उच्च शिक्षा प्राप्त करने की बात होती थी तो तिलाधि विश्वविद्यालय, तेलहारा में उसकी पढ़ाई होती थी । महोदय, तिलाधि विश्वविद्यालय को तहस-नहस कर दिया गया । उसके अवशेष समाप्त आज पड़े हुए हैं। माननीय मुख्यमंत्रीजी के नेतृत्व में, जब मुख्यमंत्री जी थे तो 2009 में, चूंकि यह क्षेत्र मेरे क्षेत्र में पड़ता है महोदय, उन्होंने वहां जाकर निरीक्षण करने का काम किया और निरीक्षण करने के उपरांत उन्होंने जो पाया, उस तेलहारा की धरती को अपने हाथों से 2009 में शुभारंभ करने का काम किया महोदय । यह मैं आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं महोदय । महोदय, 2009 से लेकर पांच वर्षो तक उसका खुदाई चलते रहा । जब उसका खुदाई गर्भ गृह तक पहुंचने वाला था तो भारत की सरकार ने आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार में, महोदय, आप जानते होंगे, हम आपके माध्यम से मंत्री जी को भी कहना चाहते हैं कि इसकी स्वीकृति भारत सरकार से मिलता है महोदय । हम कहना चाहते हैं इस सदन के माध्यम से भाजपा भाइयों से कि एक कलम से लिखने में क्या बिगड़ जाता था भारत सरकार को । उन्होंने तेल्हारा को पांच वर्ष खुदाई होने के बाद उसको रोकने का काम किया । आज खुदाई दो वर्ष से बंद है महोदय । हम इस सदन

के माध्यम से मांग करना चाहते हैं कि माननीय मंत्रीजी तेल्हारा की खुदाई पुनः शुरू किया जाए चूंकि गर्भ गृह तक पहुँच गया है महोदय । महोदय, तेल्हारा विश्वविद्यालय नालन्दा के विश्वविद्यालय के तर्ज पर माननीय मुख्यमंत्री जी राजगीर में भी माननीय राष्ट्रपति जी से स्थापना करने की बात उठाई थी ।

महोदय, हम कहना चाहते हैं कि कला के क्षेत्र में, संस्कृति के क्षेत्र में, इस्लामपुर के बगल में आत्मा है महोदय, आत्मा ऐसा धरती है जहां पर उसका भी पुरातत्व का अवशेष मिला है । हम आपके माध्यम से कहना चाहते हैं माननीय मंत्री महोदय को, माननीय मंत्री जिनको कुर्त्ता-पैजामा पहना कर अभी भाजपा में बैठते हैं, वे गए थे लेकिन वे देखते-देखते कुछ वहां पर छात्राएं आ गईं तो कही कि गाना सुनाइए न! मंत्री जी गाना सुनाने में अपने गाना गाने लगे । जब गाना गाते-गाते समय उनका खतम हो गया, अभी वो उपस्थित नहीं हैं । सारा खेला-धराया वहीं रह गया महोदय । इसलिए हम वर्त्तमान मंत्री महोदय से आग्रह कहना चाहते हैं कि उस तेल्हार और आत्मा की धरती, जो पुरातत्व से जुड़ा हुआ है, राजगीर के बगल में है और इस्लामपुर से 15 कि0मी0 की दूरी पर अवस्थित है, वहां पर कई एक तालाब हैं, 9 मीटर ऊंचा अवशेष है । उसको भी कला, संस्कृति विभाग से जोड़कर के हम आपको बधाई देना चाहेंगे कि आपने ...क्रमशः

टर्न : 13 /कृष्ण/24.03.2017

श्री चन्दसेन प्रसाद (क्रमश :) महागठबंधन की सरकार बनी, आत्मा की घेराबंदी करने का काम किया गया ।

सभापति(डा0अशोक कुमार) : आप एक मिनट में समाप्त करें ।

श्री चन्द्रसेन प्रसाद : इसलिए हम बधाई देना चाहते हैं इस सरकार को कि बेसलख जैसे धरती को, बेसलख भी इस्लामपुर के बगल में पड़ता है । रूक्मीणी जो भगवान कृष्ण की पत्नी थी, उन्होंने बेसलख में रहने का काम किया था । महोदय, हम बताना चाहते हैं कि जो कंडलपुर है, उसकी राजधानी बेसलख थी और बेसलख की भी बाउंडरी करने का काम किया गया । बेसलख की धरती उसी संस्कृति से जुड़ा हुआ है । हम माननीय मंत्री जी से आग्रह करेंगे कि बेसलख का जो जीर्णोद्धार का काम बचा हुआ है, उसको पूरा करने का काम किया जाय ।

सभापति(डा0अशोक कुमार) : आप समाप्त कीजिये ।

श्री चन्द्रसेन प्रसाद : महोदय, समय को देखते हुये हम अपने नेता और बिहार के माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश बाबु जी को और श्री लालू प्रसाद यादव जी का, सोनियां गांधी जी को बधाई देते हैं कि संस्कृति विभाग को आप ने जिस तरह से रचानत्मक कार्यों की ओर ले जाने का काम किया है, इसके लिये हम आपको बधाई देते हैं ।

सभापति(डा0अशोक कुमार) : आप अपना स्थान ग्रहण करें ।

श्री चन्द्रसेन प्रसाद : बिहार में एक प्रखंड में एक स्टेडियम निर्माण करने की जो बात कही गयी है हम माननीय मंत्री महोदय से कहना चाहते हैं और इस ओर आप का ध्यान आकृष्ट करना चाहते हैं कि वैसे प्रखंड जहां मैदान तो है लेकिन 5 मीटर घट रहा है, 6 मीटर घट रहा है, हम मंत्री जी से आग्रह करेंगे कि सरकार उस का अधिग्रहण कर के बिहार के सभी प्रखंडों में स्टेडियम का निर्माण करायें । इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं । जय हिंद ।

श्री तारकिशोर प्रसाद : सभापति महोदय, आज युवा, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के अनुदान मांग पर विपक्ष की ओर से प्रस्तुत किये गये कटौती प्रस्ताव के पक्ष में बोलने के लिये खड़ा हुआ हूं ।

महोदय, दिवाली यूं ही नहीं मन गयी,
दीया को रात भर जलना पड़ा है ।

जब जिंदा कौम अपने पुरखों को याद करती है और अपने संस्कृति, धरोहरों को बचाने का प्रयास करती है, उसका स्मरण करती है तो वही देश, वही राष्ट्र प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता है । मुझे अफसोस है पिछले वर्ष 2016-17 में बजटीय प्रावधान जो हुआ था, वित्तीय वर्ष समाप्ति की ओर है, मात्र 29 परसेंट राशि सरकार खर्च कर पायी । महोदय, यह एक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है । महोदय, हम भी इस सूबे में एन0डी0ए0 सरकार के रूप में शासन चलाने का काम किया । बहन श्रीमती रेणू देवी, श्रीमती बहन सुखदा पाण्डे जी के नेतृत्व में इस विभाग को सजाने, संवारने का काम किया था, जिस से बिहार कहीं न कहीं अन्तरराष्ट्रीय फलक पर दिखने का काम करता था । लेकिन दुर्भाग्य है कि इतने बजटीय प्रावधान के बावजूद लगता है कि बिहार कहीं न कहीं ठहर गया । मैं माननीय मंत्री जी को दोष नहीं देता, हमारे अच्छे मित्र हैं, लेकिन ठहराव कहीं न कहीं राजनीतिक दृष्टि से जो बेमेल गठबंधन है, वह लग रहा है कि इसके पीछे एक भूमिका बन गयी है । लेकिन मैं इसके विस्तार में नहीं जाता । जो कुछ समय है, उसमें मैं कुछ अच्छे सुझाव देना चाहता हूं ।

महोदय, झारखंड हमलोगों से अलग हो कर एक राज्य का आकार लिया, आज वहां अन्तरराष्ट्रीय स्तर का मैच का आयोजन हो रहा है, आज भी मैच चल रहा है।

(व्यवधान)

चुप हो जाईये । हम सब के लिये बोल रहे हैं । पूरे बिहार के लिये बोल रहे हैं । चुप हो जााईये । आग्रह है सभापति महोदय । हम आप की भी बात करेंगे ।

सभापति(डा0अशोक कुमार) : आप अपना भाषण जारी रखें ।

श्री तारकिशोर प्रसाद : महोदय, आज हम बिहार स्थापना दिवस मना रहे हैं । आज उसकी समाप्ति भी है । लेकिन दुर्भाग्य है कि आज हम अपने इस बिहार में एक अन्तर्राष्ट्रीय मैच का आयोजन नहीं कर सकते हैं । दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति से माननीय मंत्री जी हम सबों को उबरने की जरूरत है । हमें उबरने की जरूरत है कि बिहार में जो कसबाई स्तर पर हमारे होनहार खेल के खिलाडी हैं, हमारे बच्चे हैं, छात्र हैं, नौजवान हैं, उन्हें हम प्रखंड स्तर पर, जिला स्तर पर हम संवर्द्धन का काम नहीं करेंगे तो केवल आप पटना में खेल के मैदान को संवार कर आप बेहतर परिणाम नहीं ले सकते हैं । आप अच्छे आयोजन कर सकते हैं । लेकिन आप के राज्य के बेहतर खिलाड़ी ऊभर कर खेल की दुनियां के फलक पर नहीं जायेंगे तब तक आप खेल के क्षेत्र में बहुत अच्छा परिणाम नहीं ला सकते हैं । महोदय, हम आपके माध्यम से कहना चाहते हैं कि आप ने निर्णय लिया कि प्रमंडल स्तर पर इनडोर स्टेडियम और प्रेक्षागृह का निर्माण करेंगे । माननीय मंत्री जी हम चाहेंगे कि आप अपने जवाब में बतायें कि मात्र तीन प्रमंडलों में ही आप इस आधारभूत संरचना के निर्माण की दिशा में आगे बढें हैं लेकिन वह भी अधूरा है । जबतक कि आप सभी जिलों में इनडोर स्टेडियम का निर्माण, सभी प्रखंडों में खेल स्टेडियम का निर्माण आप नहीं करते तो जो अन्तरराष्ट्रीय मानक है, जो राष्ट्रीय मानक है, उसमें ऊभरते खिलाड़ी उस मानक के आधार पर अपने खेल का प्रदर्शन नहीं करेंगे, प्रशिक्षण नहीं लेंगे तब तक अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय आयोजन में आप के खिलाड़ी सफल नहीं हो सकते हैं । हम आप से कहना चहाते हैं कि राज्य के प्रतिभावान खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिये आप जिला स्तर पर प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना का प्रयास करें । बिहार के जो परम्परागत खेल - खोखो है, कब्बडी है और भी जो इस तरह के कई खेल हैं, उस को आप प्रोत्साहित करें । महोदय, ग्रामीण क्षेत्रों में हमने देखा, हम अपने क्षेत्र मे, अपने जिले में देखा है कि अनुसूचित जनजाति समाज के जो नौजवान हैं वह फुटबॉल के क्षेत्र में काफी आगे हैं । उनको आप प्रोत्साहित कीजिये उसका एक अच्छा परिणाम आयेगा ।

सभापति महोदय, सबसे दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि इस विभाग का अपना कोई प्रशासनिक ढांचा ही नहीं है । सिर्फ राज्य स्तर पर पटना में इनका ढांचा है अन्यथा 6-7 जिलों पर एक खेल पदाधिकारी हैं वे भी सेवा निवृत्ति के कगार पर हैं उनसे आप खेल के क्षेत्र में बहुत आमूल-चूल परिवर्त्तन की अपेक्षा नहीं कर सकते हैं । आप जबतक कि प्रशासनिक ढांचा कम से कम जिला स्तर पर भी आप का नेट वर्क नहीं बनेगा, खेल मंत्री जी, आप खेल को बहुत प्रोत्साहित आप पटना से बैठ कर नहीं कर सकते हैं । इसके लिये जो बजटीय प्रावधान है, उस में आप को उपाय ढूंढना पडेगा । आप के विभाग में कला शब्द का भी प्रयोग है । कला के विभिन्न आयाम हैं -चित्रकारी हैं, नृत्य हैं, संगीत है और भी कई ऐसे आयाम हैं जहां इतने बड़े कला, इतने

बड़े कैनवास पर अगर आप चाहें उस पर चित्र उकेरे जा सकते हैं । लेकिन उसके लिये आप में संकल्प शक्ति का अभाव है । उस के लिये आप को प्रशिक्षण केन्द्र बनाना पड़ेगा । आप को वैसा प्रशिक्षण केन्द्र बनाना पड़ेगा, जहां के जो विभिन्न डायमेंसन्स हैं उस के लिये अलग-अलग प्रशिक्षक हों और उस के लिये वहां प्रमोट करें । माननीय मंत्री जी, आप को प्रयास करने की आवश्यकता है । अभी हमार`वरीय साथी माननीय अरूण जी चर्चा कर रहे थे कि ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय,दरभंगा में हजारो पाण्डुलिपियां जो हमारी विरासत है, जो धरोहर है लेकिन हम उसको बचा नहीं पा रहे हैं । उसे बचाने की जरूरत है, उसे संरक्षित करने की जरूरत है । हमने कई बार देखा है, अखबारों के पन्नों में आप को मिल जायेंगे कि कई जगह पुरातत्व या खनन से निकले हुये पत्थर, मूर्त्तियां जो हमारा धरोहर है, वे बिखरे पड़े हैं, उसकी पूजा हो रही है लेकिन उन्हें संरक्षित नहीं की जा रही है ।

सभापति(डा0अशोक कुमार) : एक मिनट में समाप्त कीजिये ।

श्री तारकिशोर प्रसाद : महोदय, उनको संरक्षित करने का सरकार प्रयास करे । एक और सुझाव देना चाहेंगे कि मुख्य मंत्री क्षेत्र विकास योजना में खेल के लिये आप ने एक लाख का प्रावधान किया है, विधायक कोष में जबतक अनुशंसा की हमें शक्ति थी, हमने लगातार अपने क्षेत्र में विभिन्न खेलों के लिये इन्स्ट्रूमेंट्स देने का काम किया । इस राशि को बढ़ाकर योजना एवं विकास विभाग से आप तालमेल कर के उसे 5 लाख करायें तो ज्यादा बेहतर होगा ।

महोदय, हम कटिहार की कुछ बातें करना चाहते हैं । कटिहार में इनडोर स्टेडियम के लिये कई बार प्रयास किया, जमीन का प्रतिवेदन भी यहां आ कर धूल चाट रहा है ।

क्रमश :

टर्न-14/राजेश/24.3.17

श्री तारकिशोर प्रसाद : क्रमश:... संयोग से आपके विभाग के जो प्रधान सचिव है, वे हमारे यहॉ जिला पदाधिकारी भी रही है और यहॉ बैठी हुई भी है, हम भी उनसे आग्रह करेंगे कि आप इनडोर स्टेडियम की राशि जल्द से जल्द वहॉ भेजे । सभापति महोदय, कटिहार में एक राजेन्द्र स्टेडियम खुला, वह खेल का मैदान है, उसमें बहन सुखदा पांडे जी ने 10 लाख रुपये की राशि दी थी उसके उन्नयन के लिए, फिर भी उसकी सारी सीटें खत्म हो गयी है, इसलिए उसके उन्नयन के लिए भी आप राशि दें क्योंकि वह एक ऐतिहासिक राजेन्द्र स्टेडियम हमारे यहॉ अवस्थित है । महोदय, फुटबौल के खेल के प्रशिक्षण के लिए आपने वादा किया था कि साई के इकाई का गठन कटिहार में होगा लेकिन उस दिशा में आपका प्रयास अभी तक झलक नहीं रहा है, वह झलकना चाहिए

क्योंकि यह वित्तीय वर्ष समाप्ति पर है । कटिहार जिला के सभी प्रखंड मुख्यालयों में खेल मैदान का निर्माण निश्चित रुप से हो, तो कटिहार खेल के क्षेत्र में पूर्वोत्तर बिहार में यह काफी अग्रणी रहा है, कटिहार काफी पुराना शहर रहा है, इसलिए एक महोत्सव का आयोजन कटिहार में हो, जब श्रीमती हरजोर कौर जी जिला पदाधिकारी वहाँ थी, तो हमलोगों ने कटिहार महोत्सव बहुत ही उल्लास से और बहुत ही उत्साह से किया था, उसकी पुनरावृति वहाँ हो । अंत में मैं एक बात कहना चाहूंगा कि हमारे कटिहार जिला के कुर्सेला प्रखंड में गाँधी घर अवस्थित है, वहाँ गाँधी जी 10 अप्रैल, 1934 को आये थे और उनके पार्थिव भस्म का विसर्जन गंगा और कोशी के संगम पर 12 फरवरी, 1948 को हुआ था, उसके उन्नयन के लिए भी आप धन का प्रबंधन करें, यह मेरा आग्रह है । कटिहार में तीन प्राचीन मंदिर है, गोरखनाथ मंदिर आजमनगर प्रखंड में, डंडखोरा प्रखंड में शिव मंदिर और हसनगंज प्रखंड के भारीडीह में शिव मंदिर सैकड़ों वर्षों से अवस्थित है, उसके विकास के लिए और उसके उन्नयन के लिए भी राशि उपलब्ध कराये..............

(व्यवधान)

सभापति (डा0 अशोक कुमार): अब आप समाप्त करें ।

श्री तारकिशोर प्रसाद: एक मिनट सर । अंत में, मैं अपने मित्र मंत्री जी से आग्रह करेंगे कि कटिहार को आप विशेष रुप से देखे, कटिहार आपको देख रहा है, कटिहार कहीं न कहीं सरकार पर भरोसा करें या नहीं करें लेकिन आप पर भरोसा कर रहा है । धन्यवाद ।

सभापति (डा0 अशोक कुमार): माननीय सदस्या श्रीमती पूर्णिमा यादव ।

श्रीमती पूर्णिमा यादव: सम्मानित सभापति महोदय, आज सदन में कला, संस्कृति, खेल और पंचायती राज विभाग का जो बजट पेश हुआ है, मैं उसके समर्थन में बोलने के लिए खड़ी हुई हूँ । सभापति महोदय, गाँवों के विकास किये बिना देश के विकास की कल्पना नहीं की जा सकती है । हमारे देश के गाँवों के सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक क्षेत्रों में पंचायतों की महत्वपूर्ण भूमिका है । पंचायत ही लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधारभूत इकाई है, पंचायती राज व्यवस्था के माध्यम से ही लोकतांत्रिक व्यवस्था, सत्ता विकेन्द्रीकरण एवं ग्रामीणों की सहभागिता को सुनिश्चित करके ग्रामीण विकास के अभिष्ट लक्ष्य को प्राप्त करना संभव है । अत: ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज को एक ही सिक्के के दो पहलू कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा । राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने भी पंचायतों के महत्व को स्वीकार करते हुए उचित ही कहा था कि सच्चा लोकतंत्र वही है, जो निचले स्तर पर लोगों की भागीदारी पर आधारित हो, यह तभी संभव है जब गाँव में रहने वाले आम आदमी को भी शासन के बारे में फैसला करने का अधिकार मिले । हमारे देश के प्रथम प्रधानमंत्री श्री जवाहर लाल नेहरु ने कहा था कि यदि हमारी स्वाधीनता को जनता की आवाज की प्रतिध्वनि बनना है, तो पंचायतों को जितनी अधिक शक्ति मिले, जनता के

लिए उतना ही लाभदायक है । राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी ने भी पंचायतों की पुरजोर वकालत करते हुए स्पष्ट रुप से कहा था कि निचले स्तर पर पंचायतों को रखना होगा अन्यथा उच्च और मध्यम का तंत्र गिर जायेगा, इसी स्वप्न को साकार रुप प्रदान करते हुए स्वर्गीय प्रधानमंत्री राजीव गॉधी जी ने पंचायती राज व्यवस्था को न केवल जीवित किया बल्कि स्थायित्व प्रदान करने का भी प्रयास किया, पंचायती राज व्यवस्था ग्रामीण समाज की रीढ़ है, वर्तमान में पंचायती राज व्यवस्था ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक न्याय एवं आर्थिक विकास की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है । पंचायती राज व्यवस्था का मूलभूत लक्ष्य यही है कि गॉवों से पुरानी व्यवस्था को परिवर्तित कर एक ऐसे समतामूलक समाज की रचना की जाय, जिसमें असमानता, अन्याय एवं शोषण की लकीरें विद्यमान नहीं हो, समाज के सभी जाति, वर्ग, महिला, पुरुष एवं बालकों के अधिकार संरक्षित एवं सुरक्षित करने की व्यवस्था हो सके । महिला सशक्तिकरण में पंचायत की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है, त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था में पहले 33 प्रतिशत आरक्षण दिया गया लेकिन 2005 में आदरणीय विकास पुरुष श्री नीतीश कुमार जी की सरकार बनी, तब उन्होंने इसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया, अब स्थिति यह है कि पंचायतों में महिलाओं के सक्रिय भागीदारी से उनकी आत्मनिर्भरता भी बढ़ी है, उनमें जागरुकता आयी है और वे छोटे-छोटे स्वयं सहायता समूह के जरिये स्वरोजगार अपना रही हैं और राज्य के विकास में अपना सहयोग दे रही हैं । इस प्रकार यह कहना गलत नहीं होगा कि पंचायतों से ही महिलाओं के राजनीतिक एवं सशक्तिकरण अभियान को गति मिली है और आज संसद में उन्हें 33 प्रतिशत आरक्षण देने की बात हो रही है । बिहार पंचायत राज अधिनियम 2006 के अधीन पंचायतों को कई वैधानिक कर्तव्य एवं दायित्व सौंपे गये हैं, मसलन आर्थिक विकास एवं सामाजिक न्याय से संबंधित योजनाओं का क्रियान्वयन, तो उन्हें करना ही है, साथ ही वार्ड सभा, ग्राम सभा वार्ड स्तर पर निगरानी समितियों का गठन, स्थायी समितियों का गठन, जिला योजना समिति का गठन भी पंचायतों को ही करना है, इसके क्रियान्वयन के पश्चात् पंचायत के कार्यो में पारदर्शिता आयेगी और जन सामान्य के मन में पंचायती राज संस्थाओं के प्रति विश्वास भी पैदा होगा । राज्य सरकार पंचायतों को ज्यादा से ज्यादा अधिकार देने के पक्ष में है, वर्तमान में उसमें भी विस्तार हुआ है, किन्तु अधिकार तभी सार्थक होते हैं, जब हम उसके कर्तव्यों को सही ढंग से पूरा करते हैं, अगले पॉच वर्षों में प्रत्येक पंचायतों में एक पंचायत भवन के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है, 7 निश्चय योजना का जिक्र करते हुए मैं दो शब्द माननीय मुख्यमंत्री जी के लिए कहना चाहती हूँ कि:

'संघर्ष में आदमी अकेला होता है,सफलता में दुनिया उसके साथ होती है,
जिस-जिस पर यह जग हॅसा है, उसी ने इतिहास रचा है ।''

सभापति महोदय, विकसित बिहार बनाने के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी ने 7 निश्चय का जो रोडमैप बनाया है, उससे पंचायतों के आधारभूत संरचना के विकास में एक नयी क्रांति आयी है, गॉव में जहॉ सदियों से एक ईट भी नहीं लगी थी, वहीं इस योजना के तहत सभी सम्पर्क विहीन बसावटों को पक्की सड़क से जोड़कर, पक्की गली एवं नाली का निर्माण कराया जा रहा है, गॉव एवं शहर के लोगों को पाईपलाईन योजना के तहत नल से शुद्व जल उपलब्ध कराया जा रहा है, लोहिया स्वच्छता अभियान के तहत राज्य के वातावरण को स्वच्छ एवं निर्मल बनाने के लिए घर-घर शौचालय के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है, यह 2018 तक बिहार के सभी प्रखंडों के सभी टोलों में बिजली पहुॅचाने का कार्य लगभग पूर्ण कर लिया जायेगा । ग्रामीण स्तरों पर विवादों का निबटारा एवं पंचायत क्षेत्र में अमन-चैन कायम करने में ग्राम कचहरी की बड़ी भूमिका होती है, पिछले वर्ष 2016 में बिहार सरकार ने राज्य में पूर्ण शराबबंदी का कानून लागू कर जो ऐतिहासिक फैसला लिया, उसकी सराहना देश में ही नहीं बल्कि दुनिया में हो रही है, राज्य को नशामुक्त बनाने में बिहार देश का पहला राज्य है, इसका अनुकरण अन्य राज्य को भी करना चाहिए, इसके बहुत ही सकारात्मक परिणाम आये हैं, सब जगह शांति एवं सद्भाव का माहौल कायम हुआ है, विपक्ष में बैठे माननीय सदस्यों का तो काम ही है सरकार को आईना दिखलाना, लेकिन उससे भी बड़ी बात यह है कि यदि सरकार सराहनीय कार्य कर रही है, तो उसकी प्रशंसा भी आपको करनी चाहिए । महोदय, मैं दो शब्द इनके लिए भी कहना चाहती हूॅ कि:

''ना इतराओ इतना बुलंदियों को छूकर, वक्त के सिकंदर पहले भी कई हुए हैं,
जहॉ होते थे कभी शहंशाह के महल,देखे हैं अब वहीं उनके मकबरे बने हुए हैं।''

बिहार में फिल्म सेंसर बोर्ड का गठन किया गया है जैसे कि अन्य राज्यों में दिल्ली, कलकत्ता, मुम्बई आदि शहरों में है, जिससे कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लोगों की अभिरुचि बढ़े और युवाओं को मौका मिले, क्रिकेट बोर्ड का गठन हुआ है, इससे युवाओं में काफी उत्साह है, इसके लिए भी मैं सरकार को धन्यवाद देती हूॅ ।

अंत में मैं कहना चाहती हूॅ पंचायतों के विकास से ही अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का विकास संभव है, इतना कहकर मैं अपनी बात को समाप्त करती हूॅ और सदन के प्रति आभार व्यक्त करती हूॅ कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया । धन्यवाद ।

सभापति (डा0 अशोक कुमार): माननीय सदस्य श्री सुनील कुमार ।

टर्न-15/सत्येन्द्र/24-3-17

श्री सुनील कुमार: माननीय सभापति महोदय, आज मैं कला संस्कृति एवं युवा विभाग द्वारा रखे गये अनुदान मांग के पक्ष में और विपक्ष द्वारा लाये गये कटौती प्रस्ताव के विपक्ष में

बोलने के लिए खड़ा हुआ हूॅ । महोदय, आज मुझे अपना विचार रखने के लिए जो आपने समय दिया है इसके लिए मैं आपका बहुत बहुत आभार प्रकट करता हूॅ । महोदय, मैं आभार प्रकट करना चाहता हूॅ गरीबों के नेता, जन जन के नेता, गरीबों पिछड़ों दलितों की आवाज परम आदरणीय लालू प्रसाद यादव जी का महोदय, मैं बिहार के माननीय मुख्यमंत्री परम आदरणीय नीतीश कुमार जी का भी आभार प्रकट करना चाहता हूॅ । मैं आभार प्रकट करना चाहता हूॅ अपने युवा साथी और बिहार के माननीय उप मुख्यमंत्री साथी तेजस्वी प्रसाद यादव जी का महोदय । महोदय, मैं आभार प्रकट करना चाहता हूॅ बिहार सरकार के कला संस्कृति मंत्री शिवचन्द्र राम जी का महोदय और अपने दल के उप मुख्य सचेतक श्री ललित यादव जी का भी आभार प्रकट करना चाहता हूॅ कि उन्होंने बोलने का मुझे अवसर प्रदान किया है । महोदय, कला संस्कृति विभाग एक बहुत ही महत्वपूर्ण विभाग है वह अपने देश की, राज्य की जो हमारी सांस्कृतिक धरोहर विरासत है उसको संरक्षित करने, उनको सही तरीके से रखने की व्यवस्था करता है, इस हिसाब से कला संस्कृति विभाग बिहार में बहुत ही अच्छा काम कर रहा है । महोदय, कला संस्कृति विभाग हमारे आने वाली पीढ़ी को गौरवशाली इतिहास से परिचत कराता है और उससे सीख लेने की प्रेरणा देता है । महोदय, बिहार का एक गौरवशाली इतिहास रहा है । बिहार में चन्द्रगुप्त, डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद, लोक नायक जय प्रकाश नारायण, कर्पूरी ठाकुर जैसे विभूति पैदा हुए हैं और हमारे कला संस्कृति विभाग इन सभी को संरक्षित कर और नई पीढ़ियों को इसकी जानकारी देकर के उसका अनुसरण करने की सीख देता है महोदय और इसके लिए मैं कला संस्कृति विभाग को बहुत-बहुत बधाई देता हूॅ । महोदय, अभी हमारे विपक्ष के साथी भारतीय जनता पार्टी के साथी कह रहे थे कि कला संस्कृति विभाग कुछ नहीं किया। आप तो अपने जो पूर्वज हैं उनके भी सपना को चकनाचुर करने का काम किया है । हम इस सदन के माध्यम से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी को नमस्कार करना, प्रणाम करना चाहता हूॅ और ग्रामीण भारत की तरफ से उनका आभार प्रकट करते हैं। महोदय, उनके द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए जो प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जो सबसे महत्वपूर्ण योजना लायी गयी थी जिसके द्वारा गांव गांव में सड़क बनायी जा रही थी उसमें 90 प्रतिशत राशि भारत सरकार देती थी और 10 प्रतिशत राशि राज्य सरकार को देना पड़ता था महोदय और आप सांस्कृतिक की बात करते हैं, आपकी सरकार आयी तो आपने इसको खत्म कर दिया एक तरह से बुझिये प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना को खत्म कर दिया गया है महोदय, आपने तो शर्त्त लगा दिया है कि अब हम 60 देंगे 40 राज्य सरकार को देना है महोदय । मैं एक उदाहरण देकर अपनी बात को कहना चाहता हूॅ, मैं अपने गांव में चला जाऊं और किसी को कहूं जो आदमी हमसे मदद मांगने आता है सहायता मांगने आता है महोदय और वह हमसे कहें कि आप हमारी सहायता कीजिये

और मैं उसको कहूं कि जाओ तुम अपने घर से पहले 1 लाख रू0 ले आओ और तब हम तुमको पांच लाख देंगे महोदय तो उस गरीब आदमी के पास न एक लाख रू0 होगा न हम पांच लाख देंगे । इसी होशियारी से केन्द्र सरकार ने काम किया है, 60:40 का लगा दिया है फेरा, कि अब गरीब राज्य जो है उसके यहां सड़कें नहीं बनेंगी महोदय। आज से दो तीन साल पहले तक गांव गांव में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की इतनी सड़कें बन रही थी वह आज के समय में गायब हो गया, नदारत हो गया है महोदय । यही हाल इन्होंने अभी जो विद्युतीकरण योजना है उसके लिए भी किया है महोदय, इसमें भी उन्होंने पहले जो योजना थी राजीव गांधी विद्युतीकरण योजना उसमें 10 प्रतिशत पैसा मात्र राज्य सरकार को देना पड़ता था और अब उसमें राज्यांश बढ़ा दिया गया है अब 40 प्रतिशत राज्य सरकार को और 60 प्रतिशत भारत सरकार देगी । आप देश को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं, मैं भारतीय जनता पार्टी के लोगों से पूछना चाहता हूँ आखिर आप देश को कहां ले जाना चाह रहे हैं? आपने प्रारंभिक शिक्षा के बजट में 25 प्रतिशत की कटौती करने का काम किया है महोदय, आपने स्वास्थ्य के क्षेत्र में बजट में 15 प्रतिशत की कटौती करने का प्रावधान किया है महोदय, आप कैसे गरीब जनता को आम सुविधा मुहैय्या करायेंगे । क्या आपकी सोच है, क्या आपका विजन है महोदय, आप सिर्फ बुलेट ट्रेन की बात करते हैं महोदय , बुलेट ट्रेन की बात करते हैं । मैं आपको एक उदाहरण बतलाता हूँ अपने क्षेत्र का महोदय, अपने जिला शिवहर का यह जिला है जो रेल से नहीं जुड़ा हुआ है और माननीय लालू यादव जी के समय के स्वीकृत योजना है बापू ग्राम से शिवहर होते हुए सीतामढ़ी तक रेल लाईन का काम, इस बार के बजट में उस योजना में 1 करोड़ दिया गया है महोदय, 1 करोड़ रू0 दिया गया है रेल के परियोजना में महोदय अब कैसे काम होगा वह जरा सोचने की जरूरत है, इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है महोदय । महोदय, आज कला संस्कृति युवा विभाग ने बहुत सारे विकासात्मक कार्य किया है । राज्य के प्रत्येक प्रमंडलीय जिला मुख्यालय में 600 क्षमतायुक्त आदर्श प्रेक्षा गृह सह आर्ट गैलरी के निर्माण के योजना के तहत भवन निर्माण कराना जिसके अन्तर्गत दरभंगा एवं सहरसा प्रमंडलीय जिला मुख्यालय में प्रेक्षागृह सह आर्ट गैलरी निर्माण की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गयी है । राज्य में पूर्व से अवस्थित स्टेडियमों का जीर्णोद्धार कर खिलाड़ियों के खेलने के उपयुक्त बनाया जा रहा है महोदय, पटना स्थित मोईनुल हक स्टेडियम के जीर्णोद्धार का कार्य भी प्रक्रियाधीन है । मुख्यमंत्री खेल विकास योजना अन्तर्गत राज्य के सभी 534 प्रखंडों में आउटडोर स्टेडियम निर्माण की योजना है जिसमें अबतक 239 स्टेडियमों में निर्माण की स्वीकृति दी जा चुकी है एवं 80 स्टेडियमों के निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है महोदय। महोदय, राज्य के खिलाड़ियों को खेल संबंधी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु आवश्यकतानुसार व्यायामशालाओं, जीम के निर्माण की योजना है । ग्रामीण क्षेत्रों में

खासकर के बिहार संग्रहालय बेली रोड,पटना के भवन निर्माण का लगभग काम अंतिम चरण में है और बाकी उसका कुछ विभाग जैसे चिल्ड्रेन गैलरी, ओरियेंटेशन गैलरी, प्रि-सीथियोटर दर्शकों के लिए खोल दिया गया है महोदय । महोदय, लोक नायक जयप्रकाश नारायण के पैतृक गांव सिताव दियारा में पुस्तकालय सह स्मृति भवन के निर्माण हेतु 5.35 एकड़ भूमि का भू-अर्जन किया जा चुका है । वैशाली में बुद्ध स्मारक सम्यक् सह दर्शक संग्रहालय एवं स्मृति स्तूप के निर्माण हेतु वैशाली में 72.23 एकड़ भू-अर्जन की कार्रवाई जिला पदाधिकारी, वैशाली के माध्यम से किया जा चुका है । परियोजना हेतु मुख्य योजना परामर्शी का चयन किया जा चुका है, निर्माण कार्य हेतु नक्शा परामर्शी द्वारा अनुमोदन हेतु भवन निर्माण विभाग को समर्पित किया गया है । महोदय, खेलों के माध्यम से युवाओं का सर्वांगीण विकास एवं अन्तर्राष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ी तैयार करना छात्र एवं युवा कल्याण निदेशालय का मुख्य उद्देश्य है। अंत में महोदय, माननीय मंत्री जी को हम अपने क्षेत्र की कुछ समस्याओं से अवगत कराना चाहते है ।

सभापति(डॉ0 अशोक कुमार): एक मिनट में करा दीजिये जल्दी से ।

श्री सुनील कुमार: महोदय, त्रेता युग में महोदय..

सभापति(डॉ0 अशोक कुमार) आप समस्याएं सीधे बतलाईए ।

श्री सुनील कुमार: बतला रहे हैं सर, समस्या ही बतला रहे हैं । मिथिला के राजा जनक के राज में जब अकाल पड़ा । (क्रमशः)

टर्न-16/मधुप/24.03.2017

..क्रमशः...

श्री सुनील कुमार : महोदय, जब उनके राज में अकाल पड़ा तो उनको ऋषि-मुनियों ने सलाह दिया कि जब राजा हल चलायेंगे तब वर्षा होगी और राज्य में खुशहाली आयेगी । महोदय, उन्होंने जब हल चलाना शुरू किया, वह जगह हमारे सीतामढ़ी विधान सभा क्षेत्र के हलेश्वर स्थान में पड़ता है और माता सीता का जन्म पुनौरा धाम में हुआ है । दोनों जगह का अभी तक पूर्णरूप से विकास नहीं हुआ है । जितना महत्वपूर्ण वह जगह है, राजा जनक ने जहॉं से हल चलाना शुरू किया था और जगत जननी माता सीता का जहॉं जन्म हुआ था, उस जगह का पूर्ण रूप से विकास नहीं हो पाया है । उसके विकास की मॉंग माननीय मंत्री महोदय से करता हूँ ।

सभापति (डॉ0 अशोक कुमार) : अब आप समाप्त करें ।

श्री सुनील कुमार : महोदय, एक-दो बात और कह लेने दिया जाय । हलेश्वर स्थान में माननीय मंत्री जी माननीय लालू प्रसाद यादव जी के साथ गये थे, वहाँ बगही बाबा के यज्ञ में, बगही बाबा के मूर्त्ति का अनावरण था, दस दिन में उस यज्ञ में 50 लाख लोगों का आना हुआ । इतनी बड़ी आस्था लोगों की वहाँ जुड़ी हुई है । उस जगह के भी पूर्ण विकास की मैं माननीय मंत्री महोदय से माँग करता हूँ । हमारे विधान सभा क्षेत्र के बलुआ उच्च विद्यालय में ग्रामीण क्षेत्र में कोई स्टेडियम नहीं है तो माननीय मंत्री जी से माँग करता हूँ कि बलुआ उच्च विद्यालय के प्रांगण में एक स्टेडियम बनाने की कृपा करेंगे । उच्च विद्यालय में एक जिम का निर्माण करने की भी मैं माननीय मंत्री महोदय से निवेदन करता हूँ ।

सभापति (डॉ0 अशोक कुमार) : अब आप आसन ग्रहण कीजिये ।

श्री सुनील कुमार : माननीय मंत्री महोदय और माननीय सभी सदस्यों का, सभी लोगों ने हमारी बात गंभीरता से सुना, इसके लिये सभी लोगों का आभार प्रकट करते हुये, आसन का भी आभार प्रकट करते हुये अपनी बात समाप्त करता हूँ ।

सभापति (डॉ0 अशोक कुमार) : श्री लक्ष्मेश्वर राय :

श्री लक्ष्मेश्वर राय : आदरणीय सभापति महोदय, आज अनुदान बजट पर सरकार के पक्ष में बोल रहा हूँ । खास करके बिहार जैसे राज्य में जहाँ सुखाड़ और बाढ़ का यह जगह है, उसमें आज के युग में, आज के समय में कला, संस्कृति एवं युवा विभाग की बड़ी भूमिका बढ़ गई है । हम इसको रोजगार का रूप दे सकते हैं । हम अपनी विरासत को संजोकर, सहेज कर देश और दुनिया में इसका प्रदर्शन कर सकते हैं । संयोग से अच्छा समय अभी है, जो महात्मा गाँधी का सत्याग्रह शताब्दी वर्ष है, कल भगत सिंह का शहादत दिवस था, लोहिया जी की जयन्ती थी, यह बड़ा संयोग है बिहार के लिये और आदरणीय नीतीश कुमार जी की प्रतिबद्धता है, हमको लगता है कि इस बिहार का जो गौरवशाली इतिहास रहा है, संस्कृति के रूप में, कला के रूप में, उनको पूरे देश और दुनिया स्तर पर बिखेरने के लिये, चमकाने के लिये वे प्रयासरत हैं । बड़ी खुशी की बात है ।

हमको लगता है कि बहस होनी चाहिये, पूरी संजीदगी से बहस होनी चाहिये। इसीलिये बहस होनी चाहिये । हम विपक्ष से भी कहेंगे कि देश और बिहार में जब-जब संकट हुआ है, सामाजिक स्तर पर, राजनीतिक स्तर पर सब लोगों को एकजुट होकर, एक दिशा में और प्रगति के लिये काम करना चाहिये । हमको लगता है कि संस्कृति विभाग हमारे बिहार के उन्नयन के लिये, विकास के लिये बड़ा प्रतीक हो सकता है । यह हमारे लिये बड़ा धरोहर हो सकता है । बाढ़ है, सुखाड़ है अलग बात है लेकिन राज्य को सुन्दर बनाने से देश और दुनिया में बात होती है । आज चम्पारण सत्याग्रह का जो शताब्दी वर्ष है, उसको अगर एक बात के रूप में रखा गया तो दुनिया में आज चर्चा

हुई । आज गांधी जी के सपनों की चर्चा, गांधी जी के आदर्श, गांधी जी के विचार पूरी दुनिया में परिलक्षित हो रहे हैं । यह देश आज गौरवान्वित है, बिहार के लोग आज गौरवान्वित हैं, बिहार की मिट्टी आज धन्य है कि चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी वर्ष मनाने का मौका मिला है ।

इसी तरह शराबबंदी जो किया गया, हमारे गांधी जी का वह सपना पूरा हुआ। आज 350 वॉं जो प्रकाश महोत्सव हुआ, निश्चित रूप से उसको एक संस्कृति के रूप में लेना चाहिये । संस्कृति धर्म एक अलग होता है । मानवीय धर्म से राजनीति नहीं हो सकता है लेकिन राजनीति में धर्म मानना चाहिये, हमारे जो आदरणीय मुख्यमंत्री हैं जो राजनीति को धर्म मानकर आज जो प्रकाश महोत्सव के माध्यम से देश और दुनिया में बिहार की प्रतिष्ठा को बढ़ाया है, यह काबिले–तारीफ है । इसपर चिन्तन करना चाहिये, मनन करना चाहिये कि सिख के जो अंतिम गुरू थे, उसपर एक छोटा–सा प्रयास किया गया । लेकिन देश और दुनिया बिहार के लोगों के लिये, बिहार की मिट्टी के लिये, बिहार की संस्कृति के लिये सारे लोग गुणगान कर रहे हैं । हम पदाधिकारियों से भी चाहेंगे कि संस्कृति विभाग के जो पदाधिकारी हैं, मंत्री जी हैं, मंत्री जी हमारी बात भी सुनियेगा । जो पदाधिकारी हैं, वह केवल नौकरी तक नहीं रहें, पदाधिकारी को भी अंदर में संवेदनशील होना चाहिये । हमारा सबसे बड़ा बाधक है कि उनके अंदर में क्रियेटिविटी होना चाहिये, इसीलिये होना चाहिये कि जो राजनेता हैं और आदरणीय नीतीश कुमार जी जिस बिहार की कल्पना करते हैं, हम यदि कोई नौकरी में भी हैं, उनके अंदर में यदि जनभावना होगी, ड्यूटी के प्रति ईमानदार होंगे तो निश्चित रूप से बिहार और आगे बढ़ेगा । हमको लगता है कि संवेदनशील होना चाहिये विभाग को भी ।

आज बहुत सारी बात अभी इसमें दर्शाया गया है, चार रूप में बॉंटा गया है – छात्र एवं युवा कल्याण निदेशालय, सांस्कृतिक कार्य निदेशालय, संग्रहालय निदेशालय और पुरातत्व निदेशालय । निश्चित रूप से बिहार का जो अतीत रहा है, बिहार का जो गौरव रहा है, हमको लगता है कि दुनिया में इसका कोई मुकाबला नहीं है । दुनिया में इससे बड़ा सांस्कृतिक धरोहर किसी के पास नहीं है । हम चाहेंगे सारे बिहारियों से, सारे बिहार के लोगों से, चाहे विपक्ष के हों या सरकार के, हम चाहेंगे कि कदम से कदम मिलाकर आगे आने वाले समय में एक गौरवान्वित बिहार के निर्माण के लिये आगे होईये । केवल विरोध से नहीं चलेगा । यह ठीक है कि जहॉं आपकी बात हो, विरोध होनी चाहिये, लेकिन सिर्फ विरोध करियेगा तो वह अच्छी बात नहीं होगी । याद करियेगा कि देश की संस्कृति और बिहार की संस्कृति में बहुत अंतर है । बिहार का जो गौरवशाली इतिहास है, बहुत ऊंचा हो गया है, एक शराबबंदी से लगता है कि यह संस्कृति या हमारा जो संस्कार था, बहुत ऊंचा हो गया है । आज बिहार देश का एक मोडल बना है, नीतीश कुमार का विचार देश और दुनिया में एक मोडल और चिन्तन के रूप में खड़ा हो रहा

है कि शराबबंदी जरूरी है, समाज के लिये यह जरूरत है, समाज की दिशा बदलने के लिये जरूरी है । सरकार को जो महत्वपूर्ण काम है, आज शराबबंदी से एक मेसेज गया देश और दुनिया में कि राजनीति करने वाले केवल सत्ता के लिये राजनीति नहीं करते हैं, राजनीति करने वाले समाज के परिवर्त्तन के लिये भी काम करते हैं । आम लोगों की दशा और दशा सुधारने के लिये उन्होंने काम किया है । बिहार आज दिशा दे रहा है ।

निश्चित रूप से विपक्षी नेता, आदरणीय प्रेम बाबू से भी हम चाहेंगे कि जो कमजोर वर्ग के लोग हैं, जो आपका धरोहर है अत्यंत पिछड़ा वर्ग, कर्पूरी जी के विरासत की बात आप आज तक नहीं उठाये हैं, आपको उठाना चाहिये कि कर्पूरी जी के नाम पर एक म्यूजियम बनना चाहिये । आपके मेनिफेस्टो या प्रस्ताव में कहीं दिया गया है । आप केवल सत्ता की बात करते हैं । ठीक बात है लेकिन आप जिस विरासत से आये हैं जो कर्पूरी संग्रहालय पटना में होना चाहिये, उसको और डेवलप्ड होना चाहिये । हमको लगता है कि प्रत्येक अनुमंडल में कर्पूरी जी के नाम पर एक संग्रहालय होना चाहिये, उनपर एक चिन्तन होना चाहिये, उनपर एक दृष्टि होना चाहिये कि कर्पूरी जी जो गरीबों के प्रतीक थे, कर्पूरी जी सामाजिक योद्धा ही केवल नहीं थे, विचार के प्रतीक थे जो गॉव-गॉव तक, कस्बे-कस्बे तक गॉव के लोगों तक नहीं पहुॅचते थे, वहॉ भी पहुॅचाये हैं ।

महोदय, खासकर जो बिहार में खेल सामान, प्रोत्साहन देना, यहॉ राष्ट्रीय स्तर पर टूर्नामेंट का आयोजन कराया गया है, खासकर महिला खेल विभाग भी बनाया गया है, खिलाड़ी कल्याण कोष बनवाये हैं, प्रखंड में स्टेडियम के निर्माण की बात हो रही है और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, मुख्यमंत्री खेल विकास योजना, बिहार स्काउट गाइड, बी0बी0 सिन्हा राजकीय शारीरिक शिक्षण महाविद्यालय, खेल एवं जिम का उपकरण, कॉल एण्ड प्ले योजना बनाये हैं । यह बड़ी बात है, हमको लगता है कि खासकर गॉव का जो खेल है, एथलेटिक्स, बॉलीवॉल, कबड्डी, खो-खो, ताइक्वांडो, बॉक्सिंग, बैडमिंटन, फुटबॉल और जो छोटे-छोटे गॉव के जो हमारे खेल हैं, उसको और डेवलप करना चाहिये । हमारे गॉव का खेल है कबड्डी, हमारे गॉव का खेल है चिक्का, डंडा-गुल्ली लोग खेलकर देश और दुनिया स्तर पर बड़ा नाम कमाये हैं, हमको भी करना चाहिये । हम तो कहते हैं कि बिहार के लोगों में जज्बा है । एक आदरणीय नीतीश कुमार दुनिया को मेसेज दे सकते हैं, चम्पारण सत्याग्रह आन्दोलन के नाम पर और यह शराबबंदी करके तो हमारे अंदर में भी जज्बा होनी चाहिये कि हमारे बिहार का दुनिया में कैसे स्तर ऊंचा होगा, बिहार की अस्मिता कैसे मजबूत होगी । सारे लोग हैं, चाहे पक्ष हो या विपक्ष हो, हम तो कहते हैं विपक्षी लोगों से कि आपको भी आगे आना चाहिये ।

....क्रमश।:...

टर्न-17/आजाद/24.03.2017

..... क्रमशः ......

श्री लक्ष्मेश्वर राय : आप यदि चाहते हैं, आपकी दृष्टि, आप केवल सत्ता की बात नहीं करिए, जनता आपको नहीं स्वीकार करेगी, जनता आपको नहीं मानेगी । यह बिहार की जनता है, यह सीता की नगरी है । यह सीता की नगरी बड़ा प्रतापी रहा है । सीता बड़ी अविरल गंगा बहती जैसी सुन्दर रही है ।

सभापति(डॉ0 अशोक कुमार) : माननीय सदस्य, अब आपका समय हो रहा है ।

श्री लक्ष्मेश्वर राय : महोदय, इसीलिए हम चाहेंगे खासकर के क्षेत्र के समस्या के बारे में एक बात कहना चाहते हैं, खासकर विभागीय पदाधिकारी से कि आपके अन्दर में संवेदनशीलता जगे, आपके अन्दर में एक बात के लिए कि बिहार हमारा कैसे ऊँचा हो, हम अपनी क्षेत्र की समस्या इसमें बड़ा कमी हुआ है कि इसमें मधुबनी पेंटिंग का चर्चा कहीं नहीं है । जो मधुबनी पेंटिंग देश और दुनिया के स्तर पर हुआ है । यह नाकामी है, ऐसा क्यों हुआ है। हमारा मधुबनी पेंटिंग यह संस्कृति का बड़ा आधार रहा है और इसकी चर्चा इसमें कहीं नहीं है । हम चाहेंगे कि इसकी चर्चा विस्तार से होनी चाहिए । बिनाभद्री की चर्चा विस्तार से होनी चाहिए । यह मेरा सांस्कृतिक हो सकता है, यह हमारा सांस्कृतिक धरोहर थे और धरोहर रहेगा । इसीलिए इसकी चर्चा होनी चाहिए । यह सामाजिक .....

सभापति(डॉ0 अशोक कुमार) : अब आप अपना स्थान ग्रहण करें, अपना भाषण समाप्त करें ।

श्री लक्ष्मेश्वर राय : महोदय, इन्हीं चन्द बातों के साथ हम अपनी समाप्त करते हुये पुनः कहना चाहते हैं कि खेल को मजबूत करें, आने वाले समय में आदरणीय नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में यह बिहार देश और दुनिया में सुन्दर राज्य बनेगा । इन्हीं चन्द बातों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूँ ।

सभापति (डॉ0 अशोक कुमार) : माननीय सदस्य, श्री श्यामबाबू प्रसाद यादव ।

श्री श्यामबाबू प्रसाद यादव : महोदय, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के कटौती प्रस्ताव के पक्ष में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ । मैं आभार व्यक्त करना चाहूँगा भारतीय जनता पार्टी के सभी नेता और देवदूत कार्यकर्त्ताओं का जिन्होंने एक कार्यकर्ता को इस सदन में बोलने के लिए भेजवाया है, इसलिए बहुत, बहुत आभार व्यक्त करना चाहता हूँ ।

महोदय, बिहार की संस्कृति अपने आप में देश की सवोत्तम संस्कृतियों में एक है । भारत ही नहीं पूरी दुनिया को यह मालूम है कि अपना बिहार महाभारत काल में कर्ण, जरासंध जैसे वीर योद्धा के कारण जाना गया तो यह धरती माँ सीता और महान तपस्वी राजा जनक के कारण आज भी विश्व प्रसिद्ध है । भगवान बुद्ध, भगवान महावीर की यह भूमि बाल्मीकी की तपस्या से भी पवित्र होती रही है ।

महोदय, चाणक्य, मंडल मिश्र, भारती, मैत्रेयी, कात्यानी जैसे विद्वानों की ज्ञान गंगा यहां बहती रही है । इतना ही नहीं बिहार की धरती ने ही दुनिया को लोकतंत्र का रास्ता दिखाया । लिच्छवी गणराज्य विश्व का प्रथम लोकतांत्रिक गणराज्य था । इसके साथ ही इसी बिहार के यशस्वी सम्राट अशोक और चन्द्रगुप्त पाटलिपुत्र की धरती से लेकर काबुल कंधार तक सबसे बड़े अखण्ड भारत पर शासन किया ।

महोदय, आजादी की लड़ाई में भी वीर कुँवर सिंह, जुब्बा सहनी, योगेन्द्र शुक्ला सहित न जाने कितने क्रांतिकारियों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिए जो बिहार की शौर्य गाथा कहते हैं । आजादी के बाद देश को प्रथम राष्ट्रपति बाबू राजेन्द्र प्रसाद को बिहार ने ही दिया तो देश के राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर भी इसी बिहार की धरती के हैं । शिक्षा के क्षेत्र में भी अपना बिहार पूर्वजों के काल से ही अग्रणी रहा है । जब दुनिया विद्यालय का नाम भी ठीक से नहीं जानती थी तब बिहार में नालन्दा विश्वविद्यालय दुनिया को ज्ञान दिया करता था ।

महोदय, इतनी गौरवशाली परम्परा एवं संस्कृति का धनी अपना बिहार अपनी वास्तविकता एवं पहचान खोता जा रहा है । बिहार की संस्कृति लोकनृत्य, लोकनाट्य, लोकगीत का दुनिया में अलग पहचान रहा है । जोगीड़ा नृत्य, धोबिया, जाट जहीन, खोड़लीन, झिंझिया, झरनी, काठघोड़वा(दुलदुल घोड़ा) जैसे लोकनृत्य, बिर्जाभार, बिहुला, आल्हा रूदल, बिदेशिया जैसे लोकनाटिका, कजरी, सोहर, झूमर, बधाई, चैंतावर, वैशाखा, पूरबी, सभा चकवा, होली, निर्गुण जैसे लोकगीत का अस्तित्व खतरे में है । अश्लीलता इन लोकगीतों पर भारी पर रहा है । शारदा सिन्हा, विंध्यवासिनी देवी, महेन्द्र भिखारी ठाकुर की लोककलाएँ अब दम तोड़ रही है ।

महोदय, शून्य लागत के हमारे ग्रामीण खेल पूर्ण मनोरंजन करते थे । हमारे पुराने खेल मृतप्राय हो गया है । उन्हें पुनर्जीवित करने की जरूरत है । जैसे कबड्डी, बुधिया कबड्डी, गुल्ली डंडा, कुश्ती, सही टिका, खो-खो, लुका-छुपी, चकवा, चकईया, तार कोटा, तरकुन कोटा, आईस-पाईस, पिट्टो दोल्हा, पाती, डेंगा-पानी, ओका-बोका आदि खेल हमारी बिहारी संस्कृति के परिचायक हैं ।

महोदय, हमारा खान-पान भी हमारी विशिष्ट संस्कृति का परिचय देता है । जैसे लिट्टी-चोखा, ठेकुआ, पैरूकिया, बालूशाही, खाजा, चूड़ा-दही, तिलकुट, सतुआ, भुंजा, मनेर का लड्डू आज बिहार की धरती से निकल कर पूरी दुनिया में धूम मचाया है ।

महोदय, बिहार में होने वाले सांस्कृतिक महोत्सव बिहार की संस्कृति को सुरक्षित रखने के लिए अपर्याप्त है ।

महोदय, किसी की पहचान उसकी संस्कृति से ही होती है । संस्कृति का निर्माण वर्षों की परम्परा से होती है । उसके पूर्वजों को किए गए महान कार्यों से ही

उसे अन्य संस्कृतियों से अलग विशिष्ट स्थान देती है । हमारे भी महान पूर्वजों जिस संस्कृति का निर्माण किया है वे हमारे धरोहर हैं । उन्हें बचाना हमारा कर्त्तव्य है । इसके लिए कोई ठोस नीति और योजना का निर्माण होना चाहिए । महोदय, आज हमारी घर की महिलाएँ बाजार नहीं निकलती है, अगर घर की महिलाएँ जब बाजार निकलती हैं तो शर्म से माथा झुका लेती है, सर नीचे कर लेती है । महोदय, आप जानते हैं अगर आज की परम्परा पर देखा जाय तो पान के दुकान पर, मिठाई के दुकान पर अश्लील गाने का हद हो चुका है, वह गाना जब बजने लगता है तो हमारे घर की महिलाएँ शर्म से माथा झुका लेती है । यहां पर माननीय मंत्री जी बैठे हुये हैं, मैं सरकार से मांग करता हूँ कि उस अश्लील गाना पर रोक लगायी जाय ताकि हमारा बिहार शर्म से नहीं झुक पाये।

सभापति(डॉ0 अशोक कुमार) : आप माननीय सदस्य बोलिये ।

श्री श्याम बाबू प्रसाद यादव : महोदय, पिपरा विधान सभा में पिपरा स्टेशन से सटे सीताकुंड है । पिपरा स्टेशन व एन0एच0 28 के 2 किलोमीटर उत्तर तथा जिला मुख्यालय से लगभग 22 कि0मी0 पूरब ऐतिहासिक सीताकुंड धाम स्थित है ।

सभापति(डॉ0 अशोक कुमार) : माननीय सदस्य, आपलोग आपस में बातचीत न करें ।

श्री श्याम बाबू प्रसाद यादव : महोदय, उक्त धाम लगभग 14 फीट ऊँचे टीलानुमा आकार में लगभग 20 एकड़ भूमि में फैला हुआ है । यहां प्राकृतिक सौन्दर्य की अनुपम छटा है । इसके चारों तरफ सैंकड़ों औषधीय पेड़-पौंधे उगे हैं । इनके बीच लगभग 2 एकड़ में कुंड है, यहां पर मॉं जानकी का मंदिर है । जनश्रुति के अनुसार त्रेतायुग में भगवान राम की बारात जब जनकपुर से अयोध्या के लिए लौट रही थी तो उक्त स्थल पर ही बारात रूकी थी । उस समय भगवान राम और सीता की चौठारी की रस्म की गयी थी । मॉं जानकी व राम का कंगन खोलने का रस्म भी यहीं पूरा हुआ था ।

महोदय, कंगन के पत्ते के समान आम का पेड़ था, वह पेड़ 1934 के भूकम्प में दब गया । मॉं जानकी जहां स्नान की थी, वह पोखर गंगा सागर पोखर के नाम से जाना जाता है । यहां प्रत्येक वर्ष हजारों की संख्या में लोग स्नान करते हैं । उक्त पोखर के समीप 5 और बड़ा पोखर है । यहां मॉं जानकी ने भगवान राम के साथ भगवान शंकर के एक अद्‌भूत लिंग की स्थापना कर पूजा अर्चना की थी ।

लिंग मंदिर गिरिजनानाथ के नाम से प्रसिद्ध है । जब भी सुखाड़ की संभावना होती है तो इर्द-गिर्द के किसान गिरिजानाथ के लिंग को पानी में डुबो देते हैं, तब निश्चित ही वर्षा होती है । साथ ही यहां अन्य दर्जनों मंदिर तथा अभिलेखयुक्त पत्थर है। इसे देखने पर लगता है कि यह प्राचीन मंदिर के दीवार पर लगे किवाड़ का अवशेष है, यहां चैत्र रामनवमी के अवसर पर प्रत्येक वर्ष मेला लगता है, लोग बताते हैं कि अगर टीलानुमा उक्त स्थल की खुदाई करायी जाय तो वृहत संख्या में पुरातात्विक अवशेष मिलेगा ।

महोदय, उक्त स्थल पर हर वर्ष रामनवमी के दिन सांस्कृतिक महोत्सव किया जाता है । जो वहां के ग्रामीण जनता अपने में चन्दा इकट्ठा करके हर साल महोत्सव को मनाते हैं। जहां पर 30 से 40हजार लोग इकट्ठा होते हैं । महोदय, हम आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करेंगे कि यह महोत्सव सरकार के स्तर से मनाया जाय और पर्यटन मंत्री जी से आग्रह करेंगे कि उक्त स्थल को विकसित कर पर्यटन स्थल का दर्जा देने का कृपा करें ।

टर्न-18/अंजनी/दि0 24.03.2017

सभापति (डॉ0 अशोक कुमार): अब आप समाप्त करें, आपका समय समाप्त हुआ ।

श्री श्याम बाबु प्रसाद यादव : सभापति महोदय, जहां तक स्टेडियम की बात हमारे माननीय सदस्य कर रहे थे तो मैं आपसे आग्रह करूँगा कि एन0डी0ए0-वन के समय जब सिंग्रीवाल साहेब खेल मंत्री थे तो उन्होंने पिपरा विधान सभा के दो प्रखंड में एक चकिया गांधी मैदान और दूसरा हाई स्कूल महेसी में स्टेडियम बनाने का कार्य शुरू किया था लेकिन आज सात-आठ साल हो गया लेकिन वह काम अभी तक अधूरा है । कम-से-कम उस अधूरे कार्य को पूरा करा दिया जाय फिर आगे स्टेडियम की बात होती रहेगी । लेकिन जो अधूरा काम है, उसको पूरा करा दिया जाय ।

सभापति(डॉ0 अशोक कुमार): अब आप अपना भाषण समाप्त करें । अब आप अपना स्थान ग्रहण करें, धन्यवाद ।

श्री श्याम बाबु प्रसाद यादव : महोदय, यहां बात हो रही थी कि पूरे गांव में क्लब खुल गया है, मैं माननीय सदस्य को बता देना चाहता हूँ कि .....

सभापति : माननीय सदस्य, आप अपने समय को आगे मत बढ़ाइए ।

श्री श्याम बाबु प्रसाद यादव : महोदय, मैं आपसे कहना चाहूंगा कि आज थोड़ा गांव में युवाओं को खेल की प्रति जो एक्टिविटी दीख रहा है, वह भारत सरकार के नेहरू युवा क्लब के माध्यम से क्लब बनाया गया है और उसी के माध्यम से थोड़ा खेल वगैरह हो रहा है। आपने जो मुझे बोलने का मौका दिया, उसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

सभापति (डॉ0 अशोक कुमार): माननीय सदस्या, श्रीमती अमिता भूषण ।

श्रीमती अमिता भूषण : माननीय सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग द्वारा प्रस्तुत मांग के पक्ष में बोलने के लिये खड़ी हुई हूं ।

महोदय, हम सभी जानते हैं कि कला, संस्कृति समाज की पराकाष्ठा और सभ्यता के विकास की अंतिम कड़ी है । प्रख्यात समाजशास्त्री ने कहा था कि सभ्यता का विकास पिरामिड के रूप में होता है । इसके प्रथम चरण पर मूर्त्त वस्तुएं जैसे भवन निर्माण, द्वितीय चरण पर मूर्ति कला, तृतीय चरण पर चित्रकला और अंतिम चरण

पर सुर और संगीत है । इन सभी चरणों का पिरामिडी सम्मिश्रण एक सभ्यता और संस्कृति का रूप ले लेता है । इन कलाओं से संस्कृति और सभ्यता का विकास होता है।

सभापति महोदय, मुझे यह कहते हुए गर्व महसूस होता है कि बिहार की पवित्र भूमि के अलग-अलग अंचलों में एक श्रेष्ठ कला समायी हुई है, चाहे वह भागलपुर की मन्जूषा कला हो या पाटलिपुत्र की धरती पर विकसित पटना कला या फिर मुजफ्फरपुर की लाह कला, ये हमें आज भी गौरव के क्षण प्रदान करते हैं । जब भी हम फणीश्वर नाथ रेणु जी के साहित्य का दर्शन करते हैं तो हमें सिरचन जैसे लोक कलाकार के दर्शन होते हैं, जो रेणु जी के साहित्य में अपनी सिक्की मोथा कला से आगे बढ़ते हैं । उपेन्द्र महारथी जैसे दिग्गज व्यक्तित्व के स्मरण मात्र से ही कई आकांक्षाओं के द्वार खुलने लगते हैं । लोक कला के गौरवमयी इतिहास एवं भविष्य के दूरस्थ बिन्दुओं पर कई संकट भी दिखायी देते हैं । जब इस कला से जुड़े कलाकारों के आर्थिक पक्ष को देखें तो लगता है कि हमारी कलाओं में अर्थोपार्जन की संभावना कम है और तब हमारी यह जिम्मेदारी बनती है कि हम नयी संभावनाओं का पता करें, जिससे नदी की भांति शांत वेग से नयी सभ्यता का जन्म हो सके । जब हम मधुबनी पेंटिंग की लम्बी यात्रा जिसे हम (कोहवर से कैनवास) तक की गौरवमयी एवं रोमांचक यथार्थ के रूप में देखते हैं तो महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद कांग्रेसी नेता स्व0 ललित नारायण मिश्र का अक्श बार-बार दिखायी देता है । मधुबनी कला को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए ललित बाबू के योगदान के लिये यह कला हमेशा ऋणी रहेगा ।

सभापति महोदय, हमारे जिले की लोक कलायें जिसमें विशेष रूप से नृत्यकला है, जिसके माध्यम से जन्म कथाएं समाज के आंतरिक सत्य को रेखांकित करती हैं, उनमें जट-जटीन, सामा-चकेबा, डोमकच आदि हैं, इनका प्रदर्शन इस बार राजकीय महोत्सव में हो रहा है । इससे कलाकारों का मनोबल बढ़ता है, महोदय, इसके लिए मैं कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के मंत्री जी का आभार प्रकट करती हूँ । हाल के दिनों में सरकार द्वारा आयोजित प्रकाशोत्सव, बौद्ध महोत्सव, बिहार दिवस जैसे विभिन्न कार्यक्रमों ने राज्य को राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक खास पहचान दी है, जिसके लिए हम बिहारवासी माननीय मुख्यमंत्री जी के आभारी हैं ।

सभापति महोदय, कहा जाता है कि जहां काम होता है, वहीं शिकायतें भी होती हैं । पिछले दिनों अखबारों के माध्यम से ऐसी सूचना मिली थी कि राज्य के क्षेत्रीय कलाकारों को मंत्रालय से शिकायत है कि राज्य के राजकीय महोत्सवों में राज्य के बाहर के बड़े कलाकारों को आमंत्रित करके यहां के कलाकारों को नजर-अन्दाज किया जाता है या एक ही कलाकार को बार-बार अवसर दिया जाता है । ऐसी शिकायतों पर हमें सहानुभूतिपूर्वक विचार करना चाहिए ताकि क्षेत्रीय कलाकारों को भी अपनी योग्यता के अनुसार अवसर मिल सके ।

सभापति महोदय, सरकार के समग्र विकास की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में कला, संस्कृति एवं युवा विभाग प्रगतिशील भूमिका का निर्वहन कर रहा है। इसके लिये मंत्रीजी का आभार प्रकट करना चाहती हूं । साथ ही साथ, आग्रह करना चाहती हूं कि बेगूसराय जिले में भी एक आर्ट गैलरी, कला दीर्घा की स्थापना की जाय जिससे वहां की लोक-कला को प्रोत्साहन मिल सके ।

महोदय, पिछले दिनों सरकार के द्वारा बहुत अच्छा प्रयास किया गया था कि दिल्ली हाट की तर्ज पर पटना हाट की शुरूआत की गयी थी, जिसका उद्देश्य था कि हमारी कलाओं को एक बाजार उपलब्ध कराया जा सके, जिससे कलाकारों की आर्थिक स्थिति में सुधार आये लेकिन जागरूकता और प्रचार-प्रसार की कमी के कारण पटना हाट बहुत सफल नहीं हो पा रहा है लेकिन जब उद्देश्य नेक है तो हमें पूरा भरोसा है कि सफलता जरूर मिलेगी । अगर सरकार अपने बजट में इसके प्रचार-प्रसार के लिए विशेष राशि का आवंटन करे तो इसकी पहचान राष्ट्रीय स्तर पर हो पायेगी । मैं माननीय वित्त मंत्री जी से विशेष आग्रह करती हूं कि पटना हाट के लिये बजट में अलग से प्रावधान किया जाय ।

सभापति महोदय, संग्रहालय किसी भी समाज या राष्ट्र की कला एवं संस्कृति की धरोहर होती है जो मानव विकास के कदम-दर-कदम साक्ष्यों को आने-वाली पीढ़ी से रूबरू कराती है । इस दिशा में वर्तमान महागठबंधन सरकार की उपलब्धि बिहारवासियों को गौरव प्रदान कर रही है । इस संदर्भ में, मैं माननीय मंत्री जी का ध्यान बेगूसराय संग्रहालय की ओर दिलाना चाहूंगी । बेगूसराय संग्रहालय में 9वीं और 11वीं शताब्दी के विष्णु, गणेश, सूर्य और नंदी की दुर्लभ प्रतिमाओं के साथ-साथ मौर्य काल से ब्रिटिश काल तक की हजारों मुद्राएं और मनुस्मृति की दुर्लभ पाण्डुलिपियां सुरक्षित हैं। मैं माननीय मंत्री जी का ध्यान इस संग्रहालय की सुरक्षा व्यवस्था की ओर दिलाते हुए आग्रह करना चाहती हूँ कि इस संग्रहालय की महत्ता को देखते हुए इसके पर्याप्त सुरक्षा की व्यवस्था पर ध्यान देंगे तथा इस संग्रहालय के निदेशक के पद को पूर्णकालिक करने की कृपा करेंगे ।

सभापति महोदय, प्राचीन भारत के गौरवपूर्ण इतिहास का सबसे सुनहरा भाग बिहार से जुड़ा हुआ है । पूर्ववर्त्ती कांग्रेस की सरकार ने इसके महत्व को समझते हुए पुरातत्व निदेशालय के रूप में एक स्वतंत्र विभाग की स्थापना की । वर्तमान महागठबंधन सरकार इस दिशा में उल्लेखनीय काम कर रही है और कई महत्वपूर्ण स्थलों के उत्खनन का कार्य भी करायी है । मैं जिस विधान सभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हूँ उसमें पाल कालीन संस्कृति के कई महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थल हैं जहां से उत्खनन के दौरान विष्णु, नटराज, नंदी और शिव की कई दुर्लभ मूत्तियां मिली हैं । इस संदर्भ में बेगूसराय विधान सभा क्षेत्र के वीरपुर और नौलागढ़ काफी महत्वपूर्ण स्थल हैं । इन स्थलों से प्राप्त

मूत्तियों के संरक्षण तथा इन्हें पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का विशेष आग्रह मैं माननीय मंत्री महोदय से करना चाहूंगी ।

महोदय, समेकित विकास की अवधारणा मानव विकास से जुड़ती है एवं इसका केन्द्रीय प्रतिबिम्ब हमारी युवा पूंजी है । माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में महागठबंधन सरकार राज्य के युवाओं के सपने को पूरा करने के लिए कृतसंकल्पित है । पिछले कुछ वर्षों में राज्य सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर के कई खेलों की मेजबानी की गई, इससे खेलों को लेकर एक नये वातावरण का निर्माण हुआ है ।

"पढ़ोगे लिखोगे बनोगे नवाब, खेलोगे घूमोगे होगे खराब" की प्रवृत्ति धीरे-धीरे समाप्त हो रही है । आज हमारे राज्य के युवा खेलों में अपन कैरियर तलाश रहे हैं । ऐसे वातावरण में सरकार की जिम्मेवारी होती है कि युवाओं को खेलों में अवसर प्रदान की जाय । इस दिशा में मुख्यमंत्री खेल विकास योजना महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रही है । इस योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में खेलकूद के विकास में उल्लेखनीय प्रगति हो रही है । बेगूसराय जिले को वॉलीबॉल एवं कबड्डी जैसे खेलों में काफी प्रतिष्ठा प्राप्त रही है।

....क्रमशः......

टर्न-19/शंभु/24.03.17

श्रीमती अमिता भूषण : क्रमशः.........और हाल ही के कुछ दिनों में तैराकी एवं ताईक्वांडो में भी इस जिले को काफी प्रतिष्ठा मिली है । कई खिलाड़ियों ने अपने-अपने खेलों में राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार जीते हैं । सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से आग्रह करती हूँ कि वे मुख्यमंत्री खेल विकास योजना के अन्तर्गत एक आवासीय प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना बेगूसराय जिले में करें जिससे बेगूसराय और आसपास के अन्य जिले के युवाओं को खेलों का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त हो सके।

और अंत में, मैं अपनी पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधीजी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष,श्री राहुल गांधीजी, माननीय मुख्यमंत्री,श्री नीतीश कुमारजी, आदरणीय लालू प्रसादजी और इस सदन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयास एवं इस हेतु प्रस्तुत 2017-18 के बजट उपबंध का समर्थन करती हूं ।

माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया इसके लिए आपके प्रति आभार व्यक्त करती हूँ। अपनी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी जी, पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राहुल गांधी जी के प्रति विशेष रूप से आभार व्यक्त करती हूँ कि उनके आशीर्वाद की वजह से ही मुझे यहां आपके सामने बोलने का मौका मिला।

सभापति(डा0 अशोक कुमार) : बड़ा निर्धारित समय में आपने पूरा किया, धन्यवाद । माननीय सदस्य चन्दन कुमार, सात मिनट है आपके पास।

श्री चन्दन कुमार : माननीय सभापति महोदय, मैं कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा प्रस्तुत अनुदान मांग के समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ और विपक्ष के द्वारा लाये गये कटौती प्रस्ताव के विपक्ष में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ। महोदय, मैं आपके माध्यम से सभापति महोदय के माध्यम से यहां बैठे हुए इस कला संस्कृति विभाग के माननीय मंत्री जी को बहुत-बहुत बधाई देना चाहूंगा, अपने अलौली विधान सभा क्षेत्र सहित सारे खगड़िया जिला की तमाम जनता की ओर से कि आपने कला एवं संस्कृति विभाग को जिस रूप से सजाने का काम किया है वह काबिले तारीफ है। महोदय, कला संस्कृति विभाग को पहले गांव घर में लोग जानते तक नहीं थे कि कला संस्कृति विभाग आखिर में क्या है? उस विभाग को माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में आदरणीय श्री लालू प्रसाद यादव जी, डिप्टी सी0एम0 साहब श्री तेजस्वी यादव जी के सान्निध्य में जो महागठबंधन की सरकार बिहार में चल रही है, उसमें सभी विभागों में जिस तरह से काम चल रहा है वह पूरे बिहार की जनता जान रही है, उसको बताने की विशेष जरूरत नहीं है। मैं आज इस सदन में कला संस्कृति विभाग का जो अनुदान मांग रखा गया है उसपर बोलने के लिए मुझे जो अवसर मिला है उसके लिए सभी माननीय सदस्यों को अपनी तरफ से हार्दिक अभिनन्दन, चन्दन, वन्दन करता हूँ। महोदय, मैं ऐसे विधान सभा क्षेत्र से आता हूँ जो दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा, एस0सी0 बाहुल्य क्षेत्र है। जो केन्द्र में बैठे हुए हैं श्री रामविलास पासवान माननीय मंत्री जी उनके भाई वहां से सात बार लगातार विधायक और अपने समय में वे मंत्री भी रह चुके हैं, वैसे क्षेत्र से मैं आदरणीय लालू प्रसाद यादव जी के आशीर्वाद से माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के आशीर्वाद से और अपने नेता श्री तेज प्रताप यादव जिन्होंने मुझे टिकट देकर इस सदन में लाने का काम किया है, उनको भी मैं इस सदन के माध्यम से कोटि-कोटि नमन प्रणाम करता हूँ कि आपने मुझे पूरे बिहार के सदन में बैठने का और काम करने का अवसर दिया है, मौका दिया है। जरा सुनेंगे और मैं नया सदस्य हूँ मैं चाहूंगा कि आप मुझे बोलने का मौका दें और सुनने का भी थोड़ा सा धैर्य रखें इसलिए क्योंकि आपने जो किया है उसी को मैं बता रहा हूँ। मैं तो अभी आया ही हूँ।

सभापति(डा0 अशोक कुमार) : आप आसन की ओर देखकर संबोधित कीजिए।

श्री चन्दन कुमार : जी सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से ही बताना चाहता हूँ। महोदय, मैं एक थोड़ा सा अर्ज करना चाहता हूँ- तू जिंदा है तो जिंदगी में अपने कामों पर विश्वास कर, अगर कहीं है स्वर्ग तो उतार ला जमीं पर। ये मेरे माननीय मुख्यमंत्री जी उसी प्रकार से काम करने का काम कर रहे हैं इस बिहार में और आप जो देख रहे हैं हरेक विभाग में जो काम हो रहा है, भले लोग कुछ भी बोल ले। मन की बात नहीं यहां दिल की बात

हो रही है, दिल से जो काम होता है वह पटल पर और जमीन पर काम होता है। देख लीजिए कला संस्कृति विभाग का जो अनुदान मांग का कार्य चल रहा है, बहस चल रहा है, डिबेट चल रहा है उसमें आप उठाकर देख लीजिए, मंत्री जी का जो भाषण है उसमें पूरे बिहार में जिस तरह से स्टेडियम का काम हुआ है, जिम हर जगह खोलने का काम किये हैं। हर जगह खुला है सर।

सभापति(डा0 अशोक कुमार) : आपस में टोकाटोकी मत कीजिए। आपको अपने क्षेत्र में स्टेडियम बनवाना है। एक मिनट समय आपका है।

श्री चन्दन कुमार : मेरे अलौली विधान सभा क्षेत्र में भी मेरे माननीय मंत्री जी ने एम0एस0 कॉलेज रोड मे स्टेडियम देने का काम किया है। ये कोई फेंक फेंकौव्वल की बात नहीं है, जीता जागता उदाहरण है और हरेक प्रखंड में जो माननीय मुख्यमंत्री जी का लक्ष्य है वह 2019-20 जो लक्ष्य दिया गया है उसके अंदर सारे कार्य को करके 2019 का जो लोक सभा चुनाव होगा उसमें माननीय मुख्यमंत्री जी.......व्यवधान...वह तो मैं हूँ आपके सामने। आपके प्रदेश अध्यक्ष रह चुके थे श्री पशुपति कुमार पारस जी और उनके जगह पर मैं- महागठबंधन सरकार की तरफ से बोल रहा हूँ और मैं बता देना चाहूंगा 2019 में आपलोग यही तो है महागठबंधन में काम होता है और एन0डी0ए0 की सरकार में सिर्फ हवाबाजी, गरीब गुरूबों को सुनने के लिए ये महागठबंधन की सरकार है, आप देख लीजिए। मैं एक जूता सीनेवाला का बेटा इस सदन में हूँ। सभापति महोदय, मैं थोड़ा सा विपक्ष को बता देना चाहता हूँ- अभी आदरणीय लालू प्रसाद यादव जी के.........

सभापति(डा0 अशोक कुमार) : आप अपनी बात रखिये न।

श्री चन्दन कुमार : जी अपनी बात ही रख रहा हूँ। यह कला संस्कृति से जुड़ा हुआ सवाल है, मैं बता देना चाहता हूँ, जरा सुन लीजिए। सभापति महोदय के माध्यम से मैं बताना चाहता हूँ कि ये आदरणीय लालू प्रसाद यादव जी और माननीय नीतीश कुमार जी की देन है अभी मैं आपके सामने जीता जागता उदाहरण दिखा रहा हूँ। देख लीजिए सभापति महोदय, डा0 अशोक राम जी और दूसरा उदाहरण देख लीजिए माननीय मंत्री शिवचन्द्र राम जी और जो बोल रहा है मैं माननीय सदस्य श्री चन्दन कुमार राम- हर जगह देख लीजिए इसी का नाम है महागठबंधन और यही माननीय लालू प्रसाद यादव जी, नीतीश कुमार जी गरीब गुरूबों के लिए दलित, अति पिछड़ों का जो पूरे बिहार में चल रहा है।

सभापति(डा0 अशोक कुमार) : अब आप समाप्त कीजिए।

श्री चन्दन कुमार : मैं सदन के माध्यम से माननीय मंत्री जी को अवगत कराना चाहूंगा कि मेरे विधान सभा क्षेत्र अन्तर्गत आपने एम0एस0 कॉलेज में जो स्टेडियम देने का काम किया है।

सभापति(डा0 अशोक कुमार) : अब समाप्त कीजिए।

श्री चन्दन कुमार : धन्यवाद।

टर्न–20/अशोक/24.03.2017

सभापति (डॉ0 अशोक कुमार) : माननीय सदस्य,श्री निरंजन कुमार मेहता ।

श्री निरंजन कुमार मेहता : माननीय सभापति महोदय, वर्ष 2017–18 के व्यय विवरणी पर सरकार द्वारा प्रस्तुत अनुदान की मांग पर समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हूँ । सभापति महोदय, आपने बोलने का मौका दिया, अवसर दिया मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ । आभार व्यक्त करता हूँ, मैं अपने महागठबन्धन सरकार के माननीय मुख्यमंत्री महोदय का, मैं आभार व्यक्त करता हूँ माननीय उप मुख्यमंत्री महोदय का, मैं आभार व्यक्त करता हूँ विभागीय माननीय मंत्री महोदय, कला संस्कृति विभाग श्री शिवचन्द्र राम जी का, मैं आभार व्यक्त करता हूँ संसदीय कार्य मंत्री महोदय का । सभापति महोदय, कला, संस्कृति एवं युवा एक ऐसा विभाग है, इस विभाग से सबों को मतलब है, खास करके वे बच्चें रहें, बूढ़े रहें या युवा रहें, लोग दिनभर काम करते हैं कहीं से थक कर आते हैं, कितना भी टेंशन आदमी को रहे, इस विभाग के किसी कार्यक्रम में चाहे वह खेल का कार्यक्रम का हो, सांस्कृतिक कार्यक्रम हो या कला का कार्यक्रम हो, उसमें शरीक होने के बाद सब टेंशन दूर हो जाती है, लोगों में खुशहाली आ जाती है, सांस्कृतिक कार्यक्रम से, मनोरंजन कार्यक्रम देखने के बाद । यह विभाग हर एक आदमी के लिए एक महत्वपूर्ण विभाग हैं चाहे वे बच्चे रहें, बूढ़ें रहें या नौजवान रहें । मैं ज्यादा इधर उधर की बात नहीं करना चाहूंगा, इस सदन में नये सदस्य हूँ, सीखना चाहता हूँ और जो भी उपलब्धि हैं विभाग का उसी उपलब्धि को बार बार सदन में पेश करना चाहता हूँ और सरकार की जितनी भी उपलब्धि हैं उसकी जानकारी देता हूँ ।

सभापति महोदय, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग द्वारा राज्य में खेल एवं खिलाड़ियों के हित के कई कल्याणकारी योजनायें संचालित किये जा रहे हैं जिनमें खिलाड़ी कल्याण कोष, राज्य खेल संघों को आर्थिक सहायता, मुख्यमंत्री खेल विकास योजनान्तर्गत राज्य के प्रत्येक प्रखंडों में आऊटडोर स्टेडियम निर्माण की योजना, राज्य के प्रतिभावान विद्यालय खिलाड़ियों के लिए एकलव्य राज्य आवासीय खेल प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना के साथ ही राज्य में जिला एवं प्रखण्ड स्तर पर निर्मित स्टेडियमों के रखरखाव के साथ ही इसकी उपयोगिता हेतु स्टेडियम प्रबन्धन समिति की गठन की स्वीकृति के साथ ही स्थानीय खिलाड़ियों को नियमित रूप से खेल प्रशिक्षण सुविधा प्रदान किए जाने के उद्येश्य से गैर आवासीय (कम एण्ड प्ले) योजना कार्यान्वित की जा रही है ।

सभापति महोदय, खेल विकास योजनान्तर्गत राज्य के सभी 534 प्रखण्डों में आऊट डोर स्टेडियम की योजना हैं अब तक 239 स्टेडियम के निर्माण की स्वीकृति दी जा चुकी है विभाग के द्वारा और सरकार के द्वारा । 80 स्टेडियम का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका हैं । राज्य के प्रतिभावान खिलाड़ियों को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की प्रशिक्षण सुविधा प्रदान किए जाने के उद्येश्य से राजगीर में 90 एकड़ भूमि पर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की स्पोर्ट्स अकादमी एवं आधुनिक क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण हेतु 6 अरब 33 करोड़ रूपये की प्रशासनिक स्वीकृति भी दी गयी है विभाग के माननीय मंत्री महोदय द्वारा ।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से, अभी दो-चार दिन पहले की बात हैं, माननीय मुख्यमंत्री, महागठन्धन की सराकार एवं माननीय खेल मंत्री महोदय को हार्दिक बधाई देना चाहता हूँ कि क्रिकेट संबंधित जो बिहार राज्य का 16 साल तक रूका हुआ था, बच्चों को क्रिकेट के लिए जो तरस था, क्रिकेट बिहार से कहां चला गया, हमलोगों बाहर खेलने जाना सब बंद था, बहुत बड़ी उपलब्धि इन लोगों के द्वारा हुई है, महागठबन्धन सरकार के द्वारा, इसमें बी.सी.सी.आई. की ओर से पूर्ण मान्यता मिली हैं, सभी लोग जानते होंगे । इससे बिहार में क्रिकेट की एक नई दौर की शुरूआत होगी, बिहार के क्रिकेटर भी अपने राज्य के झंडे के तले दूसरे राज्यों के क्रिकेटरों की तरह बी.सी.सी.आई. के टूर्नामेंट में हिस्सा ले सकेंगे । सभापति महोदय, अब तक हमारे क्रिकेटर क्रिकेट के बड़े मैंचों के सुविधा से महरूम थे अब उन्हें सारी सुविधायें, हमारे बच्चें को मिलेगी इस राज्य में । अब बिहार में रणजी ट्रॉफी एवं आई.पी.एल. मैंच भी हो सकेगा । खेल के माध्यम से युवाओं का सर्वांगीण विकास एवं अर्न्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार करना छात्र एवं युवा कल्याण निदेशालय का मुख्य उद्येश्य है । हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यान चंद के जन्म दिवस 29 अगस्त को राष्ट्रीय एवं अर्न्राष्ट्रीय स्तर के ख्यातिप्राप्त खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाता है सरकार के द्वारा एवं विभाग के द्वारा । इस वर्ष भी 250 खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया है कला संस्कृति विभाग की ओर से । सभापति महोदय, राज्य के सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण, सम्बर्द्धन, विकास एवं प्रचार करना सांस्कृतिक कार्य विभाग का मुख्य उद्येश्य है । चाक्षुप एवं कला के क्षेत्र में राज्य, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों द्वारा कृष्ण मेमोरियल हॉल में, देश-विदेश के कलाकारों द्वारा हाल में रवीन्द्र भवन में, 8 राज्यों के कलाकारों द्वारा भारतीय नृत्य कला मंदिर में राज्य स्तरीय लोकनृत्य का कार्यक्रम भी किया गया है । जिला स्थापना दिवस, जिला युवा उत्सव, बिहार दिवस विद्यापति महोत्सव, बाल्मिकी महोत्सव का आयोजन एवं श्रावणी मेला में सुल्तानगंज, भागलपुर, अबरखा, बांका में भी सांस्कृतिक कार्यक्रम

समयानुसार किया जाता है । महोदय, राजगीर में फिल्म सिटी के लिए भूमि आवंटित है तथा कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा इसकी स्थापना की अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है । महोदय, बिहार राज्य में जितना भी कला संस्कृति का मैक्सीमम कार्य है, है क्या? नालन्दा है, राजगीर है, वैशाली है, इन सब में बहुत सा कार्यक्रम सरकार के द्वारा किया गया हैं जो माननीय सदस्य सभी जानते हैं । सम्प्रति पटना में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के संग्रहालय का कार्य प्रगति पर हैं और पूर्णता: के समीप है। इसके अतिरिक्त गोलघर के भीतर आकर्षक मल्टीमिडिया का लेजर शो भी आयोजन किया जा रहा है । सभापति महोदय, चम्पारण सत्याग्रह की शताब्दी वर्ष के अवसर पर निदेशालय के द्वारा 'हरिटेज वाक' का आयोजन कराया जा रहा हैं जो चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी अभी, अगला महीना में दिनांक 11 अप्रील,2017 को बहुत भव्य आयोजन किया जा रहा है । माननीय मुख्यमंत्री महोदय के दिशा निर्देश में, महागठबन्धन सरकार, हमारे माननीय मंत्री महोदय के द्वारा चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह का 11 अप्रील को भव्य आयोजन किया जायेगा । सभापति महोदय, माननीय मंत्री महोदय कला संस्कृति एवं युवा विभाग का ढ़ेर सारा उपलब्धि है, यदि भर दिन भी बोलेंगे तो कम होगा, सरकार की उपलब्धि जो है उसको बताने के लिए समय चाहिए लेकिन हमलोगों को मात्र दस मिनट का समय मिलता है उसी में बोलना हैं । भारत की गौरवशाली सांस्कृति तथा राजनीतिक इतिहास में बिहार अग्रणी रहा हैं, हमारी सांस्कृतिक विरासत अतीत की सक्रियता और सृजन के जीवंत दस्तावेज है । महोदय, आज मुखबंध में हमारे पंचायती राज माननीय मंत्री महोदय का भी विभाग हैं और खनन् का भी विभाग है, मैं दोनों माननीय मंत्री को आपके माध्यम से आभार प्रकट करता हूॅ और दो-चार बात मैं पंचायती राज पर बोलने के लिए चाहता हूॅं । एक मिनट में समाप्त करता हूॅ महोदय । राज्य के सभी ग्राम पंचायतों में पंचायत सरकार भवन के निर्माण का लक्ष्य है । 709 पंचायत सरकार भवनों का निर्माण का कार्य पूर्ण हो गया तथा 421 भवन निर्माणाधीन हैं । पंचायत आम चुनाव 2016 में त्रिस्तरीय पंचायतों एवं ग्राम कचहरियों के लगभग 2 लाख 59 हजार प्रतिनिधि चुनकर आयें हैं जिनमें से आधी से अधिक संख्या महिला प्रातिनिधियों की है, यह भी देन हमारे माननीय मुख्यमंत्री महोदय, विकास पुरूष का देन हैं, महागठबन्धन सरकार की देन है, जो कि 35 प्रतिशत आरक्षण महिला को जो मिला है आज उसी का फलाफल है । सभापति महोदय..

सभापति (डा0 अशोक कुमार): अब आप समाप्त करें ।

श्री निरंजन कुमार मेहता : मैं अपने क्षेत्र की बात रखना चाहता हूॅ, मुझे अवसर दिया जाय । मैं माननीय मंत्री महोदय का ध्यान आकृष्ट करूंगा, महोदय हमारे विधान सभा क्षेत्र में चार प्रखण्ड है, मैं माननीय मंत्री महोदय का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूॅ,

सभापति के द्वारा माननीय मंत्री महोदय का ध्यान मैं एक मिनट आकृष्ट करने के लिए चाहूंगा, हमारे विधान सभा में चार प्रखण्ड हैं, एक मुरलीगंज प्रखण्ड में 20.10.2011 में ही एक स्टेडियम हमारे राजकीय उच्च विद्यालय, अमारी में स्वीकृति दी गई सरकार के द्वारा लेकिन कार्य बंद हैं, कार्य हो नहीं रहा हैं, हम बराबर घूमते हैं और देखते हैं और मेरा आग्रह है कि हमारे क्षेत्र में उदाकिशनगंज, ग्वालपारा का और बिहारीगंज का माननीय मंत्री महोदय के सम्पर्क में हैं, इन तीनों प्रखण्ड में स्टेडियम का निर्माण कराया जाय । मैं आपसे अनुरोध करता हूं इस सदन में आपके माध्यम से और आपने मुझे बोलने का मौका दिया, सदनके सभी माननीय सदस्य बहुत शांतिपूर्वक सुने, मैं सबों का आभार व्यक्त करता हूँ ।

टर्न-21/ज्योति
24-03-2017

सभापति(डा0 अशोक कुमार): माननीय सदस्या, श्रीमती अरुणा देवी ।

श्रीमती अरुणा देवी : सभापति महोदय, मैं कला संस्कृति एवं युवा विभाग के कटौती प्रस्ताव के पक्ष में बोलने के लिए खड़ी हुई है । महोदय, सबसे पहले मैं आपकी आभारी हूँ कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया और अपनी पार्टी के प्रति भी आभारी हूँ कि सदन में मुझे बोलने का मौका दिया गया ।

सभापति महोदय, स्वस्थ तन में ही स्वस्थ दिमाग की परिकल्पना की जा सकती है और स्वस्थ तन रखने के लिए खेल-कूद, सांस्कृतिक आदान-प्रदान के साथ-साथ विरासत को भी जानना आवश्यक है। सभापति महोदय, कला संस्कृति एवं युवा विभाग योजना मद की राशि खर्च करने से काफी पीछे चल रही है । महोदय, कला संस्कृति एवं युवा विभाग के बजटीय राशि को देखने पर पता चलता है कि वित्तीय वर्ष 2016-17 के मुकाबलले 2017-18 में 11.16 करोड़ की कुल बजटीय राशि की बढ़ोत्तरी की गई है वहीं योजना मद की राशि में भी 6.15 करोड़ रुपये की राशि की बढ़ोत्तरी की गयी है।

महोदय, 2016-17 में भी स्वीकृत योजना मद की राशि को विभाग द्वारा खर्च नहीं किया गया और यही स्थिति 2017-18 की है । अब तक विभाग द्वारा मात्र 28.97 प्रतिशत तक की योजना मद की राशि खर्च की गई है जबकि वित्तीय वर्ष समाप्ति की तरफ है ।

महोदय, सरकार देशी खेलों के विकास हेतु तत्पर नहीं है। महोदय, आज राज्य में प्रतिभावान खिलाड़ियों की कमी नहीं है परन्तु सरकार द्वारा

उन्हें उचित सुविधा नहीं मिलने के कारण वे राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान नहीं बना पा रहे ।

महोदय, सरकार द्वारा राज्य के प्रत्येक जिले में बॉलीबौल, ताईक्वाण्डो, वेट लिफ्टिंग, हॉकी, महिला फुटबौल, कुश्ती एथलेटिक्स, बैडमिंटन आदि खेलों हेतु कोई भी कोचिंग कम्पलेक्स की कोई व्यवस्था नहीं है जिसके कारण खिलाड़ियों को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है तथा खिलाड़ियों को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है तथा खिलाड़ियों का समुचित विकास नहीं हो पा रहा है । सरकार को चाहिए कि इन खेलों के लिए प्रत्येक जिले में कोचिंग कम्पलेक्स की स्थापना करे ।

महोदय, पाटलिपुत्र स्टेडियम के बगल में स्वीमिंग पुल बनाने के प्रति सरकार उदासीन है । महोदय, पाटलिपुत्र स्टेडियम के बगल की जमीन पर स्वीमिंग पुल बनाने का निर्णय लिया गया था परन्तु अभी तक इस पर सरकार द्वारा कोई भी कार्य नहीं किया जा रहा है ।

महोदय, सरकार द्वारा राजधानी के मोईनुल हक स्टेडियम का जीर्णोद्धार का कार्य अभी तक नहीं किया गया है जिसके कारण राज्य में विगत कई वर्षों से कोई अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच नहीं हो पाया है जिसके कारण क्रिकेट प्रेमी काफी निराश हैं परन्तु सरकार अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच कराने के लिए प्रयासरत नहीं है।

महोदय, मुख्यमंत्री खेल विकास योजना का राज्य में बुरा हाल है। महोदय, मुख्यमंत्री खेल विकास योजना में भी सरकार खेल खिलाड़ियों के विकास करने में भी असफल साबित हो रही है । इस योजनान्तर्गत राज्य के सभी 534 प्रखण्डों में आउटडोर स्टेडियम का निर्माण कराया जाना है पर इस मुद्दे पर भी सरकार असफल प्रतीत हो रही है ।

महोदय, बच्चों के लिए शिक्षा के साथ खेल भी अत्यंन्त आवश्यक है। खेलों के विकास के लिए पंचायतवार हाई स्कूल में आउटडोर खेलों की व्यवस्था एवं मध्य तथा प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों के खेलने के उपस्कर तथा अवसर प्रदान करने की आवश्यकता है परन्तु राज्य सरकार का ध्यान इस तरफ से शिथिल के समान है ।

महोदय, दरभंगा के ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय में रखे हजारों दुलर्भ पांडुलिपियॉं जो समुचित रख रखाव के अभाव के कारण नष्ट हो रही है उनके संरक्षण का उपाय करने में सरकार असफल है ।

महोदय, सरकार खेलों के विकास, खिलाड़ियों को सुविधा देने, पंचायत एवं प्रखण्ड स्तर पर खेलों के विकास के प्रति उदासीन है इसलिए मैं कला,

संस्कृति एवं युवा विभाग के लिए पेश किए गए कटौती प्रस्ताव का समर्थन करती हूँ ।

सभापति महोदय, मेरा समय बचा नहीं हुआ है ?

सभापति (डा0 अशोक कुमार) : अभी आप बोल सकती है, अभी आपका दो मिनट बचा है, अपने क्षेत्र की बात बोलिये ।

श्रीमती अरुणा देवी : मेरे क्षेत्र में भी तो संस्कृति कार्यक्रम जो खेल कूद होना चाहिए वह भी कहीं नहीं है और पूरी सरकार कहती है कि बिहार में कला संस्कृति जो है पूरे खेल कूद के सारे नवयुवक को व्यवस्था किए हैं लेकिन सरकार जो है झूठी सफल हो रही है । सरकार शराब की बंदी कहते हैं कि पूरे बिहार में शराबबंदी कर लिए हैं और पीठ थपथपा रहे हैं महोदय, लेकिन शराब की घर घर में डेलीवरी हो रही है । रोज शराब लोग पीता है और रोज अपने घर में जो करना है बदमाशी वह बदमाशी करते हैं लेकिन सरकार इस शराब बंदी, झूठे एवं नक्ली घोषित करके, अपनी पीठ थपथपा रही है । महोदय, आप बोलने के लिए मौका दिए हैं इसके लिए बहुत बहुत धन्यवाद।

सभापति (डा0 अशोक कुमार): माननीय सदस्या, श्रीमती बेबी कुमारी ।

श्रीमती बेबी कुमारी : सभापति महोदय, मैं सरकार द्वारा प्रस्तुत कला संस्कृति एवं युवा विभाग में प्रस्तुत मांग पर लाए गए कटौती प्रस्ताव के समर्थन में बोलने के लिए खड़ी हुई हूँ ।

महोदय, कला संस्कृति एवं युवा विभाग एक सफेद हाथी बनकर रह गया है । यही दो चार प्रोग्राम साल भर में करा देने से ही यह विभाग अपनी उपलब्धि मान लेता है । यदि कला संस्कृति एवं युवा विभाग अपने दायित्वों का पूर्णत: निर्वहन करता तो राज्य, देश और विश्व स्तर तक हमारे खिलाड़ी पहुंचते ।

महोदय, हमारे उत्तर बिहार की मधुबनी पेंटिंग विश्व स्तरीय है, परन्तु उसके लिए कोई कार्य अभी तक इस विभाग के द्वारा नहीं किया गया है । महोदय, इसमें पंचायती राज विभाग तथा खान विभाग भी है ।

हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री जी गांधी जी के सपनों को साकार करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता समाचार पत्रों के माध्यम से प्रदर्शित करते हैं, परन्तु सबसे बुरा हाल पंचायती राज संस्थाओं का है । जिला परिषद् जो कभी प्रशासनिक तंत्र की रीढ़ हुआ करती थी, वह आज लगभग समाप्त है। उससे करोड़ों अरबों की योजनाएं भले पारित हो, लेकिन उसमें कमी उंगलियों पर गिने जा सकते हैं ।

पंचायती राज संस्थाओं की स्वायत्तता का हरण करने के लिए सरकार कटिबद्ध है । जिला परिषदों को अपने बोर्ड से निर्णय लेकर नियुक्ति,प्रोन्नति,

ए0सी0पी0 आदि देने की आवश्यकता थी, परन्तु इसका हरण कर पंचायती राज विभाग में वह शक्ति निहित हो गयी है ।

मैं एक उदाहरण देना चाहती हूँ कि वर्ष 2000 में पंचायती राज विभाग द्वारा एक नियमावली बनी जिसके तहत कनीय अभियंता को सहायक अभियंता के पद पर प्रोन्नति दी जानी थी, उसमें प्रावधान किया गया था कि प्रोन्नति के लिए विभागीय सचिव की अध्यक्षता में एक प्रोन्नति समिति गठित होगी और राज्य के जिला परिष्दों में कार्यरत कनीय अभियंता को सहायक अभियंता के पद पर प्रोन्नति देने के लिए अनुशंसा करेगी । उसकी बैठक वर्ष में दो बार करनी थी, परन्तु 17 वर्षों में सिर्फ एक बार बैठक हुई है और अधिकांश कनीय अभियंता सहायक अभियंता बनने के सपनों को संजोये हुए सेवानिवृत हो गए । इस सदन में कई प्रश्न, कई ध्यानाकर्षण इस संबंध में आए, परन्तु विभाग के कान पर जूँ नहीं रेंगी ।

महोदय, पंचायती राज संस्थाओं में जो पंचायत समिति है, जिला परिष्द है, विधायक भी उसके पदेन सदस्य होते हैं, परन्तु उनको वोटिंग राइट नहीं है । इससे स्थिति खराब हो जाती है और पंचायत समिति अथवा जिला परिष्द के सदस्य विधायकों को द्वितीय श्रेणी का सदस्य मानते हैं । इसलिए मैं मांग करती हूँ कि पंचायती राज संस्थाओं में पदेन सदस्यों को भी वोटिंग राइट दिया जाय तथा जिला परिष्द में कर्मियों की प्रोन्नति एवं ए0सी0पी0 के मामले को या तो जिला परिष्द को रेफर कर दिया जाय अथवा तत्काल उसमें निर्णय लेकर अनुशंसा दे दी जाय ।

क्रमशः

टर्न-22/24.3.2017/बिपिन

श्रीमती बेबी कुमारीः क्रमशः सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को धन्यवाद देती हूं कि हमारे क्षेत्र बोचहा में इन्होंने स्टेडियम बनाने का अनुशंसा किया । इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद । आभारी हैं आपने मुझे बोलने का मौका दिया । इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद ।

सभापति(डॉ0 अशोक कुमार): धन्यवाद । माननीय सदस्य अरूण कुमार ।

श्री अरूण कुमार(192) (भोजपुरी का हिन्दी अनुवाद) : सभापति महोदय, आज कला, संस्कृति पर बोलने का सदन में मौका मिला है। महोदय, हमलोगों के कला, संस्कृति के कला के रचईता हमलोगों के भीखारी ठाकुर जी रहे हैं। हमलोगों के उपर पहले जो बीतता था, जो अभी बीत रहा है, उसके लिए उन्हें कोटि-कोटि सदन में हम प्रणाम करते हैं ।

सभापति महोदय, आज हमलोग महागठबंधन के सिपाही हैं । हमारे मुखिया मुख्यमंत्री नीतीश जी हैं, हमारे लालू जी, तेजप्रताप जी, तेजस्वी जी, हमलोगों के राबड़ी जी, कांग्रेस के सोनिया जी, राहुल जी के महागठबंधन से हमलोग आज सदन में हैं । हमलोगों के माननीय मुख्यमंत्री जी ने पटना में म्यूजियम बनाया है, इसके लिए बहुत-बहुत हम इस म्यूजियम के लिए हम बधाई देते हैं ।

आज हरेक जिला में हमलोग खेल-कूद, सभी पदाधिकारी लोग सदन में मौजूद हैं, बाकी खेल-कूद पर ध्यान नहीं दिया जाता है । खेल-कूद के लिए हरेक जिला में एक-एक कोच होना चाहिए जिससे कोच द्वारा नवयुवक लोग, नया लोग को खेल-कूद में अच्छा फायदा मिलेगा । स्टेडियम का सवाल है महोदय । महोदय, जिस तरह से झारखंड में, रांची में इंटरनेशनल स्टेडियम है, उसी तरह से पटना में, राजधानी में भी स्टेडियम होना चाहिए जिससे बिहार के नौजवान साथियों को ज्यादा बेहतर ढंग से खेलने का अवसर मिल सके ।

महोदय, जहां तक फुटबॉल की बात है, 80 परसेंट गरीब-गुरूवा गांव में रहते हैं और ग्रामीण इलाके में पहले फुटबॉल का खेल होता था, पहले बास्केट बॉल होता था, पहले हॉकी होता था, क्रिकेट होता था, कबड्डी होता था, गुल्ली-डंडा होता था । पानी में तैराकी होता था । जो ज्यादा खेल में आगे बढ़ जाते थे, उनको कुश्ती में पहले नौकरी का प्रावधान था । पहले सिपाही जी लोग, दारोगा जी लोग, जमादार साहब लोग को लोग जाहिल कहते थे क्योंकि वे लोग पढ़ल-लिखल नहीं रहते थे, बाकी कुश्ती में जो ज्यादा आगे बढ़त रहे तो कुश्ती में हमलोगों को नौकरी में गांव-विरान रहने वालों को फायदा होता था । इसलिए वह होना चाहिए । स्कूल में पहले एक घंटा अंताक्षरी होता था, गाना होता था । लेकिन मास्टर लोग, जब एक घंटा, जब चार बजता था, तब एक घंटी अंताक्षरी के लिए होता था, फुटवॉल-गाना होता था, वॉलीबॉल होता था, तो वे लोग पहले ही छुट्टी देकर चले जाते हैं । इसलिए हम माननीय मंत्रीजी से कहेंगे कि हरेक स्कूल में ध्यान देने की जरूरत है । साथ ही, स्कूल में टीचर की बहाली होनी चाहिए। साथ ही, खेल-कूद पर ध्यान दिया जाए । हरेक जिला में कुश्ती के लिए प्रतियोगिता होने चाहिए । पूरे बिहार स्तर पर कुश्ती का सरकार के तरफ से बिहार स्तर पर प्रतियोगिता होना चाहिए जिससे गांव के नवयुवकों को इससे फायदा होगा । मुझे जानकारी मिली है कि हमारे क्षेत्र में दंगल फिल्म दिखलाया जा रहा है । दंगल फिल्म में क्या है ? दंगल फिल्म इसलिए दिखाया जा रहा है क्योंकि उसमें कुश्ती ज्यादा दिखलाए गए है । दंगल फिल्म में कुश्ती में आमिर खान हैं । कुश्ती से फायदा है कि ज्यादा मजबूती आती है । पहले लोग मोटा होने के लिए खाते थे, लेकिन अब लोग पतला होने के लिए खाते हैं । पतले होने के लिए रामदेव बाबा के बताए रास्ते पर लोग चल रहे हैं। जब सब जगह स्टेडियम बन जाएगा और लोग उसमें खेलेंगे, तब उनके खेल के

साथ-साथ शारीरिक मजबूती भी आएगी । लोग नि:रोग रहेंगे । तेन्दुलकर भी पढ़े-लिखे कम थे लेकिन खेल में अव्वल हैं । हरेक गांव-गांव में नाटक होते रहना चाहिए । नाटक का प्रतियोगिता होना चाहिए । जिला स्तर पर, ब्लॉक स्तर पर प्रतियोगिता होना चाहिए । तब अभ्यास होता है । कैसे रहं, इसको अभ्यास होता है । अगर नाटक जो करते हैं, उनके फिल्म में जाए में आराम रहता है और नाटक आदि करने से, जैसे भीखारी ठाकुर के नाटक हमलोग करते हैं, विदेशिया नाटक जिससे हम गरीब-गुरूवा कैसे बाहर जाते हैं, नौकरी करने जाते हैं, घर किस तरह भूला जाते हैं, आवे में कितना दिक्कत होता है, परिवार-घर कलपते रहते हैं । तब इस सब नाटक से ज्ञान होता था । अभी हमलोग का नाटक जब होता था, तब बहुत अच्छा होता था ।

बहाली में हमलोगों को सब विभाग में बहाली होता था । अलग लोग खेलते रहते थे । हमलोग कुल जब मिलिट्री में, जब छावनी में जाते हैं, तब हमलोग देखते हैं कि कोई बॉडी बनाते रहते हैं, कोई कुछ कर रहे होते हैं, तब वह तो सेंट्रल का चीज है, इसलिए हम सदन के द्वारा कहना चाहते हैं कि इसपर हमारी सरकार को भी ध्यान देना जरूरी है ताकि हमारे नौजवान, गरीब-गुरूवा जो गांव में रहते हैं, उनको ज्यादा फायदा होगा । नौकरी में भी खेल में आगे बढ़े लोगों को आरक्षण मिलना चाहिए । हमारे जिला में, भोजपुर जिला, आरा जिला में स्टेडियम है । उसमें बहुत गढ़ा है । हम बराबर कहते रहे हैं कि उस गढ़ा को भरा जाए । हम मांग करेंगे कि स्टेडियम हमारे यहां आरा जिला के बनना के चाहिए । हमारे यहां कुंवर सिंह का मैदान है, हम अपने क्षेत्र में माननीय मंत्री जी, कहना चाहते हैं कि हरेक ब्लॉक में एक स्टेडियम दिया जाना चाहिए, हम मंत्री जी को लिखकर दिए हैं कि हमारे यहां तीन ब्लॉक है, बाकी अभी तक वहां स्टेडियम नहीं हुआ है । हम मंत्री जी से गुजारिश करना चाहेंगे कि स्टेडियम के बारे में हमलोगों ने जो लिखकर दिया है, वह हमारे यहां होना चाहिए । महोदय, हम कहना चाहते हैं कि जिला परिषद समिति को पहले जो फंड मिलता था ....

सभापति(डॉ0अशोक कुमार): अब आपका समय समाप्त हो गया अरूण बाबू ।

श्री अरूण कुमार : 20 परसेंट जिला परिषद को मिलता था, मुखिया जी लोग को मिलता था । जिला परिषद, गांव-गांव में लोग जाते हैं तो अभी जिला परिषद जब गांव-गांव में लोग जाते हैं तो जनता भोला-भाला होते है, वे लोग समझते हैं कि आखिर कुछ हमलोगों को नहीं किया जा रहा है, तब हमलोगों से लोग कहते हैं कि हमलोगों को बोलना है कि हमलोगों के बताना पड़ता है कि हमलोग क्या करें, इसलिए हम कहेंगे मंत्री जी से कि फंड निकाल के जिला परिषद को कुछ दिया जाए । इस सदन को कोटि-कोटि हम प्रणाम करते हैं ।

सभापति: ठीक है । अब समाप्त कीजिए । माननीय सदस्य विद्यासागर केशरी ।

श्री विद्यासागर केशरी: सभापति महोदय, आज कला, संस्कृति एवं युवा विभाग द्वारा मांगे गए 1अरब 37करोड़ 55लाख रूपए की राशि का कटौती प्रस्ताव के पक्ष में मैं बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं । मैं अपने माननीय नेता को धन्यवाद देना चाहता हूं । साथ-साथ, आपको भी सभापति महोदय ।

सभापति महोदय, यह देश ऋषि-मुनियों का देश रहा है । यहां की संस्कृति, भारत की जो संस्कृति है, वह उसकी आत्मा है । सिंध और सागर की जो संस्कृति रही है, अरूणाचल और कच्छ की जो संस्कृति रही है, वह भारतीय संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में जाना जाता है महोदय । इस देश में गीता, गायत्री, गोविन्द, गंगा और गाय, इनकी पूजाएं होती रही हैं महोदय । हम भारत को मां के दर्जा के रूप में देखते आए हैं, नदियों को हमने मां की संज्ञा दी है । नदियों में, चाहे कोई भी नदी हो, गंगा, यमुना, गोदावरी, गंडक, कावेरी, नर्मदा, अलखनंदा, मंदाकिनी, रेवती, कोई भी नदियां हैं, उसे हमने भारतीय संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में मां की संज्ञा से परिभूषित किया है महोदय । महोदय, इस देश में हमारे ऋषि-मुनियों ने संस्कृति को बचाने के लिए चार पीठ का पीठासीन शंकराचार्य को पदस्थापित किया है महोदय .... क्रमशः..

टर्न : 23/कृष्ण/ 24.03.2017

श्री विद्या सागर केशरी (क्रमशः) आदि गुरू शंकराचार्य, पूरब में जगरनाथ जी का पीठ, पश्चिम में द्वारकाधीश जी का पीठ, उत्तर में बद्रीनाथ जी का पीठ, दक्षिण में श्वेतवाण रामेश्वर जी का पीठ । इन चारो पीठों में हमारे ऋषियों ने संस्कृति को अक्षुण बनाने के लिये इस परिप्रेक्ष्य को लाया । हमारे ऋषिमुनी इसी क्रम में महामण्डलेश्वर ,पीठाधीश्वर इन सभी की कल्पना के साथ जो भारतीय संस्कृति को अक्षुण रखे, इसके परिप्रेक्ष्य में काम किया है । हमारे जो ऋषिमुनी रहे, इन्होंने शक्तिपीठ का निर्माण करवाया, जिस में मां वैष्णव देवी, चामुण्डा देवी, ब्रजेश्वरी, चिण्डपुनी, ज्वाला, नैना, मंशा, साकुन्दरी, मैहर, विंध्यवासिनी, मां कामख्या, धुमावती, मंगला, छिन्नमस्ता, कमला इस तरह के 51 शक्तिपीठ के रूप में जाने जाते हैं । हमारे ऋषिमुनियों ने इन शक्तिपीठों का जो पीठाधीन शक्तिपीठ के अधिकारी होते हैं, उन्होंने संस्कृति को अक्षुण रखने के लिये काम किया । महोदय, यह देश ऋषिमुनियों का देश इसलिये कहा गया क्योंकि यहां समय-समय पर हमारे इसी धरा के महान भक्तों ने ज्योर्तिलिंग की स्थापना की । चाहे वह सौराष्ट का सोमनाथ का मंदिर हो, सेल का मल्लिका अर्जुन, उज्जैन का महाकालेश्वर, भीम शंकर का मंदिर महाराष्ट्रा में, नागेश द्वारिका वन में, गौतमी के तट पर तीर्थ, त्र्यम्बकेश्वर ये 12 ज्योर्तिलिंग की स्थापना महान भक्तों का परिणाम था, घोर तपस्या के बाद जो ज्योर्तिलिंग की जो स्थापना हुई, वह यहां की संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में ही देखा जाना चाहिए ।

यहां नदियों की जो संरचना है, नदियों की जो अविरल धारा है, उस धारा को अविरल बहने की दिशा में प्रयत्न होना चाहिये । बिहार में जो गंगा नदी आती है, उसमें जो सिल्ट जमा रहता है, उस सिल्ट के निवारण के लिये समय-समय पर कई चर्चायें माननीय मुख्यमंत्री महोदय के माध्यम से हुई थी । हम सभापति महोदय से कहना चाहेंगे कि गंगा को अविरल बनाना है, माननीय प्रधानमंत्री जी का जो सपना है नवामी गंगे का, उस को धरती पर उतारें, बिहार सरकार से मेरा आग्रह रहेगा ताकि गंगा के अविरल धारा को हम बचा सकें ।

महोदय, हम भागवत गीता के संदर्भ में कहना चाहते हैं कि भागवत गीता एक ऐसा ग्रंथ है जो मानव मात्र का ग्रंथ है । महोदय, मैं कहना चाहता हूं ।

सभापति (डा0 अशोक कुमार): एक मिनट में समाप्त करें ।

श्री विद्या सागर केशरी : महोदय, यहां अनादि काल से आर्य और अनार्य की संस्कृति रही है । आर्य की संस्कृति में हम राम और कृष्ण के वंशज हैं और हम अर्जुन जैसे आर्य को देख पाते हैं । हम अनार्य के संदर्भ में काल वन को देख पाते है। यमनों ने इस देश को बहुत क्षति पहुंचायी । सोमनाथ मंदिर को लूटने का प्रयास किया गया ।

सभापति (डा0 अशोक कुमार): ठीक है । अब आप समाप्त कीजिये ।

श्री विद्या सागर केशरी : महोदय, एक मिनट का समय मैं और लेना चाहता हूं । आज दुनिया में मंत्र, तंत्र और यंत्र का युग रहा है । अभी हम जिस परिप्रेक्ष्य में जी रहे हैं, वह यंत्र का युग है । पैट्रियेट मिसाईल से लेकर धरा पर जितनी भी हम व्यवस्था दे रहे हैं, यह यंत्र का ही परिणाम है । महोदय हम इस सभा में आये हैं ।

सभापति (डा0 अशोक कुमार): अब समाप्त कीजिये

श्री विद्या सागर केशरी : महोदय, दो शब्द बोलना चाहता हूं -

यह दुनिया नहीं जागीर किसी की, राजा हो या रंक,
यहां सब हैं चौकीदार,
कुछ तो आकर चले गये, कुछ जाने को तैयार,
खबरदार,खबरदार ।।

श्री आलोक कुमार मेहता, मंत्री : माननीय सदस्य ने जिस विषय की चर्चा की, वे पूरी धार्मिक यात्रा करवा गये बिहार का ।

सभापति (डा0 अशोक कुमार): अच्छा किया न ।

श्री आलोक कुमार मेहता, मंत्री : सभापति महोदय, संस्कृति का संबंध किंवदंती से नहीं, इतिहास से होता है । बिहार के अंदर नालन्दा विश्वविद्यालय, बिक्रमशीला विश्वविद्यालय तमाम तरह के सांस्कृति धरोहर पड़े हुये हैं लेकिन आज भी भाजपा के हमारे साथी उन तमाम व्यवस्थाओं का, जिन का संबंध किंवदंतियों से है, उनकी चर्चा करके सदन का समय जाया करना चाहते हैं ।

सभापति (डा0 अशोक कुमार): माननीय सदस्य श्री ललन पासवान ।

श्री भोला यादव : सभापति महोदय, मैं व्यवस्था के प्रश्न पर खड़ा हूं ।

सभापति (डा0 अशोक कुमार): माननीय सदस्य श्री ललन जी, आप उनकी व्यवस्था सुन लीजिये ।

श्री भोला यादव : सभापति महोदय, हमलोग बिहारवासी हैं । बिहारवासियों के लिये खासकर उत्तर बिहार के निवासियों के लिये देवघर ज्योर्तिलिंग है । देवघर में ज्योर्तिलिंग के रूप में स्थापित है । इन्होंने पार्लिबैजनाथन का जिक्र किया ।

सभापति (डा0 अशोक कुमार): भोला बाबू, व्यवस्था का प्रश्न नियम के अधीन होता है । यह किसी नियम के अधीन नहीं है । माननीय सदस्य श्री ललन पासवान जी, आप अपना भाषण शुरू कीजिये । समय का जरा ध्यान रखा जायेगा, सरकार का उत्तर भी होगा ।

श्री ललन पासवान : सभापति महोदय, बिहार प्रयोगशाला और पाठशाला है और बिहार में संस्कृति और सभ्यता की आत्मा बसती है । अगर इसको हटा दिया जाय तो भारत का इतिहास अधूरा रह जायेगा ।

(व्यवधान)

(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

अब आप ही के तरफ एक मिनट चले जाते हैं । सरकार बिहार दिवस मनाती है लेकिन डिप्टी सी0एम0 जिनका 80 सीट है, बिहार दिवस के अवसर पर उसका नाम काट देते हैं । पवित्र गठबंधन बनाईये, नापाक गठबंधन मत बनाईये नीरज जी । अध्यक्ष महोदय, आलोक जी संस्कृति की बात कर रहे थे ।

अध्यक्ष : ललन जी, आप आसन की ओर देख कर जो बोलना है, एक मिनट में बोलिये ।

श्री ललन पासवान : सर,अभी तो हम शुरू ही किये हैं ।

अध्यक्ष : इसीलिये एक मिनट दे रहें हैं, नहीं तो बैठ जाने के लिये कहते ।

श्री ललन पासवान : अध्यक्ष महोदय, यहां भारतीय संस्कृति का जो धरोहर था नालन्दा विश्वविद्यालय, बिक्रमशीला विश्वविद्यालय उस की यहां चर्चा कर रहे हैं, हमारे यहां जितने संगीत थे, जितनी संस्कृति थी, यहां अखाड़ा था, सब तो मिट रहा है । नेशनल प्लेयर है अजय पहलवान, उसको 10 हजार रूपया सरकार देती है, वह राष्ट्रीय स्तर का प्लेयर है । यही बिहार का बजट है, यही बिहार की व्यवस्था है । यहां अखाड़े में जो पहलवान लड़ते थे, सरकार उसको 10 हजार रूपया देती है । मैं उसको ले गया था कल राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लालू प्रसाद यादव जी के यहां । इनका सच मैं बताता हूं । हम ने कहा कि सरकार इनको 10 हजार रूपया देती है । यह राष्ट्रीय स्तर का पहलवान है। बिहार सरकार बजट पेश की है संस्कृति, कला एवं युवा विभाग का । एक मिनट सुन लिया जाय । मेरा समय बचा हुआ है ।

अध्यक्ष : अब समाप्त कीजिये ।

श्री ललन पासवान : एक मिनट सर । शेरगढ़ किला और शेरशाह का किला । भारत का विख्यात बादशाह शेरशाह थे । उस के तलाब को जाकर देख लीजिये । उस तालाब में अगर कुत्ता गिर जायेगा तो मर जायेगा, आदमी की बात छोड़ दीजिये, अगर वह गलती से उसमें गिर जाय । इलियास साहब ईशारा कर रहे हैं, बहुत दिन वह मंत्री रहे हैं, कभी तालाब को साफ नहीं करायें, यही आप सुनना चाहते हैं ।

अध्यक्ष : आप का समय जा रहा है ।

श्री ललन पासवान : महोदय, ताराचंडी धाम, गीताश्री धाम, लहवर माई, भलुनी धाम, कैमूर मुंडेश्वरी हमारे यहां पर्यटन की असीम संभावनायें हैं लेकिन कहीं सड़क, कहीं बिजली का अभाव है । दूसरी बात कह रहे हैं कि हमारे यहां आज से 10 हजार 20 हजार वर्ष पूर्व आदि मानव रहा करते थे पहाड़े पर । 100 शिलालेख है ।

अध्यक्ष : अब आप समाप्त कीजिये । माननीय सदस्य श्री सुदामा प्रसाद,आप शुरू कीजिये ।

टर्न-24/राजेश/24.3.17

श्री सुदामा प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, मैं आपका आभार व्यक्त करता हूॅं कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया । महोदय, मैं कटौती प्रस्ताव के खिलाफ में हूॅं, तो अभी कला संस्कृति विभाग की ओर से जो तीन पुस्तकें दी गयी हैं, उसमें देखा कि कहीं भी पटना कला महाविद्यालय का जिक्र नहीं है । महोदय, 1939 में इसकी स्थापना हुई थी और यह महाविद्यालय झारखंड और बिहार का एकलौता महाविद्यालय है और पिछले कई सालों से वहॉं स्थायी प्राचार्य की नियुक्ति नहीं है बल्कि प्रभारी प्राचार्य है श्री चन्द्रभूषण श्रीवास्तव, जिनपर छात्र विरोधी, दलित विरोधी, महिला विरोधी होने का आरोप है और आपको आश्चर्य होगा महोदय कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने जिस शिवेन्द्र नारायण सिंह को पिछले मद्य निषेध दिवस के अवसर पर शराबबंदी पर बनाये गये पेंटिंग के लिए सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार दिया, उनकी इन्होंने पिटाई की अपने चैम्बर में, जिस छात्र सनातन मंडल को माननीय कला, संस्कृति मंत्री ने पुरस्कार दिया, उनको बाथरुम से खींच करके पिटाई करवायी प्राचार्य महोदय ने और मैं तो यह कहना चाहता हूॅं कि वहॉं राजेन्द्र प्रसाद जो प्रथम राष्ट्रपति थे, उन्होंने पिकासो की मूर्ति दी थी आर्ट गैलरी मे, वह मूर्ति चोरी हो गयी, पेंटिंग चोरी हो गयी है, कई मूर्तियॉं चोरी हैं, छात्रों ने महात्मा बुद्व के नाम पर जो जीवन दिखलाया था, उन सबको इन्होंने बुलडोजर लगवा कर ढ़हवा दिया है, तो मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करना चाहता हूॅं कि एक तरफ सरकार कला, संस्कृति को आगे बढ़ाना चाहती है, तो ऐसे प्राचार्य को रख करके कौन सा कला, संस्कृति का विकास होगा ? अब मैं आपके माध्यम से सरकार से चाहता हूं कि हमलोगों का आरा में जो एक स्टेडियम है, उसका सौंदर्यीकरण किया जाय ।

अध्यक्ष: ठीक है । माननीय सदस्य श्री राजू तिवारी ।

श्री राजू तिवारी : अध्यक्ष महोदय, मैं विपक्ष द्वारा लाये गये कटौती प्रस्ताव के पक्ष में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ । महोदय, मैं मोतिहारी जिला के गोविन्दगंज विधान सभा क्षेत्र से आता हूँ, महोदय, जब आप सुबह निकलिये, मैं सरकार का ध्यान ले जाना चाहता हूँ धरातल पर, सुबह में दो तरह के लोग टहलते मिलते हैं, कुछ बच्चे दौड़ते हैं और कुछ लोग टहलते हुए मिलते हैं, तो पता करने पर पता चलता है कि ये लोग सुगर के पेसेन्ट हैं और बच्चों से पूछने पर पता चलता है कि कोई मिलिट्री में बहाली के लिए तैयारी कर रहा है, कोई पुलिस की बहाली की तैयारी कर रहा है, तो कहीं भी यूथ में, कोई भी बच्चा ऐसा नहीं मिलता है, जो 100 मीटर दौड़ की तैयारी करता हो, क्रॉस कंट्री दौड़ की तैयारी करता हो या मैराथन के दौड़ की तैयारी करता हो । महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूँ कि आप हरेक प्रखंड में स्टेडियम बना देंगे, उसके एवज में आपको कुछ मिलने वाला नहीं है, जब तक वहाँ पर बढ़िया ट्रेनर नहीं दीजियेगा, जब तक छात्रों का भविष्य खेल में नहीं दिखेगा, तब तक कुछ होने वाला नहीं है । महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूँ कि खेल में युवाओं का भविष्य नहीं दिखेगा, हर विभागों में नौकरी नहीं मिलेगा, मैं तो यहाँ तक आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूँ कि अनुबंध पर भी जो बहाली हो रही है, उसमें भी खिलाड़ियों का रिजर्वेशन हो.............

(व्यवधान)

अध्यक्ष: ठीक है ।

श्री राजू तिवारी: महोदय, अभी तो एक मिनट भी नहीं हुआ है । हम कभी भी जबरदस्ती नहीं करते हैं सर ।

अध्यक्ष: आप तो इतनी बात बोल लिये ।

श्री राजू तिवारी: महोदय, हमलोग नये सदस्य है, अगर आपका संरक्षण नहीं मिलेगा महोदय, बीच में टोक देने से विषय से हमलोग भटक जाते हैं । महोदय, प्लस टू में सारे विभाग में जिम की व्यवस्था दी गयी है, दो तीन सालों से देख रहा हूँ, एक बड़ा सा ताला लगा हुआ है, आज उसका कोई सदुपयोग नहीं है महोदय, करोड़ो रुपया हम खर्च कर देंगे, सारी सुविधा दे देंगे लेकिन जब तक गुरु या ट्रेनर की व्यवस्था नहीं होगी, तब तक युवाओं में स्पोर्ट्स का रुचि नहीं होगा । मैं आखिर में दो बातें कहना चाहता हूँ, मेरे विधान सभा क्षेत्र में ....

(व्यवधान)

अध्यक्ष: अब आप समाप्त कीजिये ।

श्री राजू तिवारी: महोदय, हमारे विधान सभा में पहाड़पुर और अरेराज में तो बना स्टेडियम, जो विलुप्त हो गया, तो पहाड़पुर, संग्रामपुर और अरेराज में भी ट्रेनर के साथ स्टेडियम बनवाने की कृपा करें ।

अध्यक्ष: ठीक है । माननीय सदस्य श्री मनोज कुमार । आपको 5 मिनट में देखकर समाप्त करना है ।

श्री मनोज कुमार : अध्यक्ष महोदय, आज मैं अपनी पार्टी की तरफ से जो कटौती प्रस्ताव पेश किया गया है, मैं उसके पक्ष में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ । युवा, संस्कृति और कला का जो यह विभाग है, इसमें आवश्यक है कि हम बिहारवासियों को बिहार की वह गौरवशाली अतीत और इतिहास में हम बिहारियों से कहाँ-कहाँ भूलें हुई हैं, उसके बारे में एक विस्तृत डौकुमेंटरी बना करके हर गाँव के, हर बच्चे को, वह दिखाया जाय, मैं याद करता हूँ कि जो ज्ञान का इतिहास बिहार का है, रामायण के काल में जनक विदेह के राजा थे, सीता के माध्यम से हमलोग एक जगत जनिनि का एक अवतार के रुप में सीता को बिहार की धरती से उन्होंने बढ़ करके, एक नारी के स्वरुप में, एक पत्नि के स्वरुप में, एक घर की बहू के स्वरुप में, हमलोगों ने, बिहारवासियों ने, प्रस्तुत करने का कार्य किया है, उसी क्रम में जब महाभारत काल आता है, तो हमलोगों ने वीर जरासंध, हमलोगों ने वीर कर्ण, जो सामाजिक न्याय का, जिसने सामाजिक न्याय के बारे में आवाज उठायी होगी, उसको हमलोगों ने प्रस्तुत करने का कार्य किया है, उसके बाद के काल में हमलोगों ने महावीर वर्द्धवान जो वैशाली से निकले, गौतमबुद्व जो कपिलवस्तु से निकले और पूरे इस विश्व में त्याग का, सम्मान का और एक मध्यम मार्ग अपनाने का जो ज्ञान देने का कार्य किया है, वह बिहारवासियों को ज्ञात है, यह बिहारवासियों को मिला है, महोदय, इसके बाद के कालों में हमलोगों ने कई ऐसे राजवंश दिये, मौर्य का राजवंश दिये, जब हमारे ठीक सरहदों पर यूनान का आक्रमण हो रहा था, महान सिकंदर की सेनाएँ हिन्दुस्तान आर्यावर्त की सीमाएँ से टकरा रही थीं, तब इसी पाटलिपुत्र की धरती से चाणक्य के माध्यम से हमलोगों ने विशाल मौर्य साम्राज्य का स्थापना किया और हमलोगों ने कई ऐसे यूनानी योद्धाओं को हराया और उनके मेगास्थनीज हमारे पाटलिपुत्रा में आये, उसके बाद के कार्यक्रमों में हमलोगों ने अशोक सम्राट को विश्व के महान नेता के रुप में देखा, उसी अशोक सम्राट के बाद में हमलोगों ने बिहार से निकले हुए बौद्ध भिक्छू पूरे दुनिया में फैले, चाहे वह जॉबा गये, सुमात्रा गये, इंडोनेशिया गये, बाली गये, श्रीलंका गये, चाईना गये, कोरिया गये और हमलोगों ने बिहारियत को विश्व में फैलाने का कार्य किया लेकिन उसके बाद फिर हमलोगों में शिथिलता सी आ गयी और पुनः हमलोगों ने अपना गौरव गुप्त के काल में प्राप्त किया और गुप्त के काल में हम बिहारियों को ही गौरव प्राप्त है कि उस भारत के स्वर्णिम काल, हम बिहारियों ने दिया है, अध्यक्ष महोदय, गुप्त के काल के बाद में जब तुर्कों का आक्रमण हमारी सीमाओं पर

होने लगा और हममें भी छय की भावना भड़ने लगी और हम निराशा के दौर में चले गये, उसी दौर में बिहार नेपाल वंश, सेनवंश आपसी लड़ाईयों के कारण से हमलोगों ने गॅवा दिया नालंदा, हमलोगों ने गॅवा दिया अपना विक्रमशीला और मुझे दुख होता है कि हमलोग कहीं सोये हुए अवस्था में रहे होंगे कि मात्र 250 की फौज को ले करके बख्तियार खिलजी ने हमारे नालंदा विश्वविद्यालय को तबाह कर दिया, हमारे विक्रमशीला विश्वविद्यालय को तबाह कर दिया, मुझे उस निराशा के क्षण को भी याद रखना है, हम बिहारियों को उस निराशा का क्षण भी याद रखना है कि हमने अपनी संस्कृति की रक्षा उस समय क्यों नहीं कर पायी, हमारा मान मर्दन कैसे हुआ, हमारे सीने पर तुर्की फौजें कैसे चली और मैं स्पष्ट मानता हूँ कि गुप्तों के काल में हमारा पूरा बिहार जातियों में बॅट गया था, हम जातियों, समूहों में बॅट गये थे, हमलोगों में एकता का अभाव था, मैं जब मौर्यकाल का इतिहास पढ़ता हूँ, तो मैं यह देखता हूँ कि मौर्यकाल के इतिहास में सारे जातियों का सम्मिश्रण था, यहाँ तक महिलाओं का सम्मिश्रण था, उस समय हमलोगों ने कई वर्गों का समर्थन लिया था और एक श्रेष्ठ शासन की व्यवस्था की थी, अब हमें भविष्य में भी उसी इतिहास से सीखना है, जब अंग्रेजों का समय आया और जब अंग्रेज पलासी के वार के बाद सात साल के अंदर में हम बक्सर का युद्ध लड़ रहे थे, हमलोगों ने मीर कासिम को मुंगेर से भागते हुए बनारस के दूर तक जाते हुए देखा है और उस समय में भी महज सात साल के अंदर में अंग्रेज की फौज पलासी से चलकर पूरे बिहार को रौंधते हुए बक्सर तक पहुंच गयी थी, तो हमलोगों को वह क्षण याद है और जब हमारा स्वाभिमान फिर जगा, तो हमलोगों ने जब बंगाल रेजिमेंट का विद्रोह हुआ, तो निश्चित रुप से उस समय बिहारी सिपाहियों ने विद्रोह किया था, ऐन समय में अगर हमलोग दानापुर छावनी के विद्रोह को सॅभाल लिये होते, तो आज वीर कुंवर सिंह जी की कुर्वानी नहीं जाती, आज वीर कुंवर सिंह जी ने हमलोगों को पुनः गौरव प्रदान किया और हमलोगों ने एक बड़ी लड़ाई लड़ी अंग्रेजों के खिलाफ लेकिन समय हमारा साथ नहीं था, हम बिहारियों के साथ समय साथ नहीं था, फिर भी हमारा स्वाभाविमान नहीं टूटा, लोगों ने चंपारण सत्याग्रह के साथ ही स्वतंत्रता संग्राम का विगुल फूंका और यह पूरे भारतवर्ष में महात्मा गॉधी जी के नेतृत्व में चलाया गया, यह एक अभिनव प्रयोग था, तो हम बिहारियों का जो इतिहास रहा है स्वतंत्रता के पहले और स्वतंत्रता के बाद भी महान किसान आंदोलन स्वामी सहजानंद के नेतृत्व में चलाया गया, साथ ही यह भारत के इतिहास में, विश्व के इतिहास में जार मजदूरों का जो आंदोलन किया था, तो हमलोगों ने कई बातें जो हमारे इतिहास में दर्ज है, तो हमलोगों को उसको डौकुमेंटरी फिल्म के रुप में दिखलाना चाहिए ।

टर्न-25/सत्येन्द्र/24-3-17

अध्यक्ष: अब एक मिनट में ।

श्री मनोज कुमार : जी एक मिनट में कह दूंगा । भृगु और चमन ऋषि का क्षेत्र रहा है इसलिए मंत्री महोदय का मैं ध्यान आकृष्ट करना चाहूंगा कि हमारे देवकुण्ड में एक शिवलिंग है जिसे नीलम के पत्थर का माना जाता है और उसकी गहराई का अंदाजा नहीं है, वहीं पे चमन ऋषि का आश्रम है और सदियों से यह कुण्ड प्रज्जवलित हो रहा है और उस कुण्ड को अब संरक्षण की जरूरत है तो इसलिए मेरा आग्रह होगा कि उसे राजकीय स्मारक घोषित करने का काम किया जाय और हमारे यहां जो मेला लगता है जहां भृगु ऋषि का आश्रम है जहां पालकालीन मूर्तियां है, माँ भवानी की मूर्त्ति है और अनंतकाल से कार्तिक पूर्णिमां के अवसर पर कई दिनों का मेला लगता है, वहां पर भी आप टीम भेजें और उसको संरक्षित करने का काम करे । हमारे यहां एक महान सूफी संत अमजरशरीफ का मजार है वहां भी उसे सूफी सर्किट से जोड़ने का कार्य किया जाय और महोदय मैं आपके माध्यम से आग्रह करना चाहूंगा कि पुरातत्व विभाग के टीम को वहां जल्द से जल्द भेजकर के उसे संरक्षित किया जाय और उन तमाम जगहों पर जन सुविधाएं बहाल की जाय और इसी आशा और विश्वास के साथ मैं अपनी बातों को समाप्त करता हूँ ।

अध्यक्ष: श्री संजय कुमार सिंह। आप 5 मिनट में सारी बात कह डालियेगा, सरकार का जवाब भी होगा ।

श्री संजय कुमार सिंह: धन्यवाद अध्यक्ष महोदय जी, आज मैं कला संस्कृति और युवा विभाग के अनुदान मांग के पक्ष में और विपक्ष के कटौती प्रस्ताव...

अध्यक्ष: विभाग से तो आप विशेष रूप से जुड़े हुए भी हैं ?

श्री संजय कुमार सिंह: जी । मैं सबसे पहले धन्यवाद दूंगा महागठबंधन के नेता आदरणीय श्री नीतीश कुमार जी का, मैं धन्यवाद दूंगा मेरे लिए मेरा भगवान और दबे कुचले की आवाज और राष्ट्रीय जनता दल के माननीय अध्यक्ष श्री लालू प्रसाद यादव जी का, मैं धन्यवाद दूंगा बिहार के भविष्य दृष्टा युवाओं के दिल के धड़कन और युवा सम्राट माननीय उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव जी का भी और आभार व्यक्त करता हूँ तेज प्रताप जी का भी और कला संस्कृति मंत्री शिवचन्द्र राम जी का भी मैं आभार व्यक्त करता हूँ । राजनीतिक गुरू के रूप में हमारे पिता तुल्य इलियास साहब को भी मैं धन्यवाद दूंगा चूंकि उन्होंने हर मोड़ पर मुझे हमेशा साथ देने का काम किया है । आज अध्यक्ष महोदय, कुछ महीने पहले हमने इसी जगह कुछ मुद्दे को, फिल्म के मुद्दे को उठाया था मैंने बिहार में फिल्मों के विकास को लेकर कई बातें कहा था । माननीय मुख्यमंत्री जी को और अपने उप मुखिया तेजस्वी प्रसाद यादव जी को धन्यवाद एक बात के लिए

दूंगा कि पूरे भोजपुरी इंडस्ट्रीज के तमाम कलाकारों के तरफ से भोजपुरी भाषा को 8वीं अनुसूची में डालने का केन्द्र सरकार को जो अपनी अनुशंसा भेजने का काम उन्होंने किया इसके लिए मैं दिल से धन्यवाद देता हूॅ । सबसे पहले मैं एक बात बोलूंगा कि उस दिन से आज का दिन ऐसा दिन है कि एक दो नहीं बल्कि तीन-तीन फिल्म फेस्टिवल बिहार के धरती, पटना की धरती पर करने का काम कला संस्कृति मंत्री जी ने करवाने का काम किया और बिहार के गौरव को आज देश के कोने कोने में हमारा महानगर मुंबई जो है वहां भी पत्रकारों ने प्रमुखता से छापने का किया जो फिल्म फेस्टिवल का काम यहां इन्होंने करने का काम किया माननीय मुख्यमंत्री जी ने जो करने का काम किया हालांकि यहां बात फिल्मों की हो रही है लेकिन मैं प्रकाश उत्सव का भी जिक्र करना चाहूंगा चूंकि आज दुनिया में बिहार का सम्मान बढ़ाया है हमारे महागठबंधन की सरकार की यह बड़ी उपलब्धि मानी जायेगी । मैं फिर से हमारे बिहार का गौरव बढ़ाने वाली हमारी महागठबंधन की सरकार के मुखिया माननीय नीतीश कुमार जी और उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव जी का मैं दिल से धन्यवाद देता हूॅ। हम बिहार वासी है हमारा एक गौरवशाली इतिहास रहा है इस इतिहास को हम किताबों में पढ़ते हैं और उनसे जुड़े तथ्य से अधिकतर लोग जुड़ नहीं पाते हैं मुझे गर्व है कि हमारे महागठबंधन की सरकार ने राजधानी पटना में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के संग्रहालय का निर्माण किया । बच्चे देश के भविष्य होते हैं अध्यक्ष महोदय, सभी एक जैसे नहीं होते है किसी को पढ़ाई में मन लगता है तो किसी को खेलकुद में, हम लोग अपने बचपन में झांके तो हमारे पास खेल कुद के लिए क्या था आम के बगीचों में ढेला मारकर आम तोड़ने का काम करते थे खेत खलिहान में कबड्डी खेलने का काम करते थे आज हमारे महागठबंधन की सरकार में कम से कम हर प्रखंड में स्टेडियम बनाने का काम किया गयाहै उससे आज हमारे बच्चों को वहां पर खेलने का मौका मिलता है । हमारी सरकार ने इसमें बढ़ावा देने के लिए कदम बढ़ाया है।

अध्यक्ष: संजय जी, आपकी फिल्म रिलीज हुई कि नहीं, यह भी बता दीजिये न ।

श्री संजय कुमार सिंह: हमारा फिल्म रिलीज हो गया है और दो फिल्म रिलीज होने वाली है । जब बात कला की है तो मैं एक बात जरूर बोलूंगा कि जितना इज्जत मैं लालू जी और भगवान को करता हूॅ..

अध्यक्ष: इसीलिए हमने आपको स्मारित किया कि आपके फिल्म की बात है कला एवं संस्कृति विभाग से जुड़ा हुआ मामला है और आप बोल नहीं रहे थे उसके बारे में एक मिनट बोलकर बात खत्म कर दें ।

श्री संजय कुमार सिंह: मैं सबसे पहले बोलूंगा कि जितनी इज्जत मैं भगवान का करता हूॅ जितनी इज्जत मैं भगवान और लालू जी का करता हूॅ उतने ही इज्जत मैं आपका और सदन का करता हूॅ । फर्क सिर्फ इतना है कि भगवान कुदरत है और लालू जी मेरे लिए कुदरत हैं

आप मेरे लिए जन्नत है और यह सदन मेरे लिए जन्नत है और बात रही सर सदन की तो हमारे विपक्ष के नेता गार्जियन हमारे बड़े भाई प्रेम कुमार जी का तो मैं जरूर चाहूंगा कि उनके लिए भी एक शब्द बोलूं अगर आप इजाजत दें तो । बात आपने फिल्म की कर दी और कला की कर दी तो कुछ तो बोलना ही पड़ेगा और बड़े भाई गौर से सुनियेगा क्योंकि 7 नवम्बर, 2015 को सब लोग सपना देखा, हमने भी सपना देखा आपने भी सपना देखा कि शायद इधर बैठें हैं उधर बैठते, तो आपके लिए एक छोटा सा शब्द है कि रात सोया तो एक सपना देखा, रात सोया तो एक सपना देखा और अरूण जी से सुबह सब बतलाने लगा, अरूण जी बगल में बैठे हुए हैं, रात सोया तो एक सपना देखा, सुबह आंख खुली तो बिस्तरों से उठने लगा, यह एक ऐसा पानी पिया फिर गला सुखने लगा कि शायद उधर बैठते तो आपका गला नहीं सुखता और बात हमारे तारकेश्वर जी ने एक शब्द बोला और हमारे ललन जी ने तो सर एक शब्द बोलूंगा कि जो काम फिल्म का और जो भी कला के क्षेत्र में किया है मंत्री जी ने तो बहुत अच्छा किया है और सारे लोग के सामने पटल पर रखा गया था सदन में भी रखा गया था जब बात कला की है तो सुन लिया जाय, दो शब्द बोलूंगा कि ललन जी ने और हमारे तारकेश्वर जी का बड़ा कॉमेंट होता है, प्रमोद जी ने भी कॉमेंट दिया कि नाम तेजस्वी यादव जी का कहीं नहीं होता है यहां नहीं होता वहां नहीं होता है, पता नहीं क्यों तकलीफ इन लोगों को होती है। इस दुनिया में माचिस की जरूरत नहीं पड़ती आज के डेट में इस दुनिया में माचिस की जरूरत नहीं पड़ती क्योंकि इंसान इंसान से जलता है। हमारे देश के बड़े बड़े साईंटिस्ट यह ढूढ़ने में लगे हैं कि मंगल ग्रह पर जीवन है या नहीं लेकिन हमारे विपक्ष को कभी ये नहीं ढूढ़ने में लगा कि हमारे जीवन में मंगल है कि नहीं । हमारे तारकेश्वर जी ने कह ही दिया चंदन जी के बात पर कि प्रधानमंत्री जी का मुद्दा निकल गया उन्होंने बोला कि प्रधानमंत्री बनेंगे हमारे नीतीश कुमार जी तो बात तो सही है उस पे एक छोटा सा बोलूगां, ध्यान से सुनियेगा-कल हिन्दुस्तान और बिहार के धरती पर किसी प्रधानमंत्री का नाम लिखा जायेगा यानी किस्तों में हम सबों का कत्ल किया जायेगा, आज छुपा लेंगे आप अपने आंखों की नमी, कल आपसे अखबार पढ़ा नहीं जायेगा, थोड़े देर के लिए धूप से बचना क्या है तारकेश्वर जी, साथ से साया भी चला जायेगा, कब बन के भरकेंगे हम सबों के लिए सोने की लकीर, जब कल प्रधानमंत्री नीतीश कुमार के सिवा किसी दूसरे का नाम न लिखा जायेगा और बिहार में तेजस्वी यादव के सिवा मुख्यमंत्री के दूसरा नाम न लिखा जायेगा । धन्यवाद, अध्यक्ष महोदय।

श्री अत्री मुनी उर्फ शक्ति सिंह यादव: अध्यक्ष महोदय...

अध्यक्ष: क्या है अत्री जी आपका, अब समय वर्बाद मत कीजिये, क्या है आपका ।

श्री अत्री मुनी उर्फ शक्ति सिंह यादवः मैं कहना चाहूंगा चूंकि सरकार का उत्तर होना है इस राज्य के अन्दर में युवाओं ने कई बार राज्य के स्तर पर मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री जी बैठे हैं तेजस्वी यादव जी युवा आयोग के गठन के सवाल पर लंबी (व्यवधान) हम कहना चाहते हैं राजस्थान एवं कई राज्यों में युवा आयोग का गठन हुआ है और आज का दिन इस बिहार के स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जायगा इसलिए सरकार युवा आयोग के गठन की घोषणा करे ताकि युवाओं के शैक्षणिक कार्य ,सामाजिक और उसके रोजगार के आकलन.

अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, अब सरकार का उत्तर होगा। माननीय मंत्री, कला संस्कृति एवं युवा विभाग ।

सरकार का उत्तर

श्री शिवचन्द्र राम, मंत्रीः माननीय अध्यक्ष महोदय, आज कला संस्कृति युवा विभाग के संबंध में सभी साथी ने और खासकर माननीय श्री राजेन्द्र कुमार जी माननीय श्री चन्द्रसेन प्रसाद जी माननीय श्री तारकिशोर प्रसाद जी माननीय श्रीमती सुनीता यादव जी माननीय श्री सुनील कुमार जी माननीय श्री लक्ष्मेश्वर राय जी माननीय श्री श्याम बाबू प्रसाद यादव जी माननीय श्रीमती अनिता भूषण जी माननीय श्री चंदन कुमार जी माननीय निरंजन कुमार मेहता जी माननीय श्रीमती अरूणा देवी जी माननीय श्रीमती बेबी देवी जी माननीय श्री अरूण यादव जी माननीय श्री विद्या सागर केशरी जी माननीय श्री ललन पासवान जी माननीय श्री सुदामा प्रसाद जी माननीय श्री राजू तिवारी जी माननीय श्री मनोज कुमार जी और माननीय श्री संजय कुमार जी, माननीय 19 हमारे सदस्य और माननीय अरूण कुमार सिन्हा जी के द्वारा जो कटौती प्रस्ताव लाया गया है । (क्रमशः)

टर्न-26/मधुप/24.03.2017

...क्रमशः...

श्री शिवचन्द्र राम, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, खासकर जितने माननीय सदस्यों ने कला संस्कृति विभाग के लिये अपने शब्दों से, खासकर बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार और आदरणीय उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव जी के सहयोग से इनके नेतृत्व में जिस तरीका का कला संस्कृति विभाग ने अपना बिहार में परचम लहराने का काम किया है, हम चाहेंगे कि कला संस्कृति विभाग है, इस विभाग के उत्तर की शुरूआत हम कविता से शुरू करें ताकि कला संस्कृति है, कला एक ऐसी चीज है, संस्कृति एक ऐसी चीज है जिसमें उम्र नहीं देखी जाती है । इसीलिये कविता के माध्यम से हम चाहेंगे कि इसमें हमारे जितने 19 माननीय सदस्यों ने अपना-अपना विचार देने का काम किया है, उसमें इनके सवाल का जवाब भी इस कविता के माध्यम से हम सरकार की तरफ से देना चाहेंगे । अध्यक्ष महोदय,

आसमान तक चमक रहा अपनी संस्कृति का ध्रुवतारा,
कला हमारी लहराती है ज्यों गंगा यमुना धारा ।
ये बिहार है जहाॅं बौद्ध, सिख, जैन फूले-फैले,
रंग-रंग के त्योहार यहाॅं हैं, भाॅंति-भाॅंति के हैं मेले ।
सूफी-संतों की धरती पर नूर बरसता है न्यारा,
छठ गीतों से लहर-लहर इतराती गंगा की धारा ।
इस धरती पर विद्यापति के गीत अभी भी गूंज रहे,
अल्हा रूदल के अफसाने नई चेतना फूंक रहे ।
सामा चाको सा मिथिला का खेल अनूठा है प्यारा,
जट, जटिन, झिझिया, झुमर, फगुआ, चैता को सुरधारा ।
बिस्मिल्ला खाॅं की शहनाई भारत भर में गूॅंजी है,
लोकतंत्र की पहली स्वर्णिम किरण यहीं पर फूटी है ।
कोशा पाटलि का गुमान है, वैशाली की अम्बा है,
सीता और अहिल्या जैसी नारी रत्न सुगन्धा है ।
वीरा हाजी बेगम ने अंग्रेजों को था ललकारा,
कुॅंवर सिंह और पीर अली ने देश हेतु खुद को वारा ।
लोरिक और विषहरी बिहुला गाथाएॅं गाई जातीं,
सुपज डोम और हीरा की चर्चाएॅं दुहराई जातीं ।
रहसू दुर्गाभक्त आज यादों में आता दोबारा,
जहाॅं किन्नरों की प्रतिभा को देख रहा आलम सारा ।
दसरथ मांझी जिसने पर्वत तोड़ा और बनाई राह,
जहाॅं भिखारी के गीतों ने रचा एक सुन्दर इतिहास ।
यक्षिणी ये दीदारगंज की अब बिहार की है पहचान,
कला और संस्कृति से पाया जिसने एक नया सम्मान ।

अध्यक्ष : मंत्री जी, कला विभाग की प्रस्तुति भी कलात्मक है ।

श्री शिवचन्द्र राम, मंत्री : यह सब आपलोगों की कृपा है, सर ।

(व्यवधान)

गीत भी होगा, जब आप जाने लगेंगे तो उसपर भी मेरा गीत है । कला संस्कृति विभाग है, घबराइये नहीं, आज कला ही कला है ।

अध्यक्ष महोदय, आज के डेट में कला और संस्कृति हमारे जीवन का आधार है । जिस तरीका से...... (व्यवधान)

आप अभी शुरू कीजिये, सुना देते हैं आपके जाने का गीत, हो सके अगर आप रूक जाइयेगा तो गीत हमारा रह जायेगा । तब दूसरा सुनायेंगे । हमको अरूण बाबू, आप पर विश्वास है ।

अध्यक्ष : मंत्री जी, आप जारी रखिये ।

श्री शिवचन्द्र राम, मंत्री : महोदय, आज के डेट में जिस तरीके की स्थिति बिहार के अंदर में माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी, माननीय उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव जी और महागठबंधन के साथियों ने जो इतिहास इस बिहार में माननीय नीतीश कुमार जी ने बनाने का काम किया, वह देश नहीं बल्कि दुनिया के मानचित्र पर आता है । गुरू गोविन्द सिंह जी का 350वाॅं जयन्ती को हम भूला नहीं सकते हैं । 350वाॅं जयन्ती के अवसर पर जिस तरीके का कला संस्कृति विभाग ने बहुत बारीकी से माननीय सरकार के आदेश पर इनके नेतृत्व में जिस तरीके का कार्यक्रम करने का काम किया है, यह काफी सराहनीय है । 90 देश के लोगों ने इसको सराहने का काम किया है । आज के डेट में जिस तरीका का भारतीय नृत्य कला मंदिर जो हमारी संस्था है, ई0जेड0सी0सी0 के अन्तर्गत 9 राज्यों को 9 भाषाओं में हमने वहाॅं संस्कृति कार्यक्रम आयोजित कराने का काम किया है। यही नहीं अध्यक्ष महोदय, एन0सी0जेड0सी0सी0 के माध्यम से रवीन्द्र भवन में हमने 8 राज्यों का उसकी अपनी-अपनी भाषा में संगीत और नृत्य का कार्यक्रम कराने का काम कराया है । प्रेमचन्द्र रंगशाला जो हमारे बिहार का गौरव है, इसमें हमारे बिहार के कलाकारों ने, यह नहीं कि सिर्फ दूसरे प्रदेशों के लोग आये और अपनी संस्कृति एवं नृत्य का कार्यक्रम दिया और बिहार के छुपे हुये जो हमारे कलाकार हैं इनको हमलोगों ने मौका नहीं दिया । बिहार के हमारे 18 ग्रुप के कलाकार हैं, चाहे वह संगीत के क्षेत्र में हों, चाहे वह नाटक के क्षेत्र में हों, चाहे वह नृत्य के क्षेत्र में हों, ऐसे को भी हमने प्रेमचन्द्र रंगशाला में उनको कार्यक्रम आयोजन करने का भी मौका दिया । राष्ट्रीय स्तर, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के कलाकार को भी पहली बार बिहार में इसी गुरू गोविन्द सिंह जी के जन्मोत्सव के अवसर पर हमने श्रीकृष्ण मेमोरियल हाॅल में कार्यक्रम को आयाम देने का काम किया, जिसको पूरे देश के लोगों ने सराहने का काम किया है । अध्यक्ष महोदय, ललित कला अकादमी में हमने यही नहीं किया कि गुरू गोविन्द सिंह जी की जयन्ती के अवसर पर सिर्फ हमने संगीत और कला और नाटक करने का काम किया बल्कि हमने चित्रांकण का भी काम किया और चित्र के द्वारा हमने उसका प्रदर्शन पूरे बिहार के जो चित्रकला है, उसका भी हमने प्रदर्शन करने का काम किया, जिसको भी यहाॅं के लोगों और दूसरे देश-प्रदेश के लोगों ने सराहने का काम किया । यही नहीं इसको चेम्बर ऑफ कॉमर्स में हमने इस तरीका से हमने गुरू गोविन्द सिंह जी पर फिल्में चलवाने का काम किया और फिल्म के माध्यम से उनके जीवन-लीला को दिखाने का काम किया । यही नहीं अध्यक्ष महोदय, हमने एक विरासत यात्रा भी निकालने का काम किया, कहने का

हमारा मतलब था कि विरासत यात्रा गुरू गोविन्द सिंह जी की जो सिटी में मन्दिर है, हमने उस जगह पर यूनिट बनाने का काम किया और गुरू गोविन्द सिंह की जानकारी रखने वाले वैसे जो हमारे लोग थे, उनको नियुक्ति करने का काम किया और जो देश-विदेश के लोग आये, जिन्होंने जानना चाहा, जिन्होंने देखना चाहा कि किस तरीके से कहॉ पर कौन-सी बात है, गुरू गोविन्द सिंह जी कहॉ पर हुये, गुरू गोविन्द सिंह जी ने क्या काम किये, किस तालाब के पास गये, किस नदी के किनारे कैसे क्या हुआ, हमने उस यात्रा के दरम्यान लोगों को समझाने का काम किया । इसके लिये भी बिहार के लोगों को दूसरे प्रदेश के लोगों ने बधाई देने का काम किया ।

यही नहीं अध्यक्ष महोदय, बिहार म्यूजियम हमारा है जो इंटरनेशनल लेवेल का म्यूजियम है, देश में अगर दो से तीन म्यूजियम अगर है तो उसमें एक इंटरनेशनल लेवेल का म्यूजियम हमारा बिहार म्यूजियम भी है । इस म्यूजियम में गुरू गोविन्द सिंह जी साहिब पर पहली बार बिहार में हमलोगों ने ''गुरू गोविन्द सिंह साहेब एण्ड सिखिज्म इन बिहार'', हमने किताब तीन भाषा में - गुरूमुखी, हिन्दी और अंग्रेजी में भी इसको लिखने का काम किया, जिसकी एक-एक कौपी आज हम सभी माननीय सदस्य को भी उपलब्ध कराने का काम किया है कि गुरू गोविन्द सिंह जी की विचारधारा, उनकी सोच, उनकी जो लड़ाई थी, उनका जो कर्त्तव्य था, उसके बारे में हमने प्रमाणित करने का काम किया ।

इस तरीका से बिहार अब वह बिहार नहीं जो बिहार की कल्पना हमारे विपक्ष के साथी कर रहे हैं । हमारे बिहार में तमाम महापुरूष हुये हैं, सपूत हुये हैं । एक साथी हमारे माननीय सदस्य चन्द्रसेन जी ने कहा है कि निश्चित रूप से यह वह बिहार नहीं, जिस बिहार के बारे में दुनिया के मापदंड पर, दुनिया के नक्शा पर जो बिहार है, कहीं भी वैसा नक्शा नहीं देखा गया है । अध्यक्ष महोदय, आप भी कई एक देश की यात्रा कर चुके हैं, कई-एक राज्यों की यात्रा कर चुके हैं, हमारा यह वह बिहार है जहॉ मॉ सीता का जन्म हुआ, यह वह बिहार है जहॉ आर्यभट्ट का जन्म हुआ, यह वह बिहार है जहॉ बाबू वीर कुॅअर सिंह जी का जन्म हुआ, यह वह बिहार है जहॉ जरासंघ का जन्म हुआ, यह वह बिहार है जहॉ पर अहिल्या का जन्म हुआ, यह वह बिहार है जहॉ चन्द्रगुप्त का जन्म हुआ, यह वह बिहार है जहॉ सम्राट अशोक का जन्म हुआ, यह वह बिहार है जहॉ प्रथम इस देश के राष्ट्रपति डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद जी का जन्म हुआ, यह वह बिहार है जहॉ भिखारी ठाकुर जी का जन्म हुआ, यह वह बिहार है जहॉ पर हमारे बाल्मिकी जी का जन्म हुआ । इस तरीका से कई एक हमारा इतिहास है । कला संस्कृति विभाग हर तरह से महोत्सव के रूप में अपने पूर्वजों की याद हम ताजा करते रहते हैं ।

अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से हम इस सदन को बताना चाहते हैं कि आज के डेट में हमारे यहाँ भिखारी ठाकुर जी हुये जो बिहार के एक रत्न ही नहीं, बल्कि देश को उन्होंने सम्मान देने का काम किया जिन्हें भोजपुरी के शेक्सपियर के रूप में जाना गया । ....क्रमशः...

टर्न-27/आजाद/24.03.2017

..... क्रमशः ......

श्री शिवचन्द्र राम,मंत्री : और अंग्रेज जो हमारे यहां थे, उन्होंने राय बहादुर की उपाधि देने का काम किया । ऐसे भिखारी ठाकुर जी जिनके महोत्सव का कार्यक्रम बिहार सरकार ने करना शुरू कर दिया है और कर रही है । अध्यक्ष महोदय, सिर्फ उनकी जयन्ती ही नहीं बल्कि उनके ऊपर लिखी गई किताबों को, उनकी जो कहानी है, उन्होंने समाज को चेतना देने का काम किया है । जब समाज में वे एक गाना गाते थे तो फिर उसको दोबारा नहीं गाते थे । जहां मंच पर बैठते थे, उसको गाने का काम करते थे, उसको बदल देने का काम करते थे । अध्यक्ष महोदय, आज के डेट में हम समझ सकते हैं कि जब अमेरिका में बॉब डिलन गीतकार को, संगीतकार को नोबेल पुरस्कार दिया जा सकता है तो मैं विपक्ष के साथी से कहना चाहता हूँ कि जिनको भोजपुरी का सेक्सपीयर कहा जाता है । जिनको अंग्रेज ने राय बहादुर की उपाधि देने का काम किया था । हम चाहते हैं विपक्ष के साथियों से कि सिर्फ आपको विवाद करने से नहीं, आपको तरह-तरह के बात कहने से नहीं होगा । हम आपसे निवेदन करते हैं कि भिखारी ठाकुर को भारत रत्न भी देने की बात आपके तरफ से होनी चाहिए ।

इसलिए अध्यक्ष महोदय, मैं निश्चित रूप से चाहता हूँ कि हमारे यहां चार भागों में डायरेक्टर को बांटा गया है । कला संस्कृति हमारा है, युवा खेल हमारा, पुरातत्व हमारा है और संग्रहालय हमारा है । हम चारों विभागों को निश्चित रूप से इसके बारे में बताने का काम करेंगे आपके माध्यम से कि हमने क्या-क्या काम अभी तक करने का किया है । अध्यक्ष महोदय, इसको भुलाया नहीं जा सकता है कि आज शताब्दी समारोह हमारे बिहार में मनाया जा रहा है । हम अपने आप को खुशनसीब है और हमारे माननीय मुख्यमंत्री जो विकास पुरूष श्री नीतीश कुमार जी, श्री तेजस्वी जी का जिनका सहयोग हमें और कला संस्कृति को हमेशा मिलता रहा है, जिस तरीके से शताब्दी वर्ष हम सिर्फ एक शताब्दी वर्ष नहीं बल्कि भारत रत्न बिस्मिल्लाह खाँ जो बक्सर जिला के डुमरांव में जन्म लिये, 1916 में जन्म लिये और 2006 में उन्होंने इस जमीन को दुनिया से छोड़ देने का काम किया है । इनका भी 100 वर्ष हो चुका है । यक्षिणी जो दीदारगंज में मिली थी, जो हमारे सम्मान का प्रतीक है । इनका भी 100 वर्ष है । यही नहीं इस तरीके से हमारे यहां यक्षिणी के साथ-साथ गाँधी जी का 100वां वर्ष चल रहा है । हम कहना

चाहेंगे भारत रत्न बिस्मिल्लाह खॉं साहेब ने जिन्होंने गीत के माध्यम से, शहनाई के माध्यम से, हमने इनको भी छोड़ने का काम नहीं किया । इनकी भी जयन्ती मनाने का काम शुरू किया है और आने वाले समय में आपके माध्यम से सदन को मैं बताना चाहता हूँ कि इस बार माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में हमने बिहार में इनकी जयन्ती करने का काम किया है । आने वाले समय में बक्सर के डुमरांव में हम इनके घर के पास इनका जयन्ती का कार्यक्रम करने का काम करेंगे । जिन्होंने गाना के माध्यम से आयाम देने का काम किया है, जिन्होंने संगीत के माध्यम से चिंगारी फेंकने का काम किया है । यह इतिहास कहने का मतलब कि हमलोग सब दिन उनका शुक्रगुजार हैं । अध्यक्ष महोदय, 1959 में उन्होंने पहली फिल्म में गाना लिखने का काम किया और शहनाई की आवाज देकर इस बिहार को सम्मान को बढ़ाने का काम किया है, जिस फिल्म का नाम था गूँज उठी शहनाई । गूँज उठी शहनाई सिर्फ फिल्म ही नहीं रहा, इसके गाने भी काफी लोकप्रिय रहे हैं, इस गाने का बोल था - दिल का खिलौना हाय टूट गया, कोई लूटेरा आकर लूट गया ।

इस तरीका का हमारा जो इतिहास बनाने वाले, इस तरीके का जिनके साधारण वेश-भुषा में जिसने भारत रत्न बिस्मिल्लाह खॉं साहेब ने सिर्फ बिहार को ही नहीं, उन्होंने देश में ही नहीं बल्कि दुनिया के मानचित्रों पर देने का काम किया । आज के डेट में यक्षिणी के अवसर पर बिहार कला दिवस के अवसर पर ......

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, आप कोई दूसरी कविता पढ़ने वाले थे न ।

श्री शिवचन्द्र राम,मंत्री : जी,जी ।

अध्यक्ष : आपके ही लिये कोई कविता पढ़ना चाह रहे हैं ।

श्री प्रेम कुमार,नेता विरोधी दल : महोदय, 50 लाख रू0 ......

(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, बोलिये ।

श्री शिवचन्द्र राम,मंत्री : अध्यक्ष महोदय, कम से कम विपक्ष के साथी ....

अध्यक्ष : विपक्ष के लोग आपकी कविता को सुनकर जाना चाह रहे हैं ।

श्री शिवचन्द्र राम,मंत्री : महोदय, इनकी कविता है, ये जब रूकेंगे, तभी होगा । अभी अरूण बाबू ने सवाल भी उठाने का काम किया था और उस तरीके से इन्होंने पाण्डुलिपि की बात की थी । पाण्डुलिपि विश्वविद्यालय के पास है, इस तरीका का,

श्री प्रेम कुमार,नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, ...

(व्यवधान)

(इस अवसर पर विपक्ष के माननीय सदस्यगण द्वारा सदन से बहिगर्मन किया गया)

श्री शिवचन्द्र राम,मंत्री : अध्यक्ष महोदय, हम आपके माध्यम से इनको कहना चाहते हैं -

रूक जा ओ जाने वाले रूक जा,

मैं तो राही तेरी मंजिल का,
नजरों में तेरे मैं बुरा सही,
आदमी बुरा नहीं मैं दिल का ।

इसलिए यह इनके लिए है, इन महानुभावों के लिए है, है कि नहीं । इसलिए मैं निश्चित रूप से इनसे फिर कहना चाहता हूँ –

जाने वालो जरा मुड़कर देखो इधर,
एक इंसान हूँ मैं तुम्हारी तरह,
जिसने सबको रचा अपने ही रूप से,
उसकी पहचान हूँ मैं तुम्हारी तरह ।

अध्यक्ष महोदय, जिस तरीका से कला, संस्कृति विभाग काम कर रहा है और वह आज दिखाई पड़ रहा है । चाहे खेल के क्षेत्र में हो, चाहे पुरातत्व के क्षेत्र में हो, चाहे संग्रहालय के क्षेत्र में हो, संगीत के क्षेत्र में हो, एक से एक काम कर रहे हैं । हमारे पूर्वजों का इतिहास है, हम उसको संजोग रहे हैं । जो हमें मूर्त्तियां मिल रही हैं, उसको हम संग्रहालय में ला रहे हैं । जहां पर मूर्त्तियां हैं, पूजा-पाठ के रूप में चला गया है । हम उसी जगह पर महोत्सव का कार्यक्रम कर रहे हैं । इसमें सवाल आ रहा था, एक तो सवाल आया था कि मुण्डेश्वरी मंदिर, शेरशाह के बारे में हमारे ललन जी ने बताया था, इनको पता होना चाहिए कि यह विधायक हैं, यह एस0आई0 के अधीनस्थ भारत सरकार के अन्डर में है । अध्यक्ष महोदय, इसमें बिहार सरकार कुछ नहीं कर सकती है। जहां तक बात रहा पटना महाविद्यालय की बात एक विपक्ष के साथी ने किया कि आप ध्यान नहीं देते हैं । हम बता देना चाहते हैं कि पटना कला महाविद्यालय यह हमारे अधीनस्थ नहीं बल्कि यह शिक्षा विभाग के अधीनस्थ हैं । यही नहीं अध्यक्ष महोदय, इनका एक और सवाल था, जो मोईनुल हक स्टेडियम में कुछ नहीं हो रहा है । हम आपके माध्यम से इस सदन को बताना चाहते हैं कि मोईनुल हक स्टेडियम में हमारा कंटीन्यू कोई ऐसा दिन नहीं है, जो कभी वहां खाली रहता हो । हमारे बच्चे, हमारी बच्चियां हमेशा वहां पर एक से एक क्रिकेट का कार्यक्रम होता रहता है । साथ ही साथ अध्यक्ष महोदय, मोईनुल हक स्टेडियम का तकनीकी अनुमोदन भी हो चुका है, प्रशासनिक अनुमोदन की भी प्रक्रिया चल रही है । हम जल्द मोईनुल हक स्टेडियम तोड़ कर हम नया मोईनुल हक स्टेडियम बनाने का काम करेंगे, जो इन्टरनेशनल स्टेडियम होगा । अभी हम आपके माध्यम से बिहार की जनता को बधाई देना चाहते हैं और खासकर के इस सदन के माननीय मुख्यमंत्री, माननीय उप मुख्यमंत्री जी को बधाई देना चाहते हैं कि सरकार के प्रयास से हमने 16 साल का वनवास था, उसको हमने समाप्त करने का काम किया । हमारे यहां इस तरीका से लोगों ने काम किया । अध्यक्ष महोदय, आज के डेट में जो स्थितियां हमारे यहां बनी हुई थी, क्रिकेट के क्षेत्र में हमारे जो बच्चे

थे, वे दूसरे प्रदेश से खेला करते थे । हमने इससे लड़कर और संघर्ष करके, आपका प्रयास, सरकार का प्रयास करके हमने संघ को मान्यता दिलाने का काम किया है । आने वाले समय में कुछ ही समय पहले दो-चार दिन पहले फुल मान्यता दे दिया गया है । अब हमारे बेटे, हमारी बेटियां क्रिकेट खेलने के लिए उनको अब झारखंड और बनारस जाना नहीं पड़ेगा । अब उनको क्रिकेट खेलने के लिए राजस्थान और गुजरात जाना नहीं पड़ेगा । ऐसी स्थिति में हम आपके माध्यम से कहना चाहते हैं कि आने वाले समय में हम यही मोईनुल हक स्टेडियम में रणजी ट्रॉफी और आई0पी0एल0 भी कराने का काम करेंगे । अध्यक्ष महोदय, जिस तरीका का कार्यक्रम हमारा है, उस कार्यक्रम के अन्तर्गत हमें तो बहुत बातें कहनी थी और इस तरह की जितनी उपलब्धियां थी, हम तो चाहेंगे कि आपके माध्यम से यह सब प्रोसीडिंग्स में आ जाना चाहिए और इस तरीके से हम...

अध्यक्ष : अब कनक्लूड कर दीजिए अपने भाषण को ।

टर्न-28/अंजनी/दि0 24.03.2017

श्री शिवचन्द्र राम, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, निश्चित रूप से जिस तरह से कार्यक्रम हमारे खेल के क्षेत्र में हो रहा है, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संग्रहालय के क्षेत्र में जो हमारा कार्यक्रम है, 23 संग्रहालय हमारा है, जिसको अंतर्राष्ट्रीय स्तर का दर्जा लेने का काम किया गया है .....

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, आपके पास जो भी लिखित वक्तव्य है, वह आप सदन पटल पर रख दीजिए, वह आपके भाषण का अंश बन जायेगा ।

(परिशिष्ट द्रष्टव्य)

श्री शिवचन्द्र राम, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, हम आपके माध्यम से माननीय सदस्य श्री अरूण कुमार सिन्हा जी ने जो कटौती प्रस्ताव लाया है, हम उनसे अनुरोध करते हैं कि वे इसको वापस लें और आज कला, संस्कृति एवं युवा विभाग का जो अनुदान मांग है, उसके लिए माननीय सदस्यों से अनुरोध करते हैं कि इस प्रस्ताव को मंजूर करें । धन्यवाद ।

अध्यक्ष : क्या माननीय सदस्य श्री अरूण कुमार सिन्हा, अपना कटौती प्रस्ताव वापस लेना चाहते हैं ?

(माननीय सदस्य श्री अरूण कुमार सिन्हा सदन में अनुपस्थित)

अध्यक्ष : प्रश्न यह है कि-

"इस शीर्षक की मांग 10/-रूपये से घटाई जाय ।"

यह प्रस्ताव अस्वीकृत हुआ ।

अब मैं मूल प्रस्ताव को लेता हूँ ।

अध्यक्ष : प्रश्न यह है कि :

"कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के संबंध में
31 मार्च, 2018 को समाप्त होने वाले वर्ष के भीतर भुगतान के
दौरान जो व्यय होगा, उसकी पूर्त्ति के लिए 1,37,55,16,000/-
(एक अरब सैंतीस करोड़ पचपन लाख सोलह हजार) रूपये से
से अनधिक राशि प्रदान की जाय ।"

यह प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

मांग स्वीकृत हुई ।

माननीय सदस्यगण, आज दिनांक 24 मार्च, 2017 के लिए स्वीकृत निवेदनों की कुल संख्या 42 है, अगर सदन की सहमति हो तो इन्हें संबंधित विभागों को भेज दिया जाय ।

(सदन की सहमति हुई)

अब सभा की बैठक शनिवार, दिनांक 25 मार्च, 2017 को 11.00 बजे पूर्वाह्न तक के लिए स्थगित की जाती है ।

....

परिशिष्ट

माननीय अध्यक्ष महोदय,

न्याय के साथ समग्र और सतत विकास के पथ पर अपना बिहार सतत गतिशील है। माननीय मुख्यमंत्री के दूरदर्शी और कल्पनाशील नेतृत्व में हम नित नवीन उपलब्धियां प्राप्त कर रहे हैं।

हमें खुशी है कि कला, संस्कृति एवं युवा विभाग भी इस विकास यात्रा में शामिल है। इस पूरे वर्ष विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियों में विभाग पूरी ऊर्जा के साथ सक्रिय रहा है। हमें आशा है कि माननीय मुख्यमंत्री और माननीय उप मुख्यमंत्री के ओजस्वी नेतृत्व में हम आनेवाले वर्षों में भी, और भी अधिक ऊर्जा के साथ सक्रिय रहेंगे।

इस वर्ष की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि यह रही कि हमारे प्राचीन नालन्दा महाविहार के भग्नावशेषों को यूनेस्को ने विश्व धरोहर की सूची में शामिल किया। अबतक हमारे राज्य मे एकमात्र महाबोधि मंदिर ही इस सूची में शामिल था। इस उपलब्धि के लिए मैं आप सबको, राज्य की जनता को बधाई देता हूं। यह एक विशिष्ट उपलब्धि इसलिए भी है कि सूची में शामिल करने का यह निर्णय वोटिंग के द्वारा लिया गया। हमने इसके लिए यूनेस्को की छः मान्यता प्राप्त भाषाओं में डाक्यूमेन्ट्री फिल्म बनवाई थी, जिसका अवलोकन करने के बाद सदस्य राष्ट्रों ने यह निर्णय लिया। इस संदर्भ में एक और उल्लेखनीय कदम विभाग के द्वारा उठाया गया है। वह है राजगीर और उसके 5 किलोमीटर के दायरे में पुरातात्विक सर्वेक्षण के लिए नालंदा विश्वविद्यालय राजगीर और विभाग के अंतर्गत बिहार विरासत विकास समिति के बीच एक करार संपादित हुआ है इससे राजगीर व इसके इर्द–गिर्द छिपी इतिहास की नई गौरवशाली परतें खुल सकेंगी। नालंदा के महान अतीत को गौरवपूर्ण भविष्य में परिणत करने के लिए विभाग का जो प्रयास चल रहा है, हमें आशा है कि आप सबों का सहयोग हमारे साथ होगा।

इस क्रम में दूसरी बड़ी उपलब्धि यह है कि बोर्ड ऑफ क्रिकेट कंट्रोल ऑफ इंडिया (बीसीसीआई) ने बिहार को पूर्ण सदस्यता देने की घोषणा की है। इससे न केवल बिहार में राष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित हो सकेंगे बल्कि बिहार की युवा प्रतिभाओं को बाहर मान्यता भी मिलेगी और अवसर भी मिलेंगे। इस उपलब्धि के पीछे विभाग के द्वारा बीसीसीआई के पदाधिकारियों के साथ की

गई बैठकों की अहम् भूमिका रही है।

गुरू गोविन्द सिंह जी महाराज के 350 वें प्रकाशोत्सव पर सरकार ने विभाग को जो दायित्व सौपा था, उसे हमने तन–मन–धन लगाकर पूरा किया, जिसकी गूंज समूची दुनिया में सुनी गई। सात अलग–अलग कार्यक्रम स्थलों पर हमने सांस्कृतिक कार्यक्रम, फिल्म फेस्टिवल, चित्र प्रदर्शनी आदि का आयोजन किया। कार्यक्रम की विविधता ऐसी थी कि कहीं अखिल भारतीय स्वरूप का कार्यक्रम 'भारत भारती' हो रहा है, तो कहीं बिहार की सांस्कृतिक खुशबू का 'रंग–ए–बिहार' हो रहा है। शास्त्रीय संगीत का भी ऐसा आयोजन था, जिसमें गायन और वादन के सभी शास्त्रीय रंग देखने को मिलते थे। इन कार्यक्रमों को लेकर दर्शकों के भीतर इतना उत्साह था कि अधिकतर जगहों पर बैठने की क्षमता से दुगूना दर्शक हमारे कार्यक्रमों में आए।

अध्यक्ष महोदय, इस वर्ष हमने जो कार्यक्रम आयोजित किए उसमें **लोकल** और **ग्लोबल** का सही–सही समन्वय बैठाने की पूरी कोशिश की गई। हमने राज्य में पहली बार किन्नर महोत्सव आयोजित किया ताकि जेंडर के प्रश्न को समाज के सामने लाया जा सके। हमने प्रेमचन्द जी का जयन्ती समारोह मनाया, जिसमें किसान और मेहनतकश वर्ग की समस्या सामने रखकर कार्यक्रम आयोजित हुए। भिखारी ठाकुर के समारोह में उनके द्वारा स्थापित ग्रामीण नाट्यमंडली का कार्यक्रम हुआ। ग्रामीण जनता और स्त्री की पीड़ा को उनकी रचनाओं में व्यक्त देखकर एक विद्वान ने गोष्ठी में यह प्रश्न उठाया कि यदि बॉब डिलन नोबल पुरस्कार के हकदार हैं तो भिखारी ठाकुर की उपेक्षा क्यों ?इसी प्रकार, हमने शत्रुघ्न सिन्हा जी का नाटक 'पति, पत्नी और मैं' कराया, जो **फैमिली मैनेजमेंट** को विषय बनाकर रोचक ढ़ंग से मध्य वर्ग की समस्या को उद्घाटित करता है। हेमा मालिनी जी के नृत्य कार्यक्रम 'द्रौपदी' में हमने देखा कि इतिहास से हम क्या सबक सीख सकते हैं।

2

पटना का 'फिल्म फेस्टिवल' अब देश में अपनी स्पष्ट पहचान बना चुका है। इस वर्ष हमने मुख्य आयोजन के साथ–साथ कई अन्य आयोजन भी किए। अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल, क्षेत्रीय फिल्म महोत्सव, डाक्यूमेन्ट्री एवं लघु फिल्म फेस्टिवल, बाल फिल्म महोत्सव का भी आयोजन किया गया।

महोदय, जब इंसान की इच्छाशक्ति प्रबल रहती है तो वह छोटे–छोटे काम करके भी एक बड़ी निशानी छोड़ जाता है। उदाहरण के लिए, 'संगीत विहान' हमारा एक छोटा–सा कार्यक्रम है, जिसे हम माह के एक रविवार को राजधानी वाटिका में आयोजित करते हैं। ध्रुपद के एक प्रसिद्ध गायक इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आए तो बड़े भावुक होकर बोले कि सुबह में गाए जानेवाले राग तो अब केवल सीखने और विद्यार्थियों को सिखाने भर के लिए रह गए हैं। सुबह में कहीं कोई कार्यक्रम नहीं

होता है कि गायक गुणीजनों के बीच अपनी कला को प्रस्तुत कर सकें। भावुक होकर उन्होंने कहा कि **देश भर में बिहार ही ऐसा राज्य हैं जहां इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित होते हैं।**

युवा महोत्सव के आयोजनों के द्वारा हम अपनी नई पीढ़ी को कला, संस्कृति से जोड़ते हैं। जिला स्तरीय आयोजन सभी जिलों में कराये गये और राज्यस्तरीय महोत्सव हाजीपुर में आयोजित हुआ, जिसमें राज्य भर के 1500 युवाओं ने अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई। इस वर्ष हमने खिलाड़ियों और खेल–प्रशिक्षकों को खेल–सम्मान प्रदान किया। 'खेलो इंडिया' की राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में राज्य के खिलाड़ियों ने 12 पदक जीते। इसी प्रकार, स्कूल गेम्स की राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में 10 पदक जीते। हमने राजधानी पटना के सार्वजनिक स्थलों के साथ–साथ जिला मुख्यालयों में भी जिम की स्थापना कराई, जो स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र है। इसके साथ साथ नालंदा के कल्याण बिगहा में राष्ट्रीय स्तर के शूटिंग रेंज का निर्माण हम कर रहे हैं जो आनेवाले दिनों में अपने राज्य की एक बड़ी उपलब्धि होगी।

सांस्कृतिक कार्य निदेशालय

विकास की रोशनी समाज के सबसे अन्तिम व्यक्ति तक पहुंच सके, सरकार के इस संकल्प को सार्थक करने की कोशिश में विभाग ने अपनी गतिविधियों को राज्य के सुदूर पंचायतों तक पहुंचाने की कोशिश की है और गांवों में अपनी लोक संस्कृति की अलख जगाने वाले गुमनाम प्रतिभाशाली कलाकारों को तलाश कर उन्हें संस्कृति की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में भी सक्रिय है। आने वाले वर्ष में हम गांव स्तर पर कलाकारों का सर्वे कर चिह्नित कर उनका एक डेटा बेस भी तैयार करेंगे ताकि सभी कलाकारों के सृजनात्मक क्षमता के विकास में सरकार फैसीलीटेटर की भूमिका का निर्वाह कर सके, ताकि उनकी क्षमता का राज्य के विकास में उपयोग हो सके। इस क्रम में चाक्षुष एवं प्रदर्श कलाकारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य के प्रत्येक प्रमंडलीय मुख्यालय जिला मुख्यालय में 600 क्षमता वाले आदर्श प्रेक्षागृह–सह आर्ट गैलरी के निर्माण योजना बनाई गई है, जिसके अंतर्गत 819.00 लाख (आठ करोड़ उन्नीस लाख रुपये) मात्र की दर से प्रथम चरण में 08 प्रमंडलीय जिला मुख्यालय में निर्माण किया जाना है। दरभंगा, सहरसा एवं मुंगेर प्रमंडलीय जिला मुख्यालयों में निर्माण की स्वीकृति दे दी गयी है। मुजफ्फरपुर की स्वीकृति प्रक्रिया में है। अन्य प्रमंडलीय जिला मुख्यालयों में भूमि उपलब्ध होते ही स्वीकृति दी जायेगी। उसके बाद जिला मुख्यालयों में जिला–प्रेक्षागृह सह–आर्ट गैलरी निर्माण की कार्रवाई की जाएगी।

हमारी योजना प्रेमचंद रंगशाला परिसर को एक पूर्ण सांस्कृतिक केन्द्र के रूप में विकसित करने की है। इस उद्देश्य से परिसर की खाली भूमि पर 'रिहर्सल शेड' बनाने का कार्य पूर्ण हो चुका है।

इसके निर्माण के पश्चात रंगकर्मियों को नाटकों के अभ्यास के लिए स्थान की कमी दूर होगी और विश्वास है पटना में रंगकर्म के स्तर के विकास में यह सहायक होगा। साथ ही कलाकारों के लिए हॉस्टल की योजना भी स्वीकृत हो चुकी है जिसमें राज्य एवं बाहर से आनेवाले कलाकारों को रियायती दर पर आवास उपलब्ध हो सकेगा।

गुरू गोविन्द सिंह जी के 350 वें प्रकाशोत्सव के अवसर पर प्रेमचंद रंगशाला के अतिरिक्त श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल, भारतीय नृत्यकला मंदिर, बहूद्देशीय सांस्कृतिक परिसर एवं रवीन्द्र भवन में भी जो अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम हुए, वे पूरे देश में चर्चा का विषय बने। इस अवसर का उपयोग हमने अपने प्रेक्षागृहों के आधुनिकीकरण तथा सुसज्जीकरण में भी किया। इसमें बिहार की सशक्त शास्त्रीय और लोक संगीत की परम्परा का प्रदर्शन हुआ, जिसनें राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बिहार की सांस्कृतिक छवि को बेहतर बनाया।

विकसित बिहार की पहचान को देश भर में पहुँचाने के उद्देश्य से पूरे देश के साथ हमने एक सांस्कृतिक सेतु विकसित करने की कोशिश की है। इस क्रम में बिहार की संस्कृति और यहां की सांस्कृतिक पहचान के साथ हमारे कलाकारों ने भारतपर्व–2017 में अपनी भागीदारी दर्ज की। पंचकुला (हरियाणा) में आयोजित राष्ट्रीय युवा उत्सव में भी बिहार के कलाकारों ने अपनी सांस्कृतिक पहचान से देश को जोड़ने की सार्थक कोशिश भी की है।

4

सांस्कृतिक आदान–प्रदान के दृष्टिकोण से अभी कल ही (23.03.2017 को) मॉरीशस की भोजपुरी स्पीकिंग युनियन की अध्यक्ष श्रीमति सरिता बुधू के साथ हमारी बैठक हुई है। जिसके आलोक में हम मॉरीशस के साथ सांस्कृतिक सेतु विकसित करने की संभावना तलाश कर रहे हैं।

विश्वप्रसिद्ध चामरग्राहिणी यक्षिणी की प्राप्ति के 100वाँ वर्ष आरंभ होने के उपलक्ष में हमने 'बिहार कला दिवस' का आयोजन किया, जिसमें उच्च स्तर के कार्यक्रमों के अतिरिक्त कला–क्षेत्र की महत्वपूर्ण हस्तियों को सम्मानित करने का काम किया। इस उपलक्ष में वर्ष 2016–17 को 'बिहार कला वर्ष' के रूप में घोषित किया गया है। पटना से लेकर जिला मुख्यालयों तक में वर्ष भर कई प्रकार के आयोजन हो रहे हैं। इस अवसर पर पटना में एक दौड़ का भी आयोजन किया गया, इसके साथ ही 'वॉक फॉर बिहार' कार्यक्रम के तहत राजधानी के कुछ प्रमुख सार्वजनिक भवनों पर सिद्धहस्त चित्रकारों के द्वारा पेन्टिंग भी करायी गयी, जो चर्चा का विषय बना।

इस वर्ष कला संस्कृति विभाग द्वारा अपने नियमित आयोजनों के साथ 'पटना फिल्म फेस्टिवल' अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल, क्षेत्रीय फिल्म महोत्सव, डॉक्यूमेन्ट्री एवं लघु फिल्म महोत्सव, बाल फिल्म महोत्सव का भी आयोजन किया गया। फेस्टिवल में हिन्दी के साथ मलयालम, तेलगु, मराठी,

संस्कृत, अंग्रेजी जैसी देश की विभिन्न भाषाओं की प्रशंसित और पुरस्कृत फिल्मों का प्रदर्शन हुआ। इन आयोजनों में भोजपुरी एवं मैथिली की फिल्म भी प्रदर्शित की गयीं। इन आयोजनों में सिनेमा से जुड़ी महान हस्तियों की उपस्थिति से बिहार में सिनेमा के लिए एक सार्थक माहौल तैयार हुआ है। श्री शत्रुध्न सिन्हा तथा हेमा मालिनी के भव्य मंचीय कार्यक्रम भी आयोजित हुए।

बिहार में फिल्म निर्माण की संभावनाओं और फिल्मकारों की बढ़ती रूचि को देखते हुए बिहार में फिल्म नीति की जरुरत महसूस की जा रही थी, हमें यह सूचित करते हुए खुशी हो रही है कि बिहार राज्य फिल्म विकास प्रोत्साहन नीति का ड्राफ्ट तैयार है और स्वीकृति के अंतिम चरण में है।

राजगीर में फिल्म सिटी के लिए स्थान का चयन किया जा चुका है। इसके डिजाइन पर विशेषज्ञों से परामर्श लिए जा रहे हैं। विश्वास है शीघ्र ही स्टूडियो की आधारशिला रखी जा सकेगी। बिहार में फिल्म निर्माण की बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए हमने बिहार में सेंसर बोर्ड की इकाई शुरु करने के लिए सूचना प्रसारण मंत्रालय से भी बातचीत की शुरुआत की है। हमें विश्वास है आने वाले दिनों में इसका सांस्कृतिक ही नहीं, सामाजिक एवं आर्थिक लाभ भी बिहार को प्राप्त हो सकेगा।

चाक्षुष कला को गति प्रदान करने के उद्देश्य से विभाग द्वारा चलाए जा रहा '**कला मंगल**' बिहार के चाक्षुष कलाकारों को प्रोत्साहित करने में उल्लेखनीय भूमिका निभा रही है। भारतीय नृत्य कला मन्दिर के बहूद्देशीय सांस्कृतिक परिसर की कला दीर्घा में चयनित कलाकृतियों की प्रदर्शनी नियमित रूप से एक–एक हफ्ते के लिए लगाई जा रही है। इसी प्रकार, चाक्षुष कला के क्षेत्र में विभाग के, द्वारा राज्य स्तरीय कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें देशभर के बिहारी कलाकारों ने अपनी भागीदारी दर्ज की।

भारतीय नृत्य कला मंदिर में आयोजित होने वाले नियमित कार्यक्रम '**शुक्र गुलजार**' और '**शनिबहार**' की नियमितता ने राज्य के सांस्कृतिक वातावरण को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन कार्यक्रमों में राज्य भर के कलाकारों को अवसर प्रदान किया गया।

इस वर्ष हमारी राजधानी पहुंचे देश–विदेश के महत्वपूर्ण कलाकारों को विशेष आयोजित कार्यक्रमों में आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। 'संगीत विहान' के रूप मे सुबह के समय देश में अपनी तरह के पहले संगीतमय आयोजन की शुरूआत हुई थी। इस वर्ष भी माह के अंतिम रविवार को देश के जाने माने शास्त्रीय संगीतकारों और गायकों ने इस आयोजन की महत्ता कायम रखी । उसे नई पीढ़ी के बीच शास्त्रीय संगीत को लोकप्रिय बनाने की कोशिश के रूप में रेखांकित किया जा रहा है।

इस वर्ष हमने 'संगीत संध्या' नाम से एक नए कार्यक्रम की भी शुरूआत की हैं। इस वर्ष बिहार में

पहली बार राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली का प्रतिष्ठित **भारत रंग महोत्सव** का समानांतर महोत्सव पटना में आयोजित हुआ। एक सप्ताह तक चलने वाले इस कार्यक्रम में इजरायल, श्रीलंका तथा बंगलादेश की विदेशी नाटक टीमों ने भी भाग लिया। इसके अतिरिक्त इस आयोजन में कई भारतीय भाषाओं के नाटक प्रदर्शित किये गये।

राज्यस्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन' इस वर्ष हाजीपुर में किया गया। हमें हर्ष है कि पहली बार राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में राज्य के सभी जिलों की भागीदारी संभव हुई। हमारा उद्देश्य है कि हमारे राज्य के युवा अपने सम्पूर्ण बिहार को करीब से जान सकें तथा बिहार के समग्र विकास में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित कर सकें। इसी योजना के अन्तर्गत प्रतिवर्ष होने वाले राज्य स्तरीय युवा महोत्सव को अलग–अलग शहरों में आयोजित करने की योजना बनायी गई है। राज्यस्तरीय युवा महोत्सव में हाजीपुर के स्थानीय नागरिकों ने अपनी सक्रिय भागीदारी से राज्य भर के युवा कलाकारों का काफी उत्साहवर्धन किया। इसी वर्ष विभाग ने थारू संस्कृति एवं बिहार की लोक गाथाओं में स्त्री मुक्ति के विषय पर शोध कराकर दो पुस्तकों को प्रकाशित एवं लोकार्पित किया। साथ ही श्री गुरू गोविंद सिंह जी महाराज के 350वें प्रकाशोत्सव के अवसर पर गुरू मुखी हिन्दी एवं अंग्रेजी, तीना भाषाओं में 'गुरू गोविन्द सिंह साहिब एंड सिखिज्म इन बिहार' पुस्तक का प्रकाशन एवं लोकार्पण कराया गया। आनेवाले वर्ष 2017–18 में विभाग के अंतर्गत बिहार ललित कला अकादमी के द्वारा अर्धवार्षिक पत्रिका **लालित्य** का प्रकाशन भी प्रारंभ किया जायेगा।

6

बिहार में लोक कलाओं के शिक्षण, अध्ययन, शोध और विपणन के लिए मिथिला चित्र कला संस्थान मधुबनी को इस वर्ष प्रारंभ किया जायेगा।

आगामी वर्ष में विश्व कविता समारोह का आयोजन भी किया जाना है जिस में देश – विदेश के प्रख्यात कवि बिहार के कवियों के साथ भाग लेने। यह बिहार के सांस्कृतिक इतिहास में महत्वपूर्ण घटना होगी।

इस वर्ष 26 जनवरी 2017 को गांधी मैदान झांकी प्रस्तुति में **विश्व धरोहर नालंदा** थीम पर बनी विभाग की झांकी को भव्य सांस्कृतिक प्रदर्शन के कारण प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

भुरहा महोत्सव, किन्नर महोत्सव, हरिहर क्षेत्र महोत्सव, महनार महोत्सव, जिला स्थापना दिवस समारोह आदि अनेक भव्य कार्यक्रमों का आयोजन संबंधित जिला के माध्यम से कराया गया, जिसमें राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों के साथ स्थानीय कलाकारों को भी प्रस्तुति हेतु अवसर प्रदान किए गए। इन आयोजनों से बिहार की सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने में मदद मिली है और इसमें बिहार सांस्कृतिक पहचान को एक सकारात्मक दिशा भी मिली है।

संग्रहालय निदेशालय

बिहार राज्य ने गंगा घाटी में सभ्यता के प्रादुर्भाव से लगभग 1000 वर्षों तक पूरे भारतीय भू–भाग को राजनीतिक एवं सांस्कृतिक नेतृत्व प्रदान किया। फलतः पूरे बिहार राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में सांस्कृतिक विरासत की बहुलता है। इसी विरासत को संरक्षित, सुरक्षित करने, सुरुचि पूर्ण ढंग से दर्शकों के लिए प्रदर्शित करने और अक्षुण्ण रूप से आनेवाली पीढ़ी को सौंपना संग्रहालय निदेशालय का दायित्व हैं। इस उद्देश्य से सरकार ने पूरे राज्य में 23 संग्रहालय स्थापित किये हैं। राज्य के संग्रहालयों को आधुनिक तकनीक एवं नव–संग्रहालय तकनीक की अवधारणा के अनुरूप पुनर्संयोजन करने के लिए संग्रहालय निदेशालय कटिबद्ध है।

गत वित्तीय वर्ष में संग्रहालय निदेशालय ने उपलब्धियों के कई आयाम स्थापित किये। भारतीय उप–महाद्वीप के इतिहास निर्माण एवं संस्कृति के विकास में बिहार के योगदान से देशी–विदेशी पर्यटकों, दर्शकों एवं आमजन को परिचित कराने के उद्देश्य से, राजधानी पटना के जवाहर लाल नेहरू मार्ग (बेली रोड) के दक्षिणी भाग में लगभग 13.5 एकड़ भू–भाग पर एक अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के संग्रहालय निर्माण का कार्य प्रगति पर है और पूर्णता के समीप है। संग्रहालय के बाल–खण्ड के साथ–साथ ओरिएंटेशन गैलरी एवं ऑरिएंटेशन प्री शो थियेटर दर्शकों के लिए खोल दिए गए हैं। शेष दीर्घाओं की पूर्णता का कार्य जारी है और प्रगति पर है शीघ्र ही में इसे पूर्णरूपेण जनता को समर्पित कर दिए जाने का लक्ष्य है। 7

इसी प्रकार पटना संग्रहालय में संग्रहीत भगवान बुद्ध के पवित्र अस्थि अवशेष को उसके प्राप्ति स्थल वैशाली में स्तूप निर्माण कर प्रदर्शित करने और भगवान बुद्ध के उपदेशों के प्रचार–प्रसार हेतु संग्रहालय निर्माण का निर्णय राज्य सरकार द्वारा लिया गया है। जिसके लिए लगभग 72 एकड़ भूमि की व्यवस्था की गई है। निर्माण कार्य हेतु 152.37 करोड़ की स्वीकृति सरकार द्वारा दी जा चुकी है।

लोक नायक जयप्रकाश नारायण के पैतृक गांव सिताब दियारा सारण में स्मृति भवन एवं पुस्तकालय के निर्माण हेतु 5.35 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है। 4.37 करोड़ (चार करोड़ सैंतीस लाख) रूपये की लागत से निर्माण 90% पूर्ण हो चुका है। वर्ष 2017 में राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी द्वारा चलाये गये सत्याग्रह के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भितिहरवा (पश्चिमी चम्पारण) स्थित गांधी आश्रम संग्रहालय में वर्षपर्यन्त कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है।

पटना संग्रहालय में एक नयी चित्रकला दीर्घा गत वर्ष संस्थापित की गयी। आधुनिक प्रदर्शन तकनीक से युक्त यह दीर्घा पूरे भारत वर्ष के संग्रहालयों में चुनिंदा चित्रकला दीर्घाओं में एक है। पटना संग्रहालय सहित राज्य के सभी संग्रहालयों में संगृहीत पुरावशेषों का डिजिटल डाक्यूमेंटेशन

का लगभग 80% कार्य सम्पन्न हो चुका है और बिहार देश के कुछ गिने–चुने राज्यों में से एक है, जिसने यह उपलब्धि हासिल की है। गत वर्षों में संग्रहालय निदेशालय ने पुरावशेष/कलाकृतियों के संरक्षण के क्षेत्र में भी अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। पटना संग्रहालय एवं चन्द्रधारी संग्रहालय दरभंगा में भी कलाकृतियों का संरक्षण कार्य किया गया है।

हम संग्रहालयों को संस्कृति के जीवंत केन्द्र के रूप में स्थापित करना चाहते हैं। चन्द्रधारी संग्रहालय, दरभंगा को 'मिथिला संस्कृति केन्द्र' तथा गया संग्रहालय को 'मगध संस्कृति केन्द्र' के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से दोनों संग्रहालयों को पुनर्संयोजित किया जा रहा है। इन केन्द्रों में प्रतिनिधि संस्कृति को समग्र रूप में मूर्त्त एवं अमूर्त्त दोनों अवयवों के साथ प्रदर्शित किया जाएगा। इससे स्थानीय जनमानस को संग्रहालयों के साथ जोड़ा जा सकेगा। इसी क्रम में गया संग्रहालय में 'गया क्षेत्र की संस्कृति' विषयक संगोष्ठी आयोजित की गई। इसी प्रकार बेगूसराय संग्रहालय में 'अंग एवं अंगुत्तराप क्षेत्र की संस्कृति' तथा चन्द्रधारी संग्रहालय, दरभंगा में 'मिथिला क्षेत्र की संस्कृति' विषयक संगोष्ठी आयोजित की गयी। पटना संग्रहालय के तत्वावधान में अन्तर्विद्यालय विरासत क्विज का आयोजन किया गया। इसी प्रकार अन्य क्षेत्रीय संग्रहालयों में समय–समय पर विरासत जागरुकता सम्बन्धी कार्यक्रम आयोजित किए गये और वर्ष 2017–18 में इस प्रकार के कार्यक्रमों को किए जाने की योजना है। राज्य के सभी संग्रहालयों में जनोपयोगी सुविधाओं का सुदृढीकरण, पुरावशेषों/कलाकृतियों के सुरूचिपूर्ण प्रदर्शन, आन्तरिक एवं वाह्य प्रकाश व्यवस्था, आवश्यकतानुसार जीर्णोद्धार, सौन्दर्यीकरण आदि कार्य हेतु वर्ष में कई प्रकार के कार्य किए गए हैं।

पुरातत्व निदेशालय

पुरातत्व निदेशालय एक पृथक निदेशालय के रूप में वर्ष 1988 में अस्तित्व में आया। इसके पूर्व पुरातत्व एवं संग्रहालय निदेशालय (संयुक्त रूप से) की स्थापना वर्ष 1961 – 62 में की गई थी। पुरातत्व निदेशालय के द्वारा समृद्ध एवं विपुल पुरातात्विक तथा ऐतिहासिक धरोहरों की खोज, अन्वेषण, उत्खनन और संरक्षण जैसे कार्यों को सम्पन्न किया जा रहा है। इन कार्यों के अतिरिक्त पुरातत्व निदेशालय संगोष्ठियों, कार्यशालाओं एवं उपयोगी धरोहरों से संबंधित पुस्तकों/प्रतिवेदनों के प्रकाशन के माध्यम से धरोहर के प्रति लोगों की जागरूकता को बढ़ाने का काम सतत करता रहा है।

राज्य में पुरातत्व निदेशालय द्वारा पूर्व में कई महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थलों के उत्खनन करवाए गए हैं, जिनमें चिरांद, सोनपुर, ताराडीह, बलिराजगढ़, कटरागढ़ आदि प्रमुख रूप से उल्लेखनीय हैं।

हाल के वर्षों में 4 प्रमुख स्थलों चौसा, सलेमपुर (मधुबनी), चेचर (वैशाली), तेल्हाड़ा (नालन्दा) के उत्खनन निदेशालय द्वारा करवाए गये हैं जिनकी उपलब्धियां अत्यन्त उत्साहवर्धक है। चौसा में एक गुप्तकालीन मंदिर का स्थापत्य प्रकाश में आया है वहीं चेचर (वैशाली) की खुदाई से प्रागैतिहासिक अवशेष बड़ी संख्या में प्राप्त हुए हैं। तेल्हाड़ा में एक समृद्ध और विस्तृत प्राचीन विश्वविद्यालय एवं बौद्ध मठ के अस्तित्व का पता चला है।

तेल्हाड़ा विश्वविद्यालय के अवशेष बताते हैं कि यह राज्य का प्राचीनतम विश्वविद्यालय था, जिसकी स्थापना ईसा की पहली शताब्दी में ही की जा चुकी थी। यह विश्वविख्यात नालन्दा विश्वविद्यालय से भी तकरीबन 400 साल अधिक पुराना है।

इसके अतिरिक्त बिहार विरासत विकास समिति के माध्यम से विभाग ने कुटुम्बा (औरंगाबाद) में भी उत्खनन का कार्य गत वर्षों में करवाया है, जहाँ से बड़ी संख्या में प्रागैतिहासिक पुरावशेष प्रकाश में आए हैं, जिनका संबंध मध्य पाषाणकालीन संस्कृति से है।

भविष्य में निदेशालय द्वारा तेल्हाड़ा (नालन्दा) एवं देवनगढ़ (नवादा) स्थलों के उत्खनन करवाए जाने की योजना है। राज्य में गत वर्ष तकरीबन 20 स्थलों का पुरातात्विक अन्वेषण कर चिन्हित किया गया है, जिनमें से कई स्थलों को राज्य द्वारा सुरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है।

पुरातत्व निदेशालय द्वारा हाल के वर्षों में कई जनोपयोगी पुस्तकें यथा 'बिहार के स्मारक', 'पटना–ए मान्यूमेन्टल हिस्ट्री' का प्रकाशन करवाया गया है। वर्तमान में 'तेल्हाड़ा : ए पिक्टोरियल व्यू', 'एनशिएन्ट यूनिवर्सिटीज ऑफ बिहार' तथा 'ए हिस्ट्री ऑफ मुंगेर' का प्रकाशन किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त निदेशालय द्वारा आयोजित संगोष्ठियों और कार्यशालाओं में निरंतर नए तथ्य प्रस्तुत किए जाने की योजना है, जिसके अन्तर्गत राज्य के विभिन्न अनुमंडल मुख्यालयों तथा, पटना, गया, भागलपुर, छपरा आदि स्थलों पर संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया जाना है। इन आयोजनों में विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों एवं विद्यालयों की सहभागिता व्यापक रूप से बढ़ी है। इन योजनाओं के पीछे धरोहर के प्रति जागरूकता विकसित करने में छात्र–छात्राओं, अध्यापक प्राध्यापकों की सहभागिता सुनिश्चित करना है।

राज्य सरकार द्वारा वर्तमान में 39 पुरातात्विक स्थल, सुरक्षित स्मारक घोषित किए गए हैं। हाल के वर्षों में सोफा मंदिर (बेतिया, पं. चम्पारण), अहिल्या स्थान (दरभंगा), द्वालख (मधुबनी), लार्ड मिन्टो टावर (जमुई), तेल्हाड़ा (नालन्दा) मॉरिसन बिल्डिंग प्रमुख रूप से उल्लेखनीय हैं।

अतिरिक्त राज्य योजना की राशि से मारिशन भवन, गाँधी शिविर, जार्ज ऑरवेल की जन्मस्थली, सैयद इब्राहिम शाह का मकबरा आदि स्मारकों के संरक्षण एवं सौन्दर्यीकरण के कार्य हैं। गोलघर

(पटना) के भीतरी संरचनात्मक कार्य को पूरा कर लिया गया है और बाहर से किए जाने वाले कार्य को शीघ्र की सम्पन्न करवा लिया जाएगा।

छात्र एवं युवा कल्याण निदेशालय

खेलकूद मानव संसाधन के विकास के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण विषय है सरकार की समेकित विकास की अवधारणा में खेल के क्षेत्र में ग्रामीण प्रतिभाओं को भी खोज निकालने की पहल की गई है। राज्य के प्रतिभावान खिलाड़ियों के लिए मुख्यमंत्री खेल विकास योजना अंतर्गत एकलव्य राज्य आवासीय खेल प्रशिक्षण अब तक कुल 34 योजना स्वीकृत की गई है। इनमें से 20 केन्द्र संचालित है, 3 केन्द्र संचालन हेतु प्रक्रियाधीन है, जबकि मार्च 2017 में शेष 11 नये केन्द्र संचालन की योजना स्वीकृत की गई है। इन केन्द्रों के माध्यम से खिलाडियों को आधुनिक खेल उपकरण एवं एन.आई.एस. प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान की जा रही है। जिसमें राज्य भर से उत्कृष्ट बालक एवं बालिका खिलाडियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण केन्द्रों में उच्च स्तरीय खेल सुविधाएं तथा शिक्षा के साथ पौष्टिक भोजन एवं आवासन की सुविधाएं सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है।

10 मुख्यमंत्री खेल विकास योजना अन्तर्गत राज्य के 249 प्रखंडों में स्टेडियमों के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गयी है, जिसमें 104 स्टेडियम का निर्माण पूर्ण हो चुका है शेष प्रक्रियाधीन है।

पूर्व निर्मित मोईनुलहक स्टेडियम, पटना को अन्तर्राष्ट्रीय मानक का किक्रेट स्टेडियम का नव निर्माण हेतु विभाग द्वारा नक्शा एवं प्राक्कलन अनुमोदित कर भवन निर्माण विभाग से अग्रतर कार्रवाई हेतु पत्र लिखा गया है।

राज्य में अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के आउटडोर तथा इंडोर खेलों के आयोजनार्थ खेल छात्रावास, प्रशिक्षक आवास की सुविधा सहित आधुनिक आउटडोर तथा इंडोर स्टेडियम का निर्माण पटना में कराया गया है।

अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटक स्थल, राजगीर में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का आधुनिक सुविधायुक्त स्पोर्टस अकादमी तथा क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण हेतु 90 एकड़ जमीन का आवंटन हो चुका है, तथा निर्माण कार्य आरम्भ किये जाने हेतु रुपय 633 करोड़ की राशि की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। भवन निर्माण विभाग द्वारा निर्माण कार्य आरंभ किया जाना है। खिलाड़ी कल्याण कोष योजना के अंतर्गत राज्य के 69 प्रतिभावान खिलाड़ियों को चिकित्सा/खेल उपकरण/राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थानों से डिप्लोमा इन स्पोर्ट्स कोचिंग कोर्स पूरा किये जाने हेतु आर्थिक सहायता उपलब्ध कराया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व अथवा राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिता में पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को प्रत्येक वर्ष 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित खेल सम्मान समारोह में सम्मानित किया जाता है। विगत वर्ष 29 अगस्त 2016 को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर राज्य के प्रतिभाभान उत्कृष्ट 326 खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को सम्मानित किया गया है।

आओ एवं खेलो योजनान्तर्गत पाटलिपुत्र खेल परिसर, पटना में 09 खेल विधा के लिये खेल मैदान/खेल उपकरण उपलब्ध कराते हुये खिलाड़ियों को प्रशिक्षण सुविधा प्रदान की गयी है, जबकि नवनिर्मित मनोज कमलिया स्टेडियम, पटना सिटी में **आओ एवं खेलो** योजना के तहत फुटबॉल (बालक) एवं ताईक्वाण्डो (बालक/बालिका) का नियमित रूप से गैर आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाये जाने हेतु राशि उपलब्ध करा दी गई है।

वर्तमान वित्तीय वर्ष 2017–18 में उक्त् योजना को व्यापक रूप देते हुए इसे राज्य स्तरीय स्टेडियम के साथ ही जिला एवं प्रखंड स्तर पर पूर्ण हो चुके आउटडोर स्टेडियम में इसे कार्यान्वयन करने की योजना है, जिससे कि समाज के अधिकाधिक बालक एवं बालिकाओं को नियमित खेल प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल किया जा सके।

राज्य में अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर की खेल प्रतियोगिताओं के आयोजनार्थ तथा राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में राज्य के खिलाड़ियों की प्रतिभागिता हेतु राज्य खेल संघों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

वित्तीय वर्ष 2016–17 में विद्यालय एवं खेलो इण्डिया में शामिल खेल विधाओं में संबंधित खिलाड़ियों की आधिकाधिक संख्या में प्रतिभागिता किये जाने हेतु विभिन्न स्तर पर व्यापक रूप से प्रतियोगिता का आयोजन किया जा चुका है तथा इन्हें राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता हेतु प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से प्रतिभागिता सुनिश्चित की जा चुकी है। साथ ही दिव्यांग खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के माध्यम से प्रोत्साहित किया जा रहा है।

राज्य सरकार द्वारा राज्य में राज्य फुटबॉल संघ एवं राष्ट्रीय फुटबॉल संघ के तकनीकी एवं अन्य सहयोग से जननायक कर्पूरी ठाकुर ऑल इंडिया गोल्ड कप फुटबॉल प्रतियोगिता का पटना में आयोजन की कार्रवाई की जा रही है।

राज्य के युवा एवं खिलाड़ियों के फिटनेस हेतु जिला पदाधिकारियों से प्रस्ताव प्राप्त हाने पर संबंधित जिला में पार्क अथवा इंडोर भवन में जिम/मल्टी जिम, खेल उपकरण, के क्रय हेतु आवश्यक राशि आवंटित की जाती है।

सचिवालय कर्मियों के फिटनेस का ध्यान रखते हुए सचिवालय स्पोर्ट्स क्लब के बगल में आधुनिक जिम एवं इंडोर खेल परिसर के निर्माण हेतु रु 7.0 करोड़ की राशि भवन निर्माण निगम को विमुक्त की जा चुकी है। सरकार के द्वारा यह भी निर्णय लिया गया है कि खेल कोटे से नियुक्त कर्मियों को खेल अभ्यास के लिए कार्य स्थल से प्रतिदिन 2 घंटे पहले छुट्टी मिल जाए ताकि वे अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सके। इसी प्रकार, खेल कोटे से बड़े पैमाने पर नियुक्ति प्रक्रिया भी की जा रही है।

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण एक स्वशासी संस्था है। यह संस्था राज्य में खेलों के संरक्षण, संवद्धन एवं विकास के लिए सक्रिय भूमिका निभा रही है। राज्य में खेल प्रतियोगिता के आयोजनार्थ राज्य के संघों को अनुदान भी उपलब्ध कराया गया है। उसके अतिरिक्त खिलाड़ी कल्याण कोष से उपकरण, चिकित्सा एवं खेल में शिक्षण–प्रशिक्षण (NIS) हेतु आर्थिक सहायता भी दी जा रही है।

ज्ञान और कला की सबसे बड़ी विशेषता है कि यह न तो खो सकती हैं, न खत्म हो सकती है। हम किसी भी परिस्थिति में रहें जनक नंदिनी सीता, महात्मा बुद्ध, महावीर, सम्राट अशोक, चंद्रगुप्त, जरासंध, दानवीर कर्ण, वाल्मीकि, विद्यापति, गुरूगोविन्द सिंह, बाबू वीर कुँवर सिंह, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, जय प्रकाश नारायण, रहसु भगत, सुपच डोम, शेरशाह सूरी, बिस्मिल्लाह खां, भिखारी ठाकुर आदि सदैव हमारी पूंजी बने रहेंगे। हमें गर्व हैं अपनी इस अथाह पूंजी पर। आज जब दुनिया की निगाहें बिहार पर टिकी हैं, कला संस्कृति एवं युवा विभाग को अपनी महती जवाबदेही का अहसास है। हम अपनी संस्कृति के तमाम रूपों जैसे पुरातत्व, संग्रहालय, खेल एवं कला, संगीत को अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान करने की कोशिश में जुटे हैं।

12

महोदय, मैं आगामी वित्तीय वर्ष 2017–18 के लिए विभाग के व्यय हेतु मांग संख्या 08 के अधीन स्थापना एवं प्रतिबद्ध व्यय के अंतर्गत रु 79,60,16,000 (उनासी करोड़ साठ लाख सोलह हजार) एवं राज्य स्कीम के अंतर्गत रु 57,95,00,000 (संतावन करोड़ पंचानवे लाख) अर्थात कुल रु 1,37,55,16,000 (एक सौ सैंतिस करोड़ पचपन लाख सोलह हजार रुपयें) मात्र की राशि स्वीकृत करने का प्रस्ताव करता हूं और माननीय सदस्यों से कहना चाहता हूं कि

हयात लेके चलो, कायनात लेके चलो
चलो तो सारे जमाने को साथ लेके चलो।

24/3/2017

350 वाँ प्रकाशोत्सव

गुरू गोविंद सिंह जी का 350वाँ प्रकाशोत्सव

07–स्थल पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

देश और बिहार की सांस्कृतिक परम्परा का प्रदर्शनी

~~फिल्म प्रदर्शन/ चित्र प्रदर्शनी~~

पुस्तक प्रकाशन तीन भाषाओं में किया

गुरूमुखी, हिन्दी, अंग्रेजी

मेहनतकश जनता के लिए कार्यक्रम

भिखारी ठाकुर/भोजपुरी के शेक्सपियर अंग्रजों ने " राय बहादुर " की उपाधि जैसे बॉब डिलन (गायक) को नोबल मिल सकता है।

तो भिखारी ठाकुर को भारत रत्न क्यों नही?

खेल

6. स्टेडियम निर्माण में गति

मानक— फुटबॉल स्टेडियम 115 मीटर X 95 मी0

300मी0 ट्रैकयुक्त स्टेडियम 150 मी0 X 120 मी0

400मी0 ट्रैकयुक्त स्टेडियम 200 मी0 X 130 मी0

मुख्यमंत्री स्टेडियम निर्माण योजना स्वीकृत

कुल स्वीकृत 249 स्टेडियम।

104 पूर्ण

65 कार्यप्रगति पर है।

75 पर कार्य शुरू होगा।

जननायक कर्पूरी ठाकुर गोल्ड कप टूर्नामेंट करायेंगे।

खिलाड़ी को नौकरी

2 घंटा पहले कार्यालय छुट्टी

खिलाड़ियों को व्यक्तिगत सहायता हेतु
खिलाड़ी कल्याण कोष है।

खेल उपकरण

चिकित्सा

पटियाला प्रशिक्षण केन्द्र

पटियाला में प्रशिक्षण — राष्ट्रीय स्तर पर विज्ञापन चयन

समस्तीपुर – राजेन्द्र सहनी – तैराकी
कैमूर — पिंकी कुमारी – फुटबॉल
नवादा — संजीव कुमार — हैण्डबॉल

छात्र एवं युवा कल्याण खेल

खेल प्रोत्साहन के लिए कार्य

1. क्रिकेट

बी.सी.सी.आई के द्वारा बिहार को

पूर्ण सदस्यता 16 वर्ष के बाद पुनः मिली।

मोइनुल हक स्टेडियम नए सिरे से निर्माण।

प्राक्कलन – 313 करोड़

मान्यता देने में देर

गुजराज	–	6 करोड़	दो संघ
आन्ध्र प्रदेश	–	8 करोड़	1 संघ
महाराष्ट्र	–	11 करोड़	3 संघ
बिहार	–	10 करोड़ 38 लाख — 1 संघ	

(2) जीम — आँची मैदान — पुरुष जीम

महीला जीम

पटना के पार्कों

2. राजगीर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का स्पोर्टस एकेडमी तथा क्रिकेट स्टेडियम की स्वीकृति।

90 एकड़ जमीन आवंटित।

राशि– 633 करोड़ रूपये

जमीन के लिए– 48 करोड़ 85 लाख

6 हजार 9 सौ 75 रू०

स्पोर्टस एकेडमी

कोचिंग (खेल)

कोच इंटरनेशनल

पौष्टीक आहार

आधुनिक प्रशिक्षण

राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी करना

18 खेल (छात्र–छात्रा) प्रकार

साई सेंटर

भारत सरकार

3. खेल सम्मान

दिव्यांग खिलाड़ी

वर्ष 2016–17 में 331 खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को सम्मानित किया गया।

(इसमें दिव्यांग खिलाड़ी भी थे)

सामान्य खिलाड़ी – 138

कोच – 07

दिव्यांग– 186

नेशनल– 132

इंटरनेशनल– 06

4. खेल संघों को अनुदान

इस वर्ष कुल संघ–14

कुल राशि– 59 लाख 72 हजार 2सौ 35 रूपये

5. एकलव्य खेल सेंटर

आवासीय

कुल सेंटर –34 खेल–13

चयन– विज्ञापन निकाल कर

खाना– रहना, पढ़ाई, चिकित्सा

आधुनिक तालिका

कुल संग्रहालय – 23

1. बिहार संग्रहालय

अन्तर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी

संस्कृति विरासत स्थल स्वाग

बाल खंड, ऑरिएंटेशन गैलेरी, प्री शो थियेटर

13 एकड़ भूमि पर बना है।

2. बुद्ध स्मृति स्तूप सह सम्यक दर्शन संग्रहालय,

वैशाली – 74 एकड़ भूमि की व्यवस्था हो चुकी है।

लागत

152 करोड़ 37 लाख रू० स्वीकृत।

वास्तु निर्माण हेतु विस्तृत योजना प्रतिवेदन पर कार्य।

जमीन

107 करोड़ रूपये जमीन का खर्च

संग्रहालय का जीर्णोद्धार

पटियाला प्रशिक्षण केन्द्र

राष्ट्रीय स्तर पर विज्ञापन कि द्वारा चयन

समस्तीपुर– राजेन्द्र सहनी – तैराकी

कैमुर–पिंकी कुमारी – फुटबॉल

नवादा– संजीव कुमार– हैण्डबॉल

7. राज्य भर में खेल प्रतियोगिताओं के जरिये खेल प्रतिभाओं को सामने लाया गया।

(क) विद्यालय खेल

अंडर – 14 वर्ष अंडर – 17 वर्ष अंडर – 19 वर्ष	29 खेल

(ख) महिला खेल (10 खेल हैं)

(ग) ग्रामीण खेल 10 खेल हुआ हैं।

8. नालंदा शुटिंग एकेडमी–

– लगभग 1 करोड़
– फ्री प्रशिक्षण

2. राजगीर के 5 कि०मी० की परिधि में पुरातात्विक खोज हेतु एग्रीमेंट

MOU

नालंदा विश्वविघालय और बिहार

विरासता विकास समिति के बीच **MOU**

3. 30 से ज्यादा पुरातात्विक स्थलों का सर्वेक्षण कराया जा रहा है।

देवनगढ़ नवादा मं इस वर्ष उत्खनन

कार्य कराया गया है।

4. चम्पारण सत्याग्रह के सौ वर्ष के उपलक्ष्य में हेरिटेज वाक का आयोजन।

हेरिटेज वाक (विरासत यात्रा)
गॉधी जी फिल्म फेस्टीवल
100 कलाकारों का कार्यशाला
चित्र एवं मुर्त्तीकला

5. पुरातात्विक स्थलों का बाउंड्रीवाल बनावा रहें है।

बक्सर

<u>कलाकारों की पहचान के लिए राज्य भर में सर्वे</u>
डाटा बेस

<u>प्रमंडल स्तर पर</u>
<u>प्रेक्षागृह सह आर्ट गैलरी</u>

प्रमंडल

प्रथम चरण में 8 प्रमंडल में 819 लाख

(8 करोड़ 19 लाख)

जिला

इसके बाद जिला में बनेगा।

प्रेमचंद रंगशाला

प्रेमचंद रंगशाला में रिहर्सल शेड

प्रेमचंद रंगशाला में कलाकारों के लिए

हॉस्टल योजना

रिहर्सल शेड

पुरातत्व निदेशालय 1988 — पुरातत्व संग्रहालय (राज्य का) 1961-62

पुरातत्व

1. नालंदा विश्वविद्यालय के भग्नावशेष – 5वीं शताब्दी का गुप्तकाल

विश्व धरोहर में यूनेस्को द्वारा 2016 में शामिल।

21 देशों के बोर्ड द्वारा स्वीकृत

तुर्की में चयन

छह अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं में फिल्म निर्माण।

राज्य का दूसरा विश्वधरोहर।

पहला – महाबोधि मंदिर, बोधगया।

विश्वधरोहर
(1) महाबोधि मंदिर बोधगया
(2) नालंदा विश्वविद्यालय
21 देश
6 डक्यूमेंट्री फिल्म
तुर्की में

(1) तेल्हारा – नालंदा
देवनगढ़ – नवादा
उत्खनन होगा

सेमिनार

39 पुरातात्विक स्थल सुरक्षित स्मारक की घोषना किया गया

चेरावन्द

3. गाँधी जी के चम्पारण सत्याग्रह के सौ वर्ष

भितिहरवा स्थित गाँधी आश्रम संग्रहालय में

वर्ष भर के कार्यक्रम।

4. सिताब दियारा –

लोक नायक स्मृति भवन सह पुस्तकालय

निर्माण कार्य 90 प्रतिशत पूरा।

लागत– 4 करोड़ 37 लाख

5. सभी संग्रहालयों में दीर्घाओं का जिर्णोद्धार कार्य

बक्सर, भागलपुर, दरभंगा,

गया, पटना

कलाकार कल्याण कोष

आर्थिक सहायता
आने जाने यात्रा

उभरते हुए कलाकारों को आर्थिक सहायता
बाहर जाने के लिए यात्रा व्यय

चिकित्सा

प्रदर्शनी/प्रदर्शन के लिए सहायता

चिकित्सा सहायता

शनिबहार, शुक्रगुलजार, संगीत बिहान, संगीत संध्या,

शनिबहार–शुक्रगुलजार प्रत्येक महीना पेंटिंग प्रर्दशनी

उग्रवाद प्रभावित जिलों में संस्कृतिक कार्यक्रम 2 लाख,
13 जिला में संगीत संध्या

2 लाख जिला

कला मंगल शनिबहार शुक्रगुलजार

कला संस्कृति एवं खेल

शराब से अच्छा

मिथिला चित्रकला संस्थान

स्थापना

मिथिला चित्रकला तथा लोक कलाओं के शोध, प्रशिक्षण हेतु इसी वर्ष प्रारम्भ हो रहा है–

कोर्स 6 माह का सर्टिफिकेट कोर्स

मधुबनी पेन्टिंग – उद्योग

कला मंगल

महीना में एक दिन

बहुउद्देशिय संस्कृतिक परिसर में प्रत्येक महिला

चित्र प्रदर्शनी कार्य

फिल्म

फिल्म नीति बनने के अंतिम चरण में है।

फिल्म सिटी– 20 एकड़ मात्र है।

वेबसाईड (बिहार फिल्म निर्माण निगम

फिल्म फेस्टीबल

क्षेत्रीय फिल्म फेस्टीबल (पहली बार) पटना

पटना फिल्म फेस्टिबल

राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिबल

अन्तर राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिबल

गाँधी फिल्म फेस्टीवल

बाल फिल्म फेस्टीवल

बिहार में
सेंसर बोर्ड के लिए पत्र भारत सरकार को लिखा गया है।

पत्र लिखा - 21 जनवरी 2016

उस समय के मंत्री - जेटली - 8 फरवरी 2016

दूसरा पत्र लिखा — 17 जनवरी 2017

कलाकारों के कला महोत्सवों का आयोजन

किन्नर महोत्सव

युवा महोत्सव– जिलों में पहली बार हम गए।

दशहरा महोत्सव

महोत्सव की संख्या वसंत महोत्सव

बिहार 22 स्थानों पर महोत्सव

नाटक

अन्तर्राष्ट्रीय
बंगला देश
इजराईल
श्रीलंका

भारंगम, पहली बार बिहार मे

अन्तराष्ट्रीय नाटक– बंगला देश इजराईल

श्रीलंका नाटक मंडली

राष्ट्रीय
महाराष्ट्र
पं० बंगाल
दिल्ली

नेशनल स्कुल ड्रामा नई दिल्ली के सहयोग

से राज्य– महाराष्ट्र, प0 बंगाल, दिल्ली की

संस्थाएं

दिल्ली की संस्था ने रेणु जी के नाटक

""मैला ऑचल"" प्रस्तुत किया था

गाना
दिल का खिलौना हाय टूट गया
कोई लुटेरा आके लूट गया

संगीत की जन्नत से अलग
कोई जन्नत नहीं है इस जहान में
दिल से निकली आवाज में
पाक नपाक क्या होता है।
उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ

संस्कृति

शताब्दी वर्ष

1959
गुंज उठी शहनाई
फिल्म

(पाश्चात्य) वेषभूषा

(1) भारत रत्न बिस्मिल्लाह खाँ / डुमरांव के थे।
(1916–2006)

बिहार कला दिवस
1917 18 अगस्त

(2) यक्षिणी के मिलने के 100 वर्ष दीदारगंज में मिली थी प्रतिमा वर्ष 2016 में वर्ष 2016–17

कला वर्ष :–

यक्षिणी
मौलवी गुलाम रसूल
पाठ - साँप

राजस्थान – किलों के लिए मशहूर

उड़ीसा – मंदिर समूह प्रसिद्ध है।

बिहार – ~~यक्षिणी के लिए~~ प्राचीन विश्व विद्यालय के लिए प्रसिद्ध

यक्षिणी

नालंदा प्राचीन विश्वविद्यालय
तेल्हारा " "
विक्रमशीला " "
उदन्तपुरी " "

नील की खेती

(3) महात्मा गाँधी की चम्पारण यात्रा के 100 वर्ष।

1917 के 10 अप्रैल को बिहार आए थे।

10 अप्रैल 1917 में बिहार आये
भितिहरवा आश्रम
कस्तूरबा गाँधी स्कूल
जला दिया

(भितिहरवा आश्रम संग्रहालय)

(1) हेरिटेजवाक (विरासत यात्रा)
(2) गाँधी जी फिल्म फेस्टीवल
(3) 100 कलाकारों का चित्रकला और मूर्तिकला कार्यशाला

गाना

रूक जा ओ जाने वालें रूक जा
मै तो राही तेरी मंजिल का
नजरों में तेरे मै बुरा सही
आदमी बुरा नहीं मै दिल का

गाना

जाने वाले जरा मुड़कर देखों इधर
एक इंसान हूॅ मैं तुम्हारी तरह !
जसने सबको रचा अपने ही रूप से
उसकी [redacted] पहचान हूॅ मैं तुम्हारी तरह !!

अन्तिम

हयात लेके चलो, कायनात लेके चलो
चलो तो सारे जमाने को साथ लेके चलो

समाप्त -

आसमान तक चमक रहा अपनी संस्कृति का ध्रुवतारा
कला हमारी लहराती है ज्यों गंगा जमुना धारा।

ये बिहार है, जहॉ बौद्ध, सिख, जैन फूले फैले
रंग रंग के त्योहार यहॉ हैं, भॉति भॉति के हैं मेले।

सूफी सन्तों की धरती पर नूर बरसता है न्यारा
छठ गीतों से लहर लहर इतराती गंगा की धारा।

इस धरती पर विद्यापति के गीत अभी भी गुंज रहे
अल्हा रूदल के अफसाने नई चेतना फुंक रहे।

सामा चाको सा मिथिला का खेल अनूठा है प्यारा
जट,जटिन, झिझिया, झुमर, फगुआ, चैता को सुरधारा

बिस्मिल्ला खॉ की शहनाई भारत भर में गूॅजी है
लोकतंत्र की पहली स्वर्णिम किरण यहीं पर फूॅटी है

कोशा पाटलि का गुमान है, वैशाली की अम्बा है
सीता और अहिल्या जैसी नारी रत्न सुगन्धा है।

वीरा हाजी बेगम ने अंग्रेजों को था ललकारा
कुॅवर सिंह और पीर अली ने देश हेतु खुद को वारा।

लोरिक और विषहरी बिहुला गाथाएॅ गाई जातीं
सुपज डोम और हीरा की चर्चाएॅ दुहराई जातीं।

रहसू दुर्गाभक्त आज यादों में आता दोबारा
जहॉ किन्नरों की प्रतिभा को देख रहा आलम सारा।

दसरथ मांझी जिसने पर्वत तोड़ा और बनाई राह
जहॉ भिखारी के गीतों ने रचा एक सुन्दर इतिहास।

यक्षिणि ये दीदारगंज की अब बिहार की है पहचान
कला और संस्कृति से पाया जिसने एक नया सम्मान